हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रोशनपुरा चौराहा, दोपहर 1.30 बजे का दृश्य

सागर से बेगमगंज और ग्यारसपुर जाने वाला मार्ग बंद, नरसिंहपुर में पुलिया धंसी
शहडोल में दीवार गिरने से बुजुर्ग दंपती की मौत, श्योपुर में सीप नदी उफान पर

भारी बारिश से 'भारी दिक्कतें'

भोपाल में अब तक बारिश झूमकर नहीं आई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के चलते बने बाढ़ के हालातों से हाहाकार है। सागर से बेगमगंज और ग्यारसपुर जाने वाला मार्ग नदियों में बाढ़ के कारण बीते 24 घंटो से बंद हैं।

वहीं, शनिवार सुबह नरसिंहपुर में स्टेट हाईवे-22 पर बनी पुलिया धंस गई, जिससे रास्ता बंद हो गया। लोग रस्सी के सहारे शक्कर नदी पार कर रहे हैं। डिंडौरी में जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर खेत की मिट्टी पानी के साथ बहकर सड़क पर आ गई, जिससे कई वाहन बुरी तरह कीचड़ में फंसे हुए हैं। शिवपुरी में बैराड के कई गांवों में बाढ़ आ गई है। घरों में पानी भर गया है। जोराई गांव में सड़क पर खड़ी गाड़ियां पानी में डूब गई हैं। साथ ही, श्योपुर जिले के बेनीपुरा गांव में क्वारी नदी का पानी गांवों में घुस गया है। यहां करीब 20 घरों में पानी भर गया, जिससे गृहस्थी का सामान खराब हो गया। ग्रामीणों को काफी नुकसान हुआ है। शहडोल के केशवाही के मझौली क्षेत्र में तेज बारिश से मकान की कच्ची दीवार गिर गई। हादसे में बुजुर्ग दंपती की मौत हो गई। घटना तड़के 4 बजे की बताई जा रही है।

शहर के बाहरी हिस्सों में बादल ज्यादा बरस रहे

बैरागढ़ में एक जुलाई से शनिवार शाम तक जितनी बारिश बैरसिया-जगदीशपुर में उतनी सुबह से शाम तक हो गई

अभी से ही राजधानी भोपाल के चारों कोनों और बीच के हिस्सों में बारिश का डिस्ट्रीब्यूशन गड़बड़ाने लगा है। इसका प्रमाण इस बात से सामने आया है कि जितनी बारिश बैरागढ़ और अरेरा हिल्स इलाके में एक जुलाई से शनिवार शाम तक हुई है, करीब उतनी बारिश बैरसिया और जगदीशपुर में शनिवार को सुबह 8.30 से शाम 5.30 बजे के बीच ही हो गई है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार बारिश का डिस्ट्रीब्यूशन भोपाल में पहले से ही अलग-अलग हो रहा है। बादल ज्यादा बरस रहे हैं। भोपाल में बारिश के लिहाज से प्रमुख रूप से बैरागढ़, अरेरा हिल्स, बैरसिया, जगदीशपुर और कोलार इलाके काफी महत्वपूर्ण हैं। आंकड़ों के अनुसार बैरागढ़ में एक जुलाई से शनिवार शाम 5.30 बजे तक कुल 34.3 मिमी बारिश हुई है। यहां एक से 30 जून तक कुल 240 मिमी बारिश थी, जो शनिवार शाम (5 जुलाई) तक 274.3 मिमी हो गई। यानि पांच दिन में इस इलाके में करीब 34.3 मिमी बारिश हुई है। इधर, बैरसिया में शनिवार को ही सुबह 8.30 से शाम 5.30 बजे तक कुल और जगदीशपुर में 26.5 मिमी बारिश दर्ज हुई है।

शिवपुरी शहर में बह गई कार

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मिड डे मील: छिपकली मिली, 3 बच्चे बीमार

शहडोल। ब्यौहारी के शासकीय माध्यमिक विद्यालय चरका में मिड डे मील में छिपकली मिली। इसे खाने से तीन बच्चे बीमार हो गए। दरअसल, शनिवार को स्कूल में मध्यान्ह भोजन के दौरान एक छात्रा नेहा सेन की थाली में छिपकली मिली थी। खाना खाने के बाद कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। उन्हे भर्ती करना पड़ा।

पुजारी ने प्रसाद के बहाने बुलाकर दुष्कर्म किया

छतरपुर। प्रसाद देने के बहाने बुलाकर पुजारी पर मंदिर में दो बच्चियों से दुष्कर्म करने का आरोप है। पुलिस ने पॉक्सो का केस आरोपी पुजारी को हिरासत में ले लिया है। घटना गढ़ीमलहरा की है। परिजन ने बताया कि आरोपी भागवत शरण दुबे गांव के आश्रम मंदिर का पुजारी है।

एक और बड़ा तोहफा : लैपटॉप व स्कूटी वितरण के बाद अब विद्यार्थियों को मिलेगी नई ऊर्जा-नई रफ्तार

10 को '15 लाख' से अधिक स्कूली विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री साइकिल बांटेंगे

हाल में मुख्यमंत्री ने 75 फीसदी नंबर लाने वाले छात्र-छात्राओं को लैपटॉप प्रदान किए। इसके पहले स्कूटी प्रदान की थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य सरकार प्रदेश भर के छठवीं व नौवीं कक्षा में एडमिशन लेने वाले छात्र-छात्राओं को एक और तोहफा देने जा रही है। हाल में मुख्यमंत्री ने 75 फीसदी नंबर लाने वाले छात्र-छात्राओं को लैपटॉप प्रदान किए। इसके पहले स्कूटी प्रदान की थी। अब छात्र-छात्राओं को 10 जुलाई को 15 लाख से अधिक स्कूली छात्र-छात्राओं को साइकिलें वितरित की जाएंगी।

मप्र सरकार ने विद्यार्थियों को एक बड़ी खुशखबरी दी है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें बड़ी संख्या में निःशुल्क साइकिलें दी जा रही हैं। इसके दिशा-निर्देश जारी करने के बाद अब इसके कार्यक्रम की घोषणा भी कर दी गई है। इसमें कक्षा छठवीं और नवीं के विद्यार्थियों को साइकिल दी जाएगी।

कक्षा छठवीं और नवीं के विद्यार्थियों को साइकिल दी जाएगी

इसके दिशा-निर्देश जारी करने के बाद अब इसके कार्यक्रम की घोषणा भी कर दी गई है

फाइल फोटो

मुख्यमंत्री ने सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में आए कॉलेजों के विद्यार्थियों से संवाद किया

दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए सरकार संकल्पित है। वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में मप्र राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद थे।

आय बढ़ाने के साथ समाज को एक करने की पहल है सहकारिता : सारंग

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि शनिवार को विश्व अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत के लिए सहकारिता को आगे बढ़ाने पर बल दिया। देश में सहकारिता मंत्रालय बनाकर केंद्रीय मंत्री अमित शाह को जिम्मेदारी सौंपी। देश का इतिहास है कि जहां व्यक्ति है, वहां सहकारिता है। जब व्यक्ति का एक-दूसरे से समन्वय होगा, तभी देश एक होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश और समाज को एक करने की पहल है।

नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया

भगोड़े नीरव मोदी को बैंक फंड्स को लूटने में 'मदद' की थी नेहल ने

46 वर्ष का नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक

» ईडी और सीबीआई की ओर से संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध पर कार्रवाई

» **13600 करोड़** रुपए का पीएनबी घोटाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएनबी घोटाले मामले में भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई और ईडी के प्रत्यर्पण के अनुरोध के बाद उस पर शिकंजा कसा गया है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई को 4 जुलाई को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध की गई। इससे पहले साल 2019 में प्रवर्तन निदेशालय ने इंटरपोल से नीरव मोदी को बैंक फंड्स को लूटने में मदद करने के आरोप में नेहल मोदी की भूमिका के लिए उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध किया गया था।

50 किलो सोना, नकदी और 150 बक्से मोती चुराने के भी आरोप

नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में कथित 13,600 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी वाले बैंक लेनदेन के मामले के आरोपी और भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी का भाई है। नेहल मोदी के खिलाफ इससे पहले 2019 में रेड नोटिस जारी किया गया था। 46 वर्ष का नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक है। नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में वांछित है। जांच में नेहल मोदी को नीरव मोदी की आपराधिक आय को वैध बनाने के लिए काम करने वाले अहम शख्स पाया गया था।

» मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा

अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए हम 'प्रतिबद्ध'

बगैर सर्वे, बगैर तैयारी, आरक्षण देने की बात करके फैलाए गए भ्रम के कारण यह मामला कोर्ट में लंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार सभी वर्गों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। बगैर सर्वे, बगैर तैयारी, आरक्षण देने की बात करके फैलाए गए भ्रम के कारण यह मामला कोर्ट में लंबित रहा। आरक्षण के संबंध में तथ्यात्मक आंकड़ों के आधार पर विधानसभा में बिल प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समन्वय भवन में मीडिया से चर्चा में यह विचार व्यक्त किए।

14 प्रतिशत आरक्षण से शेष बचे लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार 14 प्रतिशत आरक्षण से शेष बचे लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों के लिए भी 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। ऐसे विद्यार्थी जो न्यायालयीन प्रक्रिया के कारण ज्वॉइनिंग नहीं दे पाए, उनको ज्वॉइन कराने के भी प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अधिकारियों- कर्मचारियों की पदोन्नति के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर जातिगत जनगणना की प्रक्रिया भी शुरू हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समन्वय भवन में मीडिया से चर्चा में यह विचार व्यक्त किए।

अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष पर दर्ज मामले पर भड़की करणी सेना

एफआईआर से नाम हटाने पर अड़े पुलिस ने चला दिया 'वाटर कैनन'

मंदसौर। राजपूत समाज के संगठन करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर पर मंदसौर जिले के भावगढ़ में एफआईआर दर्ज हुई है। इसके विरोध में शनिवार को वे अपने हजारों समर्थकों के साथ मंदसौर एसपी कार्यालय घेराव किया। समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। वह एफआईआर वापस लेने और पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे। बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रही।

ड्राइवर की लापरवाही से दो परिवारों की खुशियां मातम में बदली

बारातियों से भरी तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू, दूल्हे सहित 8 लोगों की मौत

संभल। यहां दर्दनाक सड़क हादसा बोलेरो चालक की लापरवाही से हुआ है। बारातियों से भरी तेज रफ्तार बोलेरो के चलते ही चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण खो दिया और अचानक से गाड़ी पलट गई। हादसा इतना भीषण था दूर तक आवाज पहुंची। लोग मौके पर आए, लेकिन मदद नहीं कर सके क्योंकि क्षतिग्रस्त बोलेरो दीवार से चिपक जैसी गई थी। इस भीषण हादसे में दूल्हे सहित आठ लोगों की जान चल गई है, एक घायल का उपचार चल रहा है।

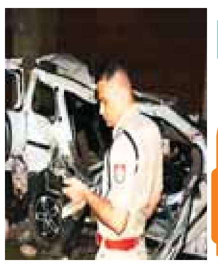

» दीवार से चिपक गई थी बोलेरो

» गेट तोड़कर बोलेरो से निकाले शव

उपचार मिलने में करीब 40 मिनट का लगा वक्त

हादसा होने और उपचार मिलने में करीब 40 मिनट का समय लग गया। ग्रामीणों ने कहा कि यदि इन घायलों को तत्काल उपचार मिल जाता तो शायद कई लोगों की जान बच सकती थी। हादसा भीषण होने के कारण सभी का खून ज्यादा बह गया।

रनों का तूफान : 10 चौके, 7 छक्के....लगाकर इंग्लैंड के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी

इंग्लैंड में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी बने रिकॉर्डतोड़ 'शतकवंशी'

वे यूथ वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने, 52 गेंदों में जड़ा शतक

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां वह मेजबान इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच मैचों की यूथ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस सीरीज में 14 साल के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी अपने बल्ले से तहलका मचा रहे हैं। सीरीज के चौथे वनडे में वैभव ने 190 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ एक तूफानी शतक जड़कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस सीरीज में अभी तक उन्होंने हर मुकाबले में 40 रन का आंकड़ा पार किया है। वूस्टर के न्यू रोड मैदान पर खेले गए चौथे यूथ वनडे में वैभव सूर्यवंशी ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मुकाबले में शुरुआत से ही तेज गति से रन बनाए। उनकी शतकीय पारी में कई लंबे- चौके शामिल रहे।

'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब भी मिला था

इससे पहले 2 जुलाई को नॉर्थम्प्टन में खेले गए तीसरे वनडे में भी वैभव ने 31 गेंदों में 86 रनों की धुआंधार पारी खेली थी। इस पारी में उन्होंने नौ छक्के और छह चौके जड़े, जिससे भारत ने बारिश से प्रभावित 40 ओवर के मैच में 269 रनों का लक्ष्य 34.3 ओवर में ही हासिल कर लिया था। उनकी इस पारी ने भारतीय अंडर-19 टीम को सीरीज में 2-1 की बढ़त दिलाई थी और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब भी मिला था।

गुजरात में बन रहा देश का पहला विवि

भारत का पहला सहकारी विश्वविद्यालय क्षेत्र में भाई-भतीजावाद को खत्म करेगा

शाह ने आणंद कृषि विवि के परिसर में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की रखी आधारशिला

एजेंसी ⏭ आणंद

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि गुजरात में सहकारी क्षेत्र के लिए बनने वाला देश का पहला राष्ट्रीय विश्वविद्यालय भाई-भतीजावाद को समाप्त करेगा, क्योंकि भविष्य में इस क्षेत्र में केवल प्रशिक्षित व्यक्तियों को ही नौकरी मिलेगी। शाह आणंद कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान के परिसर में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय (टीएसयू) की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय का नाम दिवंगत त्रिभुवनदास किशीभाई पटेल के नाम पर रखा गया है, जो भारत में सहकारी आंदोलन के प्रमुखों में से एक थे और जिन्होंने अमूल की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। टीएसयू का निर्माण 500 करोड़ की लागत से 125 एकड़ पर किया जाएगा।

500 करोड़ की लागत

125 एकड़ पर होगा निर्माण

शाह का ऐलान त्रिभुवनदास किशीभाई पटेल होगा इस विवि का नाम

विश्वविद्यालय प्रशिक्षण की कमी को दूर करेगा

उन्होंने कहा कि विवि इस क्षेत्र में लगने वाले भाई-भतीजावाद के आरोपों को दूर करने का काम करेगा। अतीत के विपरीत भविष्य में केवल प्रशिक्षित लोगों को ही इस क्षेत्र में नौकरी मिलेगी। पहले लोगों को काम पर रखा जाता था और फिर प्रशिक्षित किया जाता था। शाह ने कहा कि विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में प्रशिक्षण की कमी को पूरा करेगा जिससे देश का हर चौथा व्यक्ति या कहें कि लगभग 30 करोड़ लोग जुड़े हुए हैं।

श्वेत क्रांति के जनक डॉ. कुरियन की भूमिका को नकार नहीं सकते

शाह ने विश्वविद्यालय का नाम श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन के नाम पर न रखे जाने संबंधी कुछ लोगों की टिप्पणियों पर कहा कि सहकारी क्षेत्र में उनकी भूमिका को कभी नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि त्रिभुवन पटेल ने सहकारी आंदोलन की अलख जगाई। यह उनका ही दृष्टिकोण था कि यह क्षेत्र आज मजबूती से खड़ा है। शाह ने कहा कि कांग्रेस के नेता जो इस तरह के सवाल उठा रहे हैं। उन्हें नहीं पता कि पटेल उनकी पार्टी से ही थे और उस समय भाजपा का अस्तित्व ही नहीं था।

नाम के सवाल पर विपक्ष को दिया करारा जवाब

कुछ लोगों द्वारा विश्वविद्यालय का नाम श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन के नाम पर न रखे जाने पर शाह ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 'डॉ. कुरियन की सहकारी क्षेत्र में भूमिका को कोई नकार नहीं सकता, लेकिन पटेल ने इस आंदोलन की नींव रखी।

कांग्रेस अपने नेता तक को नहीं जानती

शाह ने कहा कांग्रेस इस तरह के सवाल उठा रहे हैं, जबकि उन्हें यह भी नहीं पता कि त्रिभुवनदास पटेल उनकी ही पार्टी से थे। उस समय भाजपा का अस्तित्व भी नहीं था। यह विवि सहकारी क्षेत्र में क्रांति लाएगा और युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा।

अब शिक्षा के साथ साथ युवाओं को नौकरी भी मिलेगी

शाह ने कहा कि पहले सहकारी क्षेत्र में लोगों को नौकरी दी जाती थी, फिर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता था, लेकिन अब टीएसयू इस कमी को पूरा करेगा। यह विश्वविद्यालय प्रशिक्षण देकर सहकारी क्षेत्र को और मजबूत करेगा, जिससे युवाओं को रोजगार के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने बताया कि देश के लगभग 30 करोड़ लोग, यानी हर चौथा व्यक्ति, सहकारी क्षेत्र से जुड़ा है। जो इस क्षेत्र की ताकत को दिखाता है।

केरल पाठ्यक्रम समिति ने दी मंजूरी

10वीं की किताब में राज्यपाल के कर्तव्यों पर नया पाठ जोड़ा

कक्षा 2, 4, 6, 8 और 10 की पाठ्यपुस्तकों में भी नई विषय-वस्तु शामिल होगी

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

केरल के सामान्य शिक्षा विभाग द्वारा बनाई गई एक पाठ्यक्रम समिति ने राज्य के सरकारी स्कूलों में कक्षा 10 की किताब में एक नया अध्याय जोड़ने की मंजूरी दे दी है, जिसमें राज्य के राज्यपालों की संवैधानिक शक्तियों और कर्तव्यों के बारे में बताया गया है। यह फैसला सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। इस बैठक में कक्षा 2, 4, 6, 8 और 10 की पाठ्यपुस्तकों में भी नई विषय-वस्तु शामिल करने को हरी झंडी दी गई है। भारत माता के चित्र के प्रदर्शन के नाम पर केरल सरकार और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के बीच चल रही खींचतान के बीच कक्षा 10 की पाठ्यपुस्तक में राज्यपाल की शक्तियों पर नया अध्याय शामिल किया गया।

राज्यपाल-सरकार में तनातनी तेज

मंत्री शिवनकुट्टी ने पिछले महीने कहा था कि स्कूल की किताबों में जल्दी ही राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों और जिम्मेदारियों से जुड़ी जानकारी जोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूल लोकतंत्र के मूल्यों को समझाने और सिखाने के लिए सबसे उपयुक्त जगह हैं।आधिकारिक समारोहों के दौरान राजभवन में भारत माता की तस्वीर लगाने को लेकर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और राज्य की पिनाराई विजयन नीत एलडीएफ सरकार के बीच कुछ समय से तनातनी चल रही है। शिवनकुट्टी ने हाल ही में राज्यपाल की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम से बाहर निकलते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल पर चित्र प्रदर्शित किया गया था। उनके कैबिनेट सहयोगी और कृषि मंत्री पी प्रसाद ने भी इसी तरह का कारण बताते हुए राजभवन में आयोजित एक समारोह का बहिष्कार किया था।

'लोकतंत्र: एक भारतीय अनुभव' शामिल

10वीं की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के दूसरे खंड में 'लोकतंत्र: एक भारतीय अनुभव' शीर्षक वाले अध्याय में राज्यपाल की शक्तियों और कर्तव्यों पर विस्तार से चर्चा की गई है। बयान में कहा गया है कि विशेष अध्याय में भारतीय लोकतंत्र में संकट, चुनावी बांड को समाप्त करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के फैसले और रिसॉर्ट राजनीति के बारे में भी बताया गया है। संशोधित पाठ्य पुस्तकें ओणम की छुट्टियों से पहले बच्चों तक पहुंच जाएंगी।

भीलवाड़ा में सीताराम की हत्या पर बवाल

मोहर्रम जुलूस रद्द, बुलडोजर और फांसी देने की मांग, एक गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ भीलवाड़ा

जहाजपुर कस्बे में एक दर्दनाक घटना के बाद तनाव है। 25 साल के दिव्यांग युवक सीताराम की मौत के बाद गुस्साए लोगों ने कस्बे में बाजार बंद कर दिए हैं। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोग अस्पताल के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच सीताराम की मां सुगना देवी ने आरोपियों को फांसी देने और मस्जिद पर बुलडोजर चलवाने की मांग कर रही हैं। पुलिस ने इस मामले में रईस नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों को भी डिटेन कर लिया है।

तनाव को देखते हुए प्रशासन का फैसला

प्रशासन ने मोहर्रम के ताजिया जुलूस पर रोक लगा दी है। पहले 5 और 6 जुलाई को जुलूस निकालने की अनुमति दी गई थी, लेकिन अब वह अनुमति वापस ले ली गई है। प्रशासन ने आदेश जारी करते हुए कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए ताजिया नहीं निकाले जाएंगे।

कोलकाता से बैंकॉक जाने वाली उड़ान रद्द

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बैंकॉक जाने वाली थाई लायन एयर की एक उड़ान शनिवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण रद्द कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक विमान में 130 यात्री और चालक दल के सात सदस्य सवार थे। बताया गया कि इस घटना के बाद उड़ान को फिलहाल रद्द कर दिया गया।

विरोध करने वालों को कपड़े उतारकर पीटो: रेड्डी

तहैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इंदिरा कैंटीन करने का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा कैंटीन का नाम बदलकर इंदिरा कैंटीन करने पर विरोध कर रहे लोग मूर्ख हैं। ये पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की महानता को तब तक नहीं समझ पाएंगे जब तक कपड़े उतारकर उन्हें पीटा न जाए।

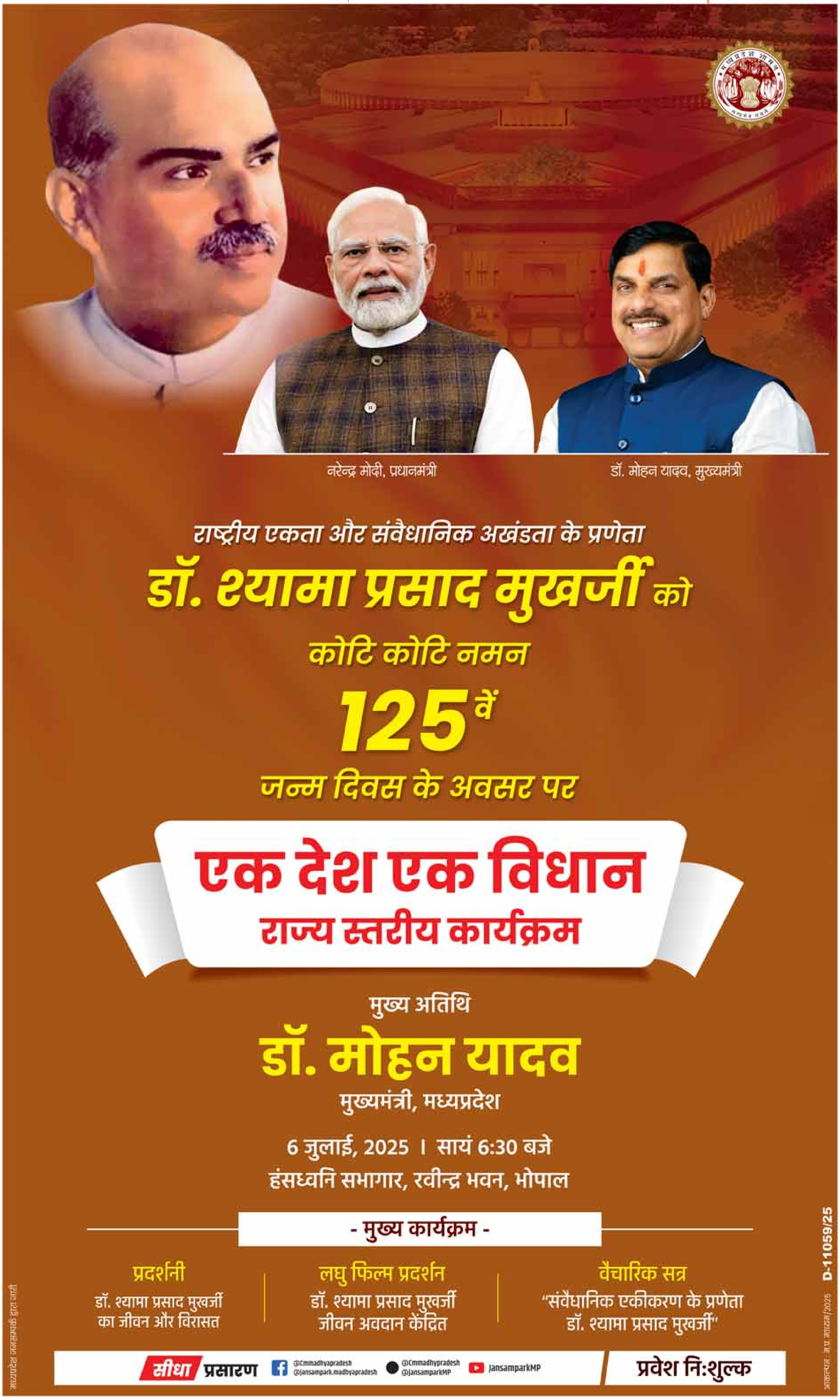

आईएसएस पर कई प्रयोग जारी

शुक्ला ने 'स्पेस माइक्रो एल्गी' नामक एक प्रयोग के लिए नमूनों को अंतरिक्ष में स्थापित किया। यह सूक्ष्म जीवाणु भविष्य में अंतरिक्ष में जीवन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ये भोजन, ईंधन और सांस लेने लायक ऑक्सीजन देने की क्षमता रखते हैं

एक्सिओम-4 मिशन का दसवां दिन

शुभांशु ने किया हड्डियों पर गुरुत्वाकर्षण के असर का अध्ययन, बीमारियों के इलाज में मिलेगी मदद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत अभी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर हैं। एक दिन के आराम के बाद उन्होंने अपने साथियों के साथ 'बोन ऑन आईएसएस' नामक प्रयोग में हिस्सा लिया जिसमें यह जाना गया कि अंतरिक्ष में हड्डियां कैसे कमजोर होती हैं और पृथ्वी पर वापस आने के बाद उनकी स्थिति कैसे सुधरती है। वैज्ञानिक जैविक संकेतकों का विश्लेषण कर रहे हैं, जो हड्डियों के निर्माण, सूजन और विकास से जुड़े हैं।

शुक्ला ने मांसपेशियों की मरम्मत से जुड़े 'मायोजेनेसिस' नामक अध्ययन में भी हिस्सा लिया, जिसमें यह देखा जा रहा है कि माइक्रोग्रैविटी में मानव मांसपेशियां कैसे पुनर्जीवित होती हैं। आईएसएस पर एक अन्य प्रयोग में उन्होंने विकिरण (ऊर्जा का उत्सर्जन और उसका एक जगह से दूसरी जगह फैलना) के संपर्क की निगरानी की गई। यह प्रयोग यह जानने के लिए किया गया है कि लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को विकिरण से कैसे बेहतर सुरक्षा दी जा सकती है। बता दें, मिशन में उनका कोड नाम 'शक्स' है।

अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य जोखिमों का आकलन किया

अंतरिक्ष में विकिरण से बेहतर सुरक्षा देने का किया प्रयोग

आंकड़ों की मदद से बनाया जा रहा 'डिजिटल ट्विन'

इन आंकड़ों की मदद से एक 'डिजिटल ट्विन' यानी वर्चुअल मॉडल बनाया जा रहा है, जो यह दिखा सकेगा कि किसी अंतरिक्ष यात्री की हड्डियां अंतरिक्ष में कैसे प्रतिक्रिया देती हैं और कैसे ठीक होती हैं। यह व्यक्तिगत तरीका भविष्य में मिशन की योजना बनाते समय अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य जोखिमों का आकलन करने और उनके लिए उपयुक्त समाधान तैयार करने में मदद करेगा। इसका लाभ धरती पर हड्डियों से जुड़ी बीमारियों (ऑस्टियोपोरोसिस) के इलाज में मददगार हो सकती है।

◆सूक्ष्म जीवों पर आधारित प्रयोग पूरा किया: इसरो

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बयान में बताया कि शुभांशु शुक्ला ने आईएसएस पर माइक्रोग्रैविटी में टार्डीग्रेड्स (एक तरह के सूक्ष्म जीव) पर आधारित प्रयोग भी पूरा किया। यह अध्ययन अंतरिक्ष में इन जीवों के जीवित रहने, दोबारा सक्रिय होने और प्रजनन व्यवहार पर केंद्रित था। जीव कठिन परिस्थितियों में कैसे जीवित रहते हैं और इसका लाभ धरती पर दवाओं के विकास में भी हो सकता है।

'स्पेस माइक्रो एल्गी' के नमूने स्थापित किए

एक्सिओम स्पेस के अनुसार, शुक्ला ने 'स्पेस माइक्रो एल्गी' नामक एक प्रयोग के लिए नमूनों को अंतरिक्ष में स्थापित किया। यह सूक्ष्म जीवाणु भविष्य में अंतरिक्ष में जीवन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ये भोजन, ईंधन और सांस लेने लायक ऑक्सीजन देने की क्षमता रखते हैं। लेकिन ऐसा तभी संभव होगा, जब यह समझा जाए कि ये सूक्ष्म जीवाणु अंतरिक्ष में कैसे बढ़ते और खुद को ढालते हैं।

आज एक्सिओम स्पेस की प्रमुख से बात करेंगे शुक्ला

शुक्ला और उनकी टीम मिशन के दौरान 60 वैज्ञानिक प्रयोगों में से कई पर काम कर रहे हैं और रविवार को वे एक्सिओम स्पेस की प्रमुख वैज्ञानिक लुसी लो से बातचीत करेंगे, ताकि इन प्रयोगों की प्रगति पर चर्चा की जा सके। इसरो ने बताया कि एक अन्य अध्ययन 'इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले' के तहत शुक्ला ने हर दिन डिजिटल उपकरणों के साथ काम करने की मानसिक और तकनीकी प्रतिक्रिया की जांच की। इस अध्ययन का उद्देश्य यह जानना है कि अंतरिक्ष जैसी विशेष परिस्थितियों में अंतरिक्ष यात्री डिजिटल प्रणाली के साथ कैसे बेहतर तालमेल बिठा सकते हैं।

खबर संक्षेप

मूसेवाला के हत्यारे के भाई को गोलियों से भूना

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर के मेहता के गांव चन्नन के में एक युवक की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। मरने वाला गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के आरोपी जगरूप सिंह रूपा का भाई बताया जा रहा है। मृतक जुगराज सिंह उर्फ तोता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। मृतक गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया का साथी बताया जा रहा है। हत्या की जिम्मेदारी दविंदर बंबीहा गैंग ने ली है। वारदात को गुरुद्वारे के सामने अंजाम दिया। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

हथियार डीलर भंडारी भगोड़ा अपराधी घोषित

नई दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर ब्रिटेन में रह रहे हथियार कारोबारी संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। इस आदेश से संघीय जांच एजेंसी को मजबूती मिली है, क्योंकि अब ईडी भंडारी की करोड़ों रुपए की संपत्ति कुर्क कर सकेगी। हाल ही में ब्रिटेन की एक अदालत ने भंडारी के प्रत्यर्पण के खिलाफ फैसला सुनाया था, जिसके बाद उसके भारत आने की संभावनाएं लगभग समाप्त हो गई हैं।

अर्जेंटीना में भव्य पारंपरिक स्वागत पर बोले पीएम मोदी

'मोदी-मोदी', 'जय हिंद' और 'भारत माता की जय' के लगे नारे

संस्कृति के रिश्ते दिलों से बनते हैं...दूरियों से नहीं

"अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स स्थित अल्वियर पैलेस होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से 'मोदी-मोदी', 'जय हिंद' और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी के स्वागत के दौरान भारतीय समुदाय ने पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रदर्शन किया गया, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की छाप दिखी"

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि सांस्कृतिक संबंधों के लिए दूरी कोई बाधा नहीं है। यह बात उन्होंने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में अल्वियर पैलेस होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे और पारंपरिक स्वागत के बाद कही। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि सांस्कृतिक जुड़ाव के मामले में दूरी कोई बाधा नहीं है! ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

यह देखना वाकई बहुत अच्छा है कि कैसे घर से हजारों किलोमीटर दूर, भारत की भावना हमारे भारतीय समुदाय के माध्यम से चमकती है। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स स्थित अल्वियर पैलेस होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से 'मोदी-मोदी', 'जय हिंद' और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी के स्वागत के दौरान भारतीय समुदाय ने पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रदर्शन किया गया, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की छाप दिखी।

रक्षा, कृषि, खनन, तेल एवं गैस, व्यापार और निवेश सहित कई क्षेत्रों में होगी द्विपक्षीय बातचीत

राष्ट्रीय नायक की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे

पीएम मोदी अर्जेंटीना के राष्ट्रीय नायक जनरल जोस डी सैन मार्टिन की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा और राष्ट्रपति माइली के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी, जिसके बाद उनके सम्मान में भोजन आयोजित किया जाएगा। पीएम मोदी कई फुटबॉल खिलाड़ियों से भी मुलाकात करेंगे।

अर्जेंटीना के साथ संबंधों को बढ़ाएंगे

अर्जेंटीना पहुंचने पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि द्विपक्षीय यात्रा के लिए ब्यूनस आयर्स पहुंचा हूं, जिसमें अर्जेंटीना के साथ संबंधों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मिलने और उनके साथ विस्तृत बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। इससे पहले पीएम मोदी ने अर्जेंटीना को लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार और जी-20 में एक करीबी सहयोगी बताया था। दोनों नेताओं के बीच आखिरी मुलाकात नवंबर 2024 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। पीएम मोदी इससे पहले 2018 में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अर्जेंटीना जा चुके हैं। दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में मजबूत और एकजुट रिश्ते हैं, जो दशकों से और गहरे हो रहे हैं।

57 साल में किसी भारतीय पीएम की पहली द्विपक्षीय यात्रा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा कि पीएम मोदी राष्ट्रपति जेवियर माइली के निमंत्रण पर अर्जेंटीना पहुंचे हैं। हमारे देशों के बीच स्थायी मित्रता का जश्न मनाया गया। यह 57 वर्षों में किसी भारतीय पीएम की अर्जेंटीना की पहली द्विपक्षीय यात्रा है, जो भारत-अर्जेंटीना संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ती है। अपनी इस यात्रा के दौरान मोदी राष्ट्रपति माइली के साथ रक्षा, कृषि, खनन, तेल एवं गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश सहित प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अर्जेंटीना साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए बातचीत करेंगे।

'बम बम भोले' के लगे नारे

अमरनाथ यात्रा का चौथा जत्था रवाना, भगवती नगर में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

एजेंसी ▶▶ जम्मू

अमरनाथ यात्रा के लिए आज जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से चौथा जत्था भोले बाबा के दर्शन के लिए रवाना हुआ। सुबह के शांत और भक्ति भरे माहौल में 'बम बम भोले' और 'भोले बाबा की जय' के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

इसके साथ ही श्रद्धालु 'इंडियन आर्मी जिंदाबाद' और 'भारतीय सेना जिंदाबाद' के नारे लगाते दिखे। यात्रा के दौरान कुछ श्रद्धालु अपने हाथों में गमले लिए हुए थे, जिनमें 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्टीकर लगा हुआ था।

प्रशासन ने अच्छी व्यवस्था की

यात्रा शुरू होने से पहले भगवती नगर बेस कैंप में भक्ति का अनोखा नजारा देखने को मिला। जैसे ही बसों और अन्य वाहनों का काफिला रवाना हुआ, माहौल में एक अलग ही जोश और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने बताया कि वे कई साल से इस पवित्र यात्रा में हिस्सा ले रहे हैं, और हर बार यह अनुभव उनके लिए नया अविस्मरणीय होता है।

पांच बसों की आपस में भिड़ंत, 36 घायल

रामबन। जम्मू के रामबन में शनिवार को पांच बसों की टक्कर में कम से कम 36 अमरनाथ तीर्थयात्री मामूली रूप से घायल हो गए। बसें जम्मू के भगवती नगर से दक्षिण कश्मीर के पहलगाम बेस कैंप के लिए जा रहे काफिले का हिस्सा थीं। दुर्घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंद्रकूट के पास हुई। दुर्घटना एक बस के ब्रेक फेल होने के कारण हुई, जिसने बाद बस ने अन्य वाहनों को टक्कर मार दी।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल बोले

भारत अब नौकरी खोजने वाला नहीं, देने वाला देश बनेगा, 'तकनीक' निभाएगी अहम भूमिका

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि आने वाले वर्षों में भारत की विकास यात्रा को नई तकनीकें परिभाषित करेंगी। भारत अब एक ऐसा देश बन रहा है जो नौकरियां मांगने वाला नहीं, बल्कि देने वाला है। गोयल आईआईटी मद्रास एलुमनी एसोसिएशन के संगम 2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपका विज्ञान, आपकी तकनीक, देश के इस जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम, रिसर्च और इनोवेशन के साथ मिलकर भविष्य की भारत की विकास कहानी को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि हमने भी स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स और अन्य पहलों के जरिए स्टार्टअप इकोसिस्टम का हिस्सा बनने की कोशिश की है।

अमेरिका से समझौता राष्ट्रीय हित में होगा

गोयल ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को तभी स्वीकार करेगा, जब यह पूरी तरह से अंतिम रूप ले लेगा और राष्ट्रीय हित में होगा। भारत समयसीमा के तहत बातचीत नहीं करता। हम राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए बातचीत करते हैं और दुनिया भर में हमारे सभी जुड़ावों में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद, हमने मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार देशों के समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और अब पिछले महीने ब्रिटेन के साथ भी समझौता किया गया।

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ का प्रकोप

24 की मौत, 23 लड़कियां लापता बारिश के बीच राहत कार्य जारी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के टेक्सास राज्य में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद ग्वाडालूप नदी में आई बाढ़ से 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लड़कियां लापता हो गई। अब तक 400 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। टेक्सास के गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया कि रेस्क्यू टीम काम कर रही है।

ग्वाडालूप नदी में उफान

कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचाया गया है। कैंप में बिजली नहीं है और कई बच्चे अभी भी रेस्क्यू का इंतजार कर रहे हैं। कितने लोग लापता हैं, इसका सटीक आंकड़ा बताना मुश्किल है। टेक्सास की ग्वाडालूप नदी में शुक्रवार को अचानक उफान आने से कर्बविल, सेंटर पॉइंट, इंग्राम और कम्फर्ट जैसे इलाकों में बाढ़ आ गई। तेज बारिश की वजह से शुक्रवार को नदी का जल स्तर कुछ ही घंटे में 7 फीट से बढ़कर 29 फीट हो गया। नेशनल वेदर सर्विस ने शुक्रवार को बाढ़ आने से 12 घंटे पहले फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की थी।

रूस ने दागे तीन सौ से ज्यादा ड्रोन्स

यूक्रेन का रूस के एयरबेस पर हमले का दावा, विमानों को बनाया निशाना

एजेंसी ▶▶ कीव

यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने शनिवार को रूसी एयरबेस पर हमला किया। वहीं रूस ने भी रात भर यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन से बमबारी जारी रखी। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की कोशिशें अब कमजोर होती जा रही हैं और दोनों तरफ से हमले भी तेज हो गए हैं। यूक्रेन के सैन्य जनरल स्टाफ ने शनिवार को कहा कि यूक्रेनी बलों ने रूस के वोरोनिश क्षेत्र में बोरिसोग्लेब्स्क एयरबेस पर हमला किया। इस एयरबेस पर रूस के एसयू-34, एसयू-35एस और एसयू-30एसएम जैसे लड़ाकू विमान तैनात बताए जाते हैं।

पुतिन बस लोगों को मारना चाहते हैं: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन युद्ध पर हुई टेलीफोन बातचीत से बहुत नाखुश हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि पुतिन बस लोगों को मारते रहना चाहते हैं और युद्ध रोकने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बहुत कठिन है। मैंने पुतिन से बात की, लेकिन वह अब भी युद्ध से पीछे नहीं हटना चाहता। बस लोगों को मारना चाहता है, ये ठीक नहीं है। वह रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों पर विचार कर रहे हैं।

रूस ने यूक्रेन इलाके में बमबारी की

रूस ने भी शनिवार रात तक यूक्रेन में 322 ड्रोन्स से यूक्रेन पर हमला किया और यूक्रेनी इलाकों में बमबारी की। यूक्रेन का दावा है कि इनमें से 157 को मार गिराया गया और 135 संभवतः इलेक्ट्रॉनिक रूप से जाम कर दिए गए।

उत्तराधिकारी के ऐलान की अटकलों पर बोले आध्यात्मिक नेता दलाई लामा

उम्मीद है कि मैं अभी 30-40 साल और जिंदा रहूंगा

एजेंसी ▶▶ मैक्लोडगंज (धर्मशाला)

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने कहा है कि बहुत सारी भविष्यवाणियों को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी 30-40 साल और जीवित रहूंगा। आपकी प्रार्थनाएं अब तक फलदायी रही हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि हमने अपना देश खो दिया है और हम भारत में निर्वासन में रह रहे हैं, लेकिन यहीं मैं लोगों को काफी लाभ पहुंचाने में सक्षम रहा हूं। जो यहां धर्मशाला में रह रहे हैं। मैं जितना संभव हो सके लोगों को लाभ पहुंचाने और उनकी सेवा करने का इरादा रखता हूं।

48 देशों से बौद्ध धर्म के हजारों अनुयायी धर्मशाला पहुंचे

आज केक कटेगा, देंगे आशीर्वाद

तिब्बती धर्मगुरु 14वें दलाई लामा तेंजिन ग्योत्सो के 90वें जन्मदिवस पर मैक्लोडगंज में शनिवार से दो दिवसीय कार्यक्रम चल रहा है। समारोह के लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेरे और अन्य लोग मुख्य तिब्बती मंदिर और दलाई लामा के निवास स्थान में मौजूद हैं। मैक्लोडगंज स्थित दलाई लामा मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया है। शनिवार सुबह बौद्ध मठ में दलाई लामा की लंबी उम्र और स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। सुबह 8:00 बजे शुरू हुई इस प्रार्थना सभा में दलाई लामा खुद मौजूद रहे। रविवार को केक कटेगा और दलाई लामा अनुयायियों को आशीर्वाद देंगे।

सुरक्षा एजेंसिया अलर्ट

14वें दलाई लामा का 90वां जन्मदिन आधिकारिक तौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 6 जुलाई को मनाया जाता है। करीब 48 देशों से बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले और दलाई लामा के हजारों अनुयायी धर्मशाला पहुंच चुके हैं। आयोजन को लेकर सुरक्षा एजेंसियां भी पूरी तरह सक्रिय हैं।

किरेन रिजिजू ने जताई खुशी

केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू ने 14वें दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने पर खुशी जताई। उन्होंने बताया कि दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की गई, रविवार को उनका 90वां जन्मदिन समारोह मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर से भक्त यहां आए हैं और मुझे खुशी है कि मैं भी इसमें शामिल हो पाया।

पाक पीएम ने फिर उगला जहर

अजरबैजान जाकर अलापा कश्मीर का राग, भारत पर लगाया आरोप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। शहबाज ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को दुर्भाग्यपूर्ण तो बताया, लेकिन साथ ही भारत पर क्षेत्रीय शांति को अस्थिर करने का आरोप भी मढ़ दिया। दरअसल शहबाज शरीफ अजरबैजान में आयोजित आर्थिक सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में पहुंचे थे। यहां उन्होंने फिर से कश्मीर का राग अलापा और भारत पर कई आरोप लगाए। शहबाज ने इस दौरान इजराइल पर भी निशाना साधा और गाजा व ईरान में हुए हमले की निंदा की।

पहलगाम हमले के बाद हुआ ऑपरेशन सिंदूर

बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले ली थी। इस हमले में 25 टूरिस्ट और एक स्थानीय नागरिक की मौत हो गई थी। भारत ने कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया और पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान में संघर्ष शुरू हो गया था।

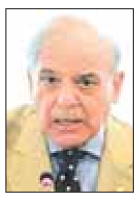

मेधावी बच्चों को मिलेगी शैक्षणिक सहायता, बैंक लोन की गारंटी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल की घोषणा, भाजपा कर्मचारियों को मेडिकल क्लेम, बीमा की मिलेगी सुविधा

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पार्टी के कर्मचारियों से प्राप्त किया और उनके लिए कई घोषणाएं की। ऐसा करने वाले संभवतः वे पहले प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्होंने घोषणा की कि सभी कर्मचारियों के लिए मेडिकल क्लेम और बीमा की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों के बच्चों को स्कॉलरशिप मिलती है, तो पार्टी उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए हरसंभव आर्थिक मदद प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी को बैंक लोन की आवश्यकता होगी तो मैं स्वयं गारंटी देने को तैयार हूं, ताकि आपके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बन सके। इस दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद भी मौजूद थे।

खंडेलवाल ने प्रदेश कार्यालय में कर्मचारियों से प्राप्त किया परिचय

अनुशासन, समयबद्धता के साथ कार्य करने का किया आग्रह

कार्यालय परिसर में मिलेगा कम शुल्क में भोजन, जल्द शुरू होगी व्यवस्था

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी पार्टी की एक अहम कड़ी हैं। आप केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि इस विचार परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक किसी संस्था से जुड़ता है, तो वह उस संस्था की संस्कृति, विचार और कार्यपद्धति का सहभागी बन जाता है। उन्होंने कहा कि कार्यालय में कार्यरत प्रत्येक सदस्य का परिवार सुरक्षित एवं संरक्षित भाव से रहे, हम इसका सदैव ध्यान रखेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि शीघ्र ही पार्टी कार्यालय परिसर में कम शुल्क पर भोजन व्यवस्था प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने सभी से अनुशासन, समयबद्धता और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने का आग्रह किया।

परिचय आपस में बढ़ाता है प्रेम: हितानंद

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि तुलसीदास जी ने कहा है कि 'बिनु प्रतीत होइ न प्रीति' अर्थात बिना परिचय के प्रेम और विश्वास नहीं होता। उन्होंने कहा कि यही उद्धेश्य लेकर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रत्येक सदस्य से व्यक्तिगत परिचय प्राप्त किया है, ताकि पारिवारिक भाव और आपसी विश्वास को और सशक्त किया जा सके। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ राघवेंद्र शर्मा ने सभी कर्मचारियों का परिचय प्रदेश अध्यक्ष से कराया। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल, पार्टी के प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार एवं प्रदीप त्रिपाठी सहित पार्टी कार्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

परिवार और समाज नहीं, कार्यकर्ताओं की ताकत से चलती है भारतीय जनता पार्टी: खंडेलवाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी परिवार और समाज नहीं, कार्यकर्ताओं की ताकत से चलती है। अगर कार्यकर्ता तय कर ले, तो कोई चुनाव जीतना मुश्किल नहीं है। मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष के दायित्व का निर्वाह कर रहा हूं, मुझमें ऐसा कुछ भी नहीं, जो मुझे आपसे अलग करे। मैं आपके बीच का ही कार्यकर्ता हूं। आपका सम्मान बरकरार रहे, इसकी चिंता हम करेंगे। हर कार्यकर्ता की क्षमता का पूरा उपयोग हो, यह भी हम देखेंगे। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने रविन्द्र भवन परिसर में स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम को प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक शर्मा, प्रदेश महामंत्री व भगवानदास सबनानी, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति ने भी संबोधित किया।

कार्यकर्ता तय कर लें, तो हर चुनाव जीत सकते हैं

खंडेलवाल ने कहा कि हमारे संगठन में कार्यकर्ता सर्वोपरि होता है। खंडेलवाल ने कहा कि भोपाल राजनीतिक दृष्टि से एक कठिन जिला रहा है। कार्यकर्ताओं ने भोपाल में पार्टी को मजबूत किया, उसके बाद ही पूरे प्रदेश में कमल खिल सका, क्योंकि भोपाल का असर पूरे प्रदेश पर होता है। इसके लिए मैं आप कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं। भोपाल के कार्यकर्ताओं पर दोहरी जिम्मेदारी होती है। अगर कोई राष्ट्रीय नेता का दौरा होता है, तो उसकी भी जिम्मेदारी है और कोई स्थानीय कार्यक्रम है, तो उसकी भी जिम्मेदारी है।

सरई में महिला सशक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की घोषणा

दीपावली के बाद बहनों को हर महीने देंगे 1500 रुपए सिंगरौली को जल्द मिलेगी मेडिकल कॉलेज की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंगरौली प्रदेश का खनिज सम्पन्न जिला है। सिंगरौली को शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने वाली है। अगले साल से यहां पढ़-लिखकर डॉक्टर निकलेंगे। शुक्रवार को प्रदेशभर के 94 हजार 234 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि ट्रांसफर की गई है। इसमें 60 प्रतिशत छात्राएं और 40 प्रतिशत छात्र शामिल हैं।

राज्य सरकार जनजातीय अंचल में सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सिंगरौली जिले के सरई गांव में महिला सशक्तिकरण तथा जनजातीय गौरव सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। कुछ दिनों बाद 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा है, इस दिन प्रदेश के सभी स्कूल-कॉलेज, हॉस्टल सहित बच्चों की सुविधा से जुड़े निर्माण कार्यों का एक साथ लोकार्पण होगा। बच्चों को साइकिल, ड्रेस और किताबों का वितरण भी किया जाएगा।

बहनों को रक्षाबंधन पर मिलेगा 250 रुपए का शगुन

503 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाले 54 कार्यों का हुआ लोकार्पण एवं भूमिपूजन

******

सिंगरौली की आबादी में कुल 39% अजजा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लिए राज्य सरकार नेक-नीयत और विशेष भावना से कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। सिंगरौली की कुल आबादी में 39 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति है, इनमें से 5 लाख को शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हमारी सरकार की भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना से जनजातीय वर्ग को बड़ी मदद मिली है। प्रधानमंत्री जन-मन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का लाभ भी जनजातीय वर्ग को दिया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें फसलों का समुचित मूल्य देने के लिए संकल्पित है।

सिंगरौली को मिली 503 करोड़ के निर्माण कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरई में हुए सम्मेलन से सिंगरौली जिले को 503 करोड़ 9 लाख 19 हजार रुपए के 54 निर्माण कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 104 करोड़ 67 लाख 26 हजार रुपए की लागत के 20 निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा 398 करोड़ 41 लाख 93 हजार रुपए की लागत के 34 निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सांदीपनि हायर सेकंडरी स्कूल चकरिया के नवनिर्मित भवन, विद्युत सब स्टेशन हरफरी, सांदीपनि हायर सेकण्डरी स्कूल भवन हिरवाह का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने इसके साथथ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन, 8 सड़कों में डामरीकरण का कार्य, कॉलेज भवन बरगवां, लोक सेवा केन्द्र माड़ा और सरई तथा आयुष विंग के निर्माण कार्य का भी लोकार्पण किया।

महिलाओं को हक दिलाने में कोई कमी नहीं रखी

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को उनका हक दिलाने में हमने कोई कमी नहीं रखी है। हमारी सरकार में प्रदेश के 4 जिलों में महिला अधिकारी जिला कलेक्टर का दायित्व संभाल रही हैं। राज्य सरकार गरीब से गरीब के जीवन में सबेरा लाने का कार्य कर रही है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास के लाभ से वंचित पात्र हितग्राहियों की पहचान के लिए नए सिरे से सर्वे शुरू किया गया है। संपति की रजिस्ट्री में एक प्रतिशत की छूट देने से आज 45 प्रतिशत रजिस्ट्री बहनों के नाम पर हो रही हैं। यह हमारी पहल का ही सुखद परिणाम है।

मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरई में कहा कि सिंगरौली में भरपूर कोयला एवं अन्य खनिज संपदा उपलब्ध है। यहां 4 लेन सड़क बनाई जाएगी। माडा अस्पताल को अपग्रेड कर सीएचसी बनाया जाएगा। सरई में उपखंड कार्यालय, बरगवा-परसवा में 52 किमी लंबी 4 लेन सड़क बनाई जाएगी। सरई में 100 बेड के नए अस्पताल की स्थापना के लिए सर्वे कराया जाएगा।

सभी लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए महीना देंगे

राज्य सरकार लाड़ली बहनों और स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को और अधिक सशक्त करने के लिए कार्य कर रही है। पहले प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय मात्र 11 हजार थी, लेकिन अब हमारी सरकार के प्रयासों से यह एक लाख 52 हजार रुपए हो गई है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन से पहले सभी पात्र बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि शगुन के रूप में भेजी जाएगी। दीपावली के बाद हम प्रदेश की सभी लाडली बहनों को हर माह 1500 रुपए महीना देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों के सम्मान और गरीबों के कल्याण के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। हमने रानी दुर्गावती और राजा भभूत सिंह की स्मृति में कैबिनेट की बैठक भी आयोजित की है।

दोबारा विवेचना के दौरान पुलिस को मिली सफलता

बहुचर्चित डॉक्टर दंपती हत्याकांड में आरोपी ड्राइवर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कबीरधाम

पुलिस ने आठ साल पहले 6 अप्रैल 2017 को कवर्धा शहर में हुए चर्चित डॉक्टर दंपति हत्याकांड का शनिवार 5 जुलाई को खुलासा कर दिया है। हत्यारा कोई और नहीं, बल्कि दंपति का पूर्व वाहन चालक सत्यप्रकाश साहू निकला। शनिवार को कबीरधाम एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी धर्मेंद्र सिंह ने मामले का विवरण साझा किया।

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि 6 अप्रैल 2017 को कवर्धा के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. गणेश सूर्यवंशी और उनकी पत्नी डॉ. उषा सूर्यवंशी के शव उनके निवास के आंगन में रक्तरंजित अवस्था में मिले थे। प्रारंभिक जांच में यह दोहरा हत्याकांड प्रतीत हुआ, लेकिन ठोस सुराग के अभाव में मामला अनसुलझा रहा। हाल ही में दोबारा विवेचना के दौरान सत्यप्रकाश साहू पर संदेह गहराया, जो दंपति का पूर्व ड्राइवर था।

ड्राइवर ने डॉक्टर को दिया था उधार

जांच में पता चला कि सत्यप्रकाश ने डॉ. गणेश को 1.80 लाख रुपये उधार दिए थे। रुपये वापस मांगने के लिए वह उनके घर गया, जहां दंपति के बीच पहले से चल रहे घरेलू विवाद का गवाह बना। विवाद के दौरान डॉ. गणेश ने अपनी पत्नी पर भारी पत्थर से वार कर उनकी हत्या कर दी। यह देख सत्यप्रकाश घबरा गया और उसने डॉ. गणेश को धक्का देकर गिराया, फिर पत्थर से वार कर उनकी भी हत्या कर दी। हत्या के बाद सत्यप्रकाश ने खून के धब्बे साफ किए। शवों को आंगन में खींचकर रखा और डॉक्टर का एक मोबाइल लेकर फरार हो गया। उसने मोबाइल को गंडई में 1900 रुपये में गिरवी रख दिया। 6 अप्रैल को जब पुलिस को घटना की जानकारी मिली, तब वह भीड़ में शामिल होकर स्थिति का जायजा ले रहा था।

पिछले कुछ सालों में कई खुलासे किए

मामले के खुलासे में सहयोग के लिए आईजी अभिषेक शांडिल्य ने 30,000 रुपये और एसपी धर्मेंद्र सिंह ने 10,000 रुपये के इनाम की घोषणा की थी। कबीरधाम पुलिस ने हाल के वर्षों में कई पुराने अनसुलझे हत्याकांडों का खुलासा कर अपनी सतर्कता और विवेचना में दक्षता साबित की है। वैज्ञानिक साक्ष्यों और 14 घंटे की गहन पूछताछ के बाद सत्यप्रकाश ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। हाल ही में उसके खिलाफ ब्लैकमेलिंग की शिकायत भी दर्ज हुई थी, जिसके डर से वह गंडई भाग गया था। एसपी ने बताया कि यह जटिल हत्याकांड तकनीकी दक्षता, वैज्ञानिक विवेचना के साथ सुलझाया गया।

पंडरिया विस क्षेत्र के 61 विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

आज कबीरधाम के दौरे पर रहेंगे सीएम साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कबीरधाम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार को कबीरधाम जिले के दौरे पर रहेंगे। वे पंडरिया नगर पालिका में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे और पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए 72.70 करोड़ रुपये की लागत वाले 61 विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन करेंगे।

इस दौरान सीएम साय 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत टॉपर छात्राओं, खेलों में पदक प्राप्त खिलाड़ियों, महिला स्व-सहायता समूहों, महतारी वंदन योजना की हितग्राहियों और बैगा परिवार की महिलाओं को महतारी अलंकरण सम्मान से सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, मंत्री लखनलाल देवांगन, सांसद संतोष पांडेय और पंडरिया विधायक भावना बोहरा उपस्थित रहेंगे।

कलेक्टर ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

शनिवार को कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और तैयारियों को अंतिम रूप दिया। उन्होंने मंच, पंडाल, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, बेरिकेडिंग, विद्युत और शौचालय जैसी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में छात्राओं के लिए पांच मुफ्त बस सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। विधायक भावना बोहरा ने बताया कि बस सेवा का लाभ लेने के लिए पंजीयन शुरू हो चुका है।

एक नक्सली ढेर, मुठभेड़ स्थल से हथियार बरामद

जवानों और नक्सलियों के बीच रुक-रुककर जारी है मुठभेड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में डीआरजी जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है अभी भी माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादियों के बड़े कैडर की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने सर्चिंग अभियान शुरू किया। इस अभियान के दौरान चार जुलाई से माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। पुलिस के अनुसार, अब तक की कार्रवाई में मुठभेड़ स्थल से एक पुरुष माओवादी का शव और हथियार बरामद किया गया है। अभियान अभी भी जारी है और जवानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फिलहाल अधिक जानकारी साझा नहीं की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अभियान समाप्त होने के बाद विस्तृत विवरण अलग से उपलब्ध कराया जाएगा।

32 जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल कराने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने की जनसुनवाई

सचिव ने कहा: फिलहाल मप्र की 68 जातियां शामिल, जबकि मप्र शासन की सूची में 94 जाति, उपजाति, वर्ग समूह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर एवं आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल ने शुक्रवार को प्रदेश की पिछड़ा वर्ग सूची में सम्मिलित 32 जातियों को मध्यप्रदेश राज्य की केन्द्रीय सूची में सम्मिलित करने के लिए राजकीय अतिथि गृह (वीआईपी गेस्ट हाउस) भोपाल में जनसुनवाई की।

जिसमें इन जातियों के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश राज्य की पिछड़ा वर्ग की केन्द्रीय सूची में सम्मिलित होने के लिए अपना पक्ष प्रस्तुत किया। सचिव राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने बताया कि वर्तमान स्थिति में केन्द्रीय पिछड़ा वर्ग की केन्द्रीय सूची में मध्यप्रदेश राज्य के लिए

68 जातियां सम्मिलित हैं। जबकि मध्यप्रदेश शासन की सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जाति की सूची में 94 जाति, उपजाति, वर्ग समूह सम्मिलित हैं। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, सदस्य सीताराम यादव, विभागीय प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार,आदि उपस्थित रहे।

खरसिया थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही मामले की जांच

तलवार लेकर गदर मचा रहे युवक ने ग्रामीण को मारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक युवक ने एक शख्स की तलवार से वार कर हत्या कर दी। युवक तलवार लेकर हंगामा कर रहा था। मृतक उसे समझाने के लिए गया था। लेकिन आरोपी नहीं माना और समाझाने गए शख्स के गले और सीने पर तलवार से वार कर दिए। पुलिस आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक, खरसिया थाना में रिपोर्ट लिखाते हुए मृतक की बेटी सुकवारा बाई खडिया निवासी तुरेकेला खड़यिपारा ने बताया कि 3 जुलाई को उनके पड़ोस सम्पत खडिया के घर में छठी का कार्यक्रम था। जिसमे गांव के अधिकांश लोग शामिल हुए थे। इस दौरान हसीं मजाक में जगन्नाथ खडिया और अर्जुन खडिया के बीच विवाद हो गया। इस बीच वहां मौजूद लोगों के द्वारा समझाया गया, अर्जुन गुस्सा होकर वहां से चला गया। सुकवारा बाई खडिया ने बताया कि अर्जुन अपने घर से

तलवार लेकर आया जवाहर और राम कुमार को मारने की कोशिश किया। सुकवारा बाई ने बताया कि इस बीच उसके पिता केन्दाराम खड़िया ने अर्जुन को समझाया। जिसके बाद वे बाहर चले गए। अर्जुन तलवार लेकर उनके पीछे-पीछे गया। घर के बाहर केन्दाराम खड़िया पर अर्जुन ने पहले पीछे से उनके गले पर जोरदार वार किया। जिससे केन्दाराम जमीन पर गिर गए और फिर अर्जुन ने उसके सीने में भी तलवार से वार कर दिया। जिससे अधिक खून बहने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने अर्जुन खड़िया के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अमरकंटक के पर्यटन विकास से नए आयाम जुड़ेंगे: मुख्यमंत्री

नर्मदा परिक्रमा तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए परिक्रमा पथ का होगा विकास

2800 करोड़ की लागत से चित्रकूट धाम का किया जाएगा विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमरकंटक के पर्यटन विकास में नए आयाम जोड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमरकंटक धार्मिक एवं पर्यटन के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

यह त्रिवेणी नर्मदा, सोन एवं जोहिला का मायका है, मप्र सरकार नर्मदा परिक्रमा पथ क्षेत्र के समग्र विकास के लिए संकल्पबद्ध है। इसके तहत घाटों का विकास, अन्न क्षेत्र का विकास और वृहद पौधरोपण किया जाएगा।

कोतमा में 443.31 करोड़ लागत के 114 विकास कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण एवं भूमिपूजन

तीर्थ स्थानों का लगातार विकास कर रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य और केन्द्र की सरकार प्रदेश में धार्मिक एवं आस्था वाले तीर्थ स्थानों का लगातार विकास कर रही है। अयोध्या धाम की तर्ज पर 2800 करोड़ की लागत से चित्रकूट धाम का भी विकास किया जाएगा। राज्य और केंद्र की सरकार 1450 किलोमीटर लंबा राम वन गमन पथ तैयार करने पर कार्य कर रही है। बदलते दौर के मध्यप्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

राम घाट पर बनाए गए रामसेतु का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अनूपपुर जिले के कोतमा में हरियाली से खुशहाली का नया परिवेश कार्यक्रम में अमृत हरित महाअभियान तथा हितग्राही सम्मेलन को रीवा से वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कोतमा में आयोजित हितग्राही सम्मेलन में रिमोट का बटन दबाकर 443.31 करोड़ रुपए की लागत वाले 114 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने नीट एण्ड जेईई कोचिंग, अमरकंटक में नर्मदा नदी पर 13 करोड़ से प्रसाद योजना के तहत राम घाट पर बनाए गए रामसेतु का लोकार्पण किया।

अनूपपुर में नए केंद्रीय विद्यालय का निर्माण

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनूपपुर जिले में नीट एवं जेईई की निःशुल्क प्रवेश परीक्षा की तैयारियों के लिए 84 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस की शुरुआत एक अभिनव और अनुकरणीय पहल है। उन्होंने कहा कि अनूपपुर के लोगों को स्वच्छ पेयजल, बेहतर सड़क सुविधा और युवाओं को बेहतर शिक्षा मिलेगी। अनूपपुर में नए केंद्रीय विद्यालय का निर्माण हो रहा है। आज सोन बैराज का भूमि-पूजन हुआ है, इससे सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा।

नई दिल्ली। भारत घूमने के लिहाज से बेहद खूबसूरत देश है। यही वजह है कि हर साल कई देशों से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं। हालांकि, आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत के सिर्फ शहर या हिल स्टेशन ही नहीं, बल्कि यहां के गांव भी बेहद खूबसूरत हैं। खूबसूरती के मामले में ये कई हिल स्टेशनों को टक्कर देते हैं। ये गांव अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां बड़ी संख्या में लोग घूमने आते हैं।

ये हैं भारत के सबसे खूबसूरत और साफ-सुथरे गांव, नजारे आपको यहां रहने पर कर देंगे मजबूर

मावलिननॉन्ग

मेघालय में मावलिननॉन्ग भारत में घूमने के लिए एक बेहद खास गांव है। दरअसल, यह एशिया का सबसे साफ-सुथरा गांव है। आपको बता दें कि इस गांव को 2003 में डिस्कवर इंडिया द्वारा एशिया के सबसे साफ-सुथरे गांव का खिताब दिया गया था। इस गांव में शिक्षा का प्रतिशत 100 प्रतिशत यानी 100 फीसदी लोग शिक्षित माने जाते हैं। यहां नॉन-रिसाइकिलेबल प्लास्टिक और धूम्रपान पर प्रतिबंध है। धूम्रपान करने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाता है। इस गांव को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं।

नोक वैली

नोक वैली भी भारत के सबसे साफ-सुथरे गांवों की सूची में आती है। यह हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी में स्थित है। इस गांव में आपको एक प्राचीन मठ परिसर भी मिलेगा। दरअसल, यह बौद्ध लामाओं द्वारा संचालित चार मंदिरों का समूह है, जो यहां के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से हैं। यह अपनी सफाई और खूबसूरत चित्रकारी के कारण बहुत प्रसिद्ध है। यहां पर आने के बाद मन को जो सुकून मिलता है, वो कहीं और नहीं मिलेगा।

इडुक्की

केरल अपने प्राकृतिक नजारों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। समुद्र तट से लेकर हरियाली के मामले में यहां का कोई मुकाबला नहीं है। लेकिन, शहरों और हिल्स से अलग केरल में एक ऐसा गांव इडुक्की भी है, जो बेहद खूबसूरत और आकर्षक है। इसकी प्राकृतिक खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। इस गांव की सड़कें घुमावदार हैं। यहां आपको खूबसूरत झरने और हरे-भरे जंगल देखने को मिलेंगे।

खोनोमा

नागालैंड का खोनोमा गांव भी भारत के सबसे साफ और खूबसूरत गांवों की लिस्ट में आता है। यह गांव राज्य की राजधानी कोहिमा के पास स्थित है। इस गांव की आबादी करीब 3000 है, यह करीब 700 साल पुराना गांव है, यहां के हरे-भरे जंगल और चावल के खेत आपको बेहद पसंद आएंगे। पहली बार में इस गांव को देखने पर ऐसा अहसास होता है कि हम किसी सीनरी को देख रहे हैं।

रोचक खबरें

बादलों के बीच अचानक कहां से आया लाल रंग का टॉवर, नासा ने कैद की दुर्लभ तस्वीर

वॉशिंगटन। अक्सर वैज्ञानिक कुछ न कुछ ऐसा करते रहते हैं जिसकी वजह से लोग आश्चर्य में पड़ जाते हैं। अब नासा की अंतरिक्ष यात्री निकोल एयर्स ने अंतरिक्ष स्टेशन से मैक्सिको और अमेरिका के ऊपर एक ऐसी तस्वीर खींची है, जिससे हर कोई हैरान हो गया है। इसे 'स्प्राइट' कहा जाता है। स्प्राइट्स तूफानी बादलों में तेज बिजली की गतिविधि से बनने वाली चमकदार घटनाएं है। एयर्स ने एक्स पर फोटो शेयर करके इसके बारे में जानकारी दी है।

पहले भी आ चुके हैं मामले : एक रिपोर्ट के मुताबिक 1989 तक कोई भी यह नहीं मानता था कि स्प्राइट असली हैं। पायलटों ने कई बार लाल तरह की बिजली की सूचना दी थी तब वैज्ञानिकों उन पर विश्वास करना शुरू किया। इसके अलावा 2022 में हिमालय के ऊपर लाल स्प्राइट और हरे तरह के भूत को भी देखा गया, लेकिन तब तक कोई यह नहीं जानता था कि आखिर ये क्या है। बता दें कि लाल रोशनी की तस्वीरें दक्षिणी तिब्बती पठार में एक झील स्थल के पास से ली गई थीं। वहीं, एडवांस इन एटमॉस्फेरिक साइंसेज की रिपोर्ट के मुताबिक तिब्बत में पुमोयोंगकुओ झील के पास दो खगोल फोटोग्राफरों ने हिमालय के ऊपर नृत्य करने वाले लाल स्प्राइट देखे। जिसके बाद वो डर गए थे, हालांकि उन्होंने डरते हुए ये तस्वीरें लीं। स्प्राइट लाल या हरे रंग की चमक जेलीफिश जैसे दिखते हैं और तूफानों की तेज बिजली से बनते हैं।

एक्स पर किया पोस्ट

एक्स पर पोस्ट करते हुए एयर्स ने लिखा कि सुबह जब हम मैक्सिको और यू.एस. से गुज़रे, तो मैंने इस स्प्राइट को देखा। स्प्राइट टीएलई या चमकदार घटनाएं हैं, जो बादलों के ऊपर होती हैं और नीचे गरज के साथ होने वाली तीव्र विद्युत गतिविधि द्वारा ट्रिगर होती हैं। बादलों के ऊपर हमारा नजारा बहुत बढ़िया है, इसलिए वैज्ञानिक इस तरह की तस्वीरों का इस्तेमाल टीएलई के गठन, विशेषताओं और गरज के साथ होने वाले संबंधों को बेहतर ढंग से समझने के लिए कर सकते हैं।

रिपोर्ट

कैंसर और तेजी से बढ़ती उम्र के खिलाफ बड़ी कामयाबी!

वैज्ञानिकों ने खोजे 3 नए प्रोटीन

एजेंसी ▶▶| सिडनी

कैंसर आज दुनिया की सबसे जानलेवा बीमारियों में से एक बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार अकेले 2020 में ही कैंसर ने लगभग 10 मिलियन लोगों की जान ले ली थी। लेकिन, ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने इस पर एक शोध किया है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की टीम ने एक ऐसे प्रोटीन के समूह के पहचान की है जो कैंसर और उम्र से संबंधित बीमारियों के इलाज करने के तरीकों को बदल सकता है। एक न्यूज एजेंसी के अनुसार, सिडनी में स्थित चिल्ड्रेंस मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के शोधतर्ताओं ने ये खोज की है।

क्या है यह खोज?

शोध करने वाली वैज्ञानिकों की टीम को पता चला है कि कुछ प्रोटीन टेलोमेरेज नाम के एक बहुत ही खास एंजाइम को कंट्रोल करते हैं। यह एंजाइम सेल्स के बंटवारे के समय डीएनए को खराब होने से बचाता है। टीम ने बताया कि इस खोज से यह साफ होता है कि टेलोमेरेज कैसे हमारे स्वस्थ रहने और उम्र को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा यह कैंसर सेल्स को भी बढ़ने से रोकता है।

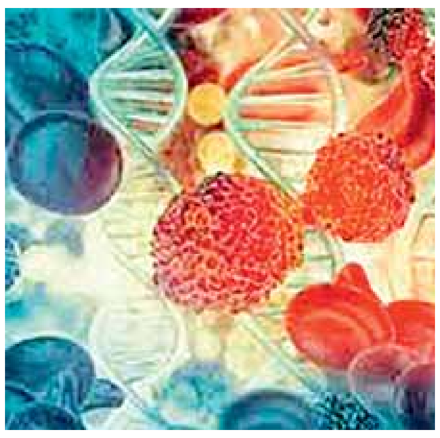

टेलोमेरेज और प्रोटीन की नई-नई खोज

आपको बता दें कि टेलोमेरेज एक एंजाइम है जो हमारे क्रोमोसोम को ठीक रखने में मदद करता है। इन सिरों के टेलोमेयर कहते हैं जो हमारे डीएनए को नुकसान से बचाते हैं। हालांकि, टेलोमेरेज स्टेम सेल्स और हमारे इम्यून सेल्स के लिए जरूरी है। लेकिन, कैंसर सेल्स अक्सर इन्हीं टेलोमेरेज का गलत फायदा भी उठाती हैं। इसका इस्तेमाल केंसर सेल्स अनियंत्रित तरीके से बढ़ने कते लिए करती हैं, जिससे कैंसर और फैलता है। सीएमआरआई के वैज्ञानिकों ने प्रोटीन की नया ग्रुप खोजा है, जो इस एंजाइम को कंट्रोल कर सकते हैं।

कैंसर के इलाज में नई उम्मीद

नेचर कम्यूनिकेशन पत्रिका में छपी एक नई खोज कैंसर के इलाज में नई उम्मीद जगाती है। शोधकर्ताओं ने बताया कि नोनो, एसएफपीक्यू और पीएसपीसी1 नाम के 3 खास प्रोटीन टेलोमेरेज को क्रोमोसोम के बिल्कुल आखिर तक पहुंचाने का काम करते हैं। जांच में वैज्ञानिकों ने पाया कि अगर कैंसर सेल्स में इन प्रोटीन्स को काम करने से रोक दिया जाए तो टेलोमेरेज धीमा पड़ जाता है और कैंसर सेल्स की बढ़ोतरी को रोकता है।

बुढ़ापे की बीमारियों का इलाज

इस अध्ययन के मुख्य लेखक अलेक्जेंडर सोबिनॉफ ने कहा, हमारी जांच से जो नतीजे निकले वो बताते हैं कि यह प्रोटीन एक तरह से आणविक यातायात नियंत्रक की तरह काम करते हैं। सोबिनॉफ ने आगे बताया की इन प्रोटीनों के बिना टेलोमेरेज ठीक से काम नहीं कर सकता और टेलोमेयर को ठीक से नहीं बना पाता। सीएमआरआई में टेलोमेर लंबाई विनियमन इकाई की प्रमुख और इस रिसर्च की सीनियर लेखक हिल्डा पिकेट का कहना है कि, टेलोमेरेज काम कैसे करता है। इसे समझने से कैंसर और बुढ़ापे से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी समस्याओं के लिए नए इलाज खोजने के रास्ते खुले हैं।

वैज्ञानिकों ने 5000 साल पुराने शख्स का डीएनए किया डिकोड

काहिरा। पहली बार वैज्ञानिकों ने प्राचीन मिस्त्र में रहने वाले एक व्यक्ति के 5,000 साल पुराने डीएनए को खोज निकाला है, जो आज से करीब 4,500 से 4,800 साल पहले रहता था। यह वह समय था जब पहले पिरामिड अस्तित्व में आ रहे थे। इस व्यक्ति के अवशेष काहिरा के दक्षिण में एक गांव में मिट्टी के बर्तन में मिले थे।

खोज में क्या नतीजा निकला : डीएनए से ये पता चलता है कि उसके 80 फीसदी पूर्वज अफ्रीका से आए थे और 20 प्रतिशत पश्चिमी एशिया और मेसोपोटामिया से आए थे। इससे ये साफ होता है कि पुराने मिस्त्र और फर्टाइल क्रिसेंट इलाके (आज का इराक, ईरान और जॉर्डन) के बीच सांस्तृतिक जुड़ाव था। इससे पहले ऐसे जुड़ावों का अंदाजा पुरानी खोजों से ही संभव हो पाती थी।

कौन था वो शख्स : डीएनए से पता चला है कि काली त्वचा, भूरी आंखें और भूरे बालों वाला ये शख्स करीब 5 फीट लंबा था और उसकी उम्र 44 से 64 साल के बीच थी। यह उस समय के हिसाब से काफी ज्यादा है। उनकी हड्डियों को देखकर लगता है कि वह बहुत ही मेहनती थे। उस शख्स में गठिया, ऑस्टियोपोरोसिस और लंबे समय तक झुक कर काम करने के लक्षण थे।

सम्मान से दफनाया गया

विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि शायद वह कुम्हार था जो मिस्र के पुराने समय के मिट्टी के बर्तन बनाने वाले पहिए का इस्तेमाल करता रहा होगा। वैज्ञानिकों के लिए चौंकाने वाली बात थी इस व्यक्ति को बहुत ही सम्मान के साथ दफनाया जाना। इस व्यक्ति को ममी नहीं बनाया गया, क्योंकि उस समय ऐसा करना आसान नहीं होता था। इसी कारण से डीएनए को सुरक्षित करने में मदद मिली।

एलिसा कार्सन बनेंगी मंगल पर कदम रखने वाली पहली इंसान

वॉशिंगटन। नासा 2030 तक मंगल पर इंसानों को भेजने की तैयारी में जुटा हुआ है। इसके लिए उन्होंने एलिसा कार्सन, जो एक अमेरिकी हैं और खगोल विज्ञान की स्टूडेंट हैं। एलिसा कार्सन मंगल मिशन का हिस्सा बनकर मंगलs पर जाने के लिए तैयारी कर रही हैं।

कौन हैं एलिसा कार्सन : 10 मार्च 2001 को एलिसा कार्सन का जन्म हैमंड (अमेरिका) में हुआ था। पीएचडी की छात्रा कार्सन बचपन से ही अंतरिक्ष में बहुत दिलचस्पी रखती हैं। एलिसा ने काफी कम उम्र से ही नासा के कैंपों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। साथ ही यह नासा के सभी विजिटर सेंटर्स का दौरा कर चुकी हैं।

राशिफल

मेष – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ सन्तोषजनक रहेगा।

वृष – रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी।

मिथुन – नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। यात्रा पर जाना पड़ सकता है। खर्चों से परेशान हो सकते हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी। मांगलिक कार्य होंगे।

कर्क – कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कुटुम्ब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। परिश्रम अधिक होगा।

सिंह – लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। धार्मिक संगीत के प्रति रुचि हो सकती है।

कन्या – मित्रों का सहयोग मिल सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। मन अशान्त रहेगा। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

तुला – पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल

वृश्चिक – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। आय में वृद्धि

धनु – किसी पुराने मित्र से पुन:सम्पर्क हो सकता है। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

मकर – नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ

कुंभ – स्थान परिवर्तन भी सम्भव है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु अपनी भावनाओं को वश में रखें। क्रोध की तीव्रता में कमी आएगी।

मीन – कारोबार में विस्तार के लिए निवेश कर सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। माता से भी धन प्राप्ति हो सकती है। धन की स्थिति में सुधार होगा। मान सम्मान

शादी के लिए चाहिए दारू पीने वाला लड़का, महिला ने की अजीब डिमांड!

नई दिल्ली। आजकल लोगों में सोशल मीडिया पर फेमस होने की इतनी जल्दबाजी है कि वो अजीबोगरीब कंटेंट बनाकर फेमस होना चाहते हैं। कोई नाच-गा रहा है, जो ठीक है, बल्कि अपनी कला का प्रदर्शन करना है। मगर कुछ लोगों ने तो हद ही पार कर दी है। अब इस महिला को देख लीजिए। इसने एक ऐसा वीडियो बनाया, जो देखकर ही फेक लग रहा है, मगर उसकी बात अजीब है। ये महिला शादी के लिए लड़का खोज रही है और उसकी अजीब डिमांड है। उसे दारूबाज लड़का चाहिए और वो दहेज देने को भी तैयार है। वीडियो में एक लड़की बोल रही है कि उसे एक दारू पीने वाला लड़का चाहिए। वो किसी पार्क जैसे इलाके में खड़ी है। उसके पास एक शख्स माइक लेकर खड़ा हुआ है। लड़की भी सज-धजकर इंटरव्यू दे रही है। उससे शख्स पूछता है कि उसे कैसा लड़का चाहिए, तो वो बोलती है कि उसे एक दारू पीने वाला लड़का चाहिए। फिर वो पूछता है कि दहेज भी मिलेगा। वो हां कहती है और फिर बताती है कि दहेज में कुल 5 लाख रुपए मिलेंगे। इसके अलावा बुलेट और दीवान पलंग भी मिलेगा। लड़की दीवान पलंग को दीवाना पलंग बोलती है जिसे सोने के लिए देगी। लड़की के इस वीडियो को देखकर लग रहा है ये फेक है, सिर्फ वायरल होने के लिए ही इसे पोस्ट किया गया है। इस वीडियो को 1 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं, जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा- दारू पीने वाले हाजिरी लगाएं। एक ने कहा- आखिर में ये ड्रम में डाल देगी। इस पोस्ट पर कई लोगों ने अपने दोस्तों को भी टैग कर दिया है।

बिना गर्भशिय के पैदा हुई थी महिला सहेली ने दिया साथ, अब बनेगी मां

लंदन। एक सच्चा दोस्त वही होता है जो दोस्त के काम आए। एक ब्रिटिश महिला बिना गर्भाशय के पैदा हुई थी और मां नहीं बन सकती थी। तब उसकी सहेली ने उसकी मदद की और अब वो उसके बच्चे की मां बनने जा रही है। हाल ही में महिला ने अपनी कहानी बताई तो लोगों को लगा कि दोस्ती ऐसी ही होनी चाहिए।

जॉर्जिया बैरिंगटन, 28 वर्षीय एक मिडवाइफ हैं। वो इंग्लैंड के केंट में रहती हैं और उन्हें महज 15 साल की उम्र में यह पता चला था कि वह एमआरकेएच सिंड्रोम से पीड़ित हैं। ये एक ऐसी दुर्लभ स्थिति है जिसमें किसी महिला का गर्भाशय जन्म से ही विकसित नहीं होता।

इसका मतलब था कि वह कभी भी अपने गर्भ में बच्चे को नहीं पाल सकेंगी। जॉर्जिया बताती हैं, 'जब मुझे यह पता चला, तो ऐसा लगा जैसे मेरी पूरी दुनिया ही उजड़ गई हो।मां बनना ही तो मेरा सबसे बड़ा सपना था।' उनकी बचपन की सबसे करीबी दोस्त डेज़ी होप (29), ने किशोरावस्था में मज़ाक में कहा था कि अगर कभी जरूरत पड़ी तो वह जॉर्जिया के लिए बच्चा जनेंगी। डेज़ी अब तीन साल की एक बेटी की मां हैं और उस बेटी को जन्म देने वाली मिडवाइफ थीं खुद जॉर्जिया।

17 लाख रुपए किए खर्च

आज डेज़ी 23 सप्ताह की गर्भवती हैं, और खास बात ये है कि अक्टूबर 2025 में खुद जॉर्जिया अपने बच्चे की डिलीवरी करेंगी। आईवीएफ प्रक्रिया आसान नहीं थी, लगभग 17 लाख रुपए ($20,000) की लागत आई। इसमें अंडाणु संग्रह, चिकित्सा परामर्श, स्वास्थ्य परीक्षण और कई महीनों की तैयारी शामिल रही। एनएचएस से उन्हें कुछ फंडिंग मिली, लेकिन अधिकतर खर्च खुद उठाना पड़ा। जॉर्जिया कहती हैं, 'हर दिन मैं अपनी उम्मीद और डर के बीच झूलती रही। बतौर मिडवाइफ, मैं बहुत कुछ जानती हूं, शायद ज़रूरत से ज़्यादा. यही वजह है कि मैं हर छोटी बात से घबरा जाती थी।'

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
तैलिक साहू कन्या M.S. (E.N.T.) जन्म 1995/5'-3" गौर वर्ण, इन्दौर/ इटारसी (म.प्र.) निवासी हेतु डॉक्टर या उच्च/ समकक्ष योग्य वर चाहिये
बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें
सम्पर्क करें- 9425136008

वधू चाहिए

वधू चाहिए
सरयूपारीय ब्राह्मण 31 वर्ष, 5'-11" भारद्वाज गोत्र, मध्य नाड़ी, अधिकारी इफको, बरेली (उ.प्र.) हेतु सुन्दर, सुशील, टेक्नीकली क्वालीफाईड सरयूपारीय/ कन्यकुब्ज ब्राह्मण वधु चाहिए। कृपया फोटो, बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें।
सम्पर्क करें- 9479271820 6265112290

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5919

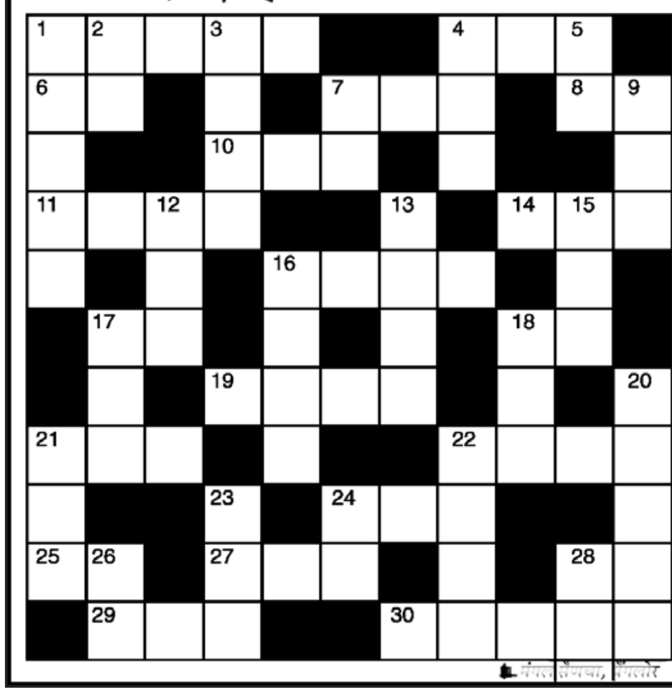

बाएँ से दाए-
1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट, शर्ट-3
6. लाख, गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान, रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा, उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष, बरस-2
18. लय, स्वर-2
19. गदर, बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरुर, घमंड-4
24. राजा, सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ, फिजूल-3
28. चतुर्थ, चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत, जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर, थाती-4
15. तरंग, हिलोर-3
16. निरंकुश, मुंहजोर-4
17. किनारा, तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया, जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान, शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर, भगवान-2
28. प्रेम, लगन-2

शब्द पहेली -5918 का हल

■	बं	दा	न	वा	ज	■	आ	स	मा	न
न	दी	■	र	■	ल	बा	दा	■	र	जा
व	■	ज	म	ज	म	■	ब	री	■	क
जी	म	ना	■	■	ह	ठ	■	ता	क	त
व	■	चा	■	जे	ल	■	पे	■	ता	■
न	ग	र	से	ठ	■	फ	ट	का	र	ना
■	री	■	ना	■	स	ना	■	रो	■	म
सु	ब	ह	■	दा	म	■	■	बा	री	क
र	■	क	श	■	झ	न	का	र	■	र
ता	प	■	प	र	दा	■	म	■	क	ण
ल	थ	प	थ	■	र	च	ना	का	र	■

सूडोकु नवताल - 5929

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5928 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

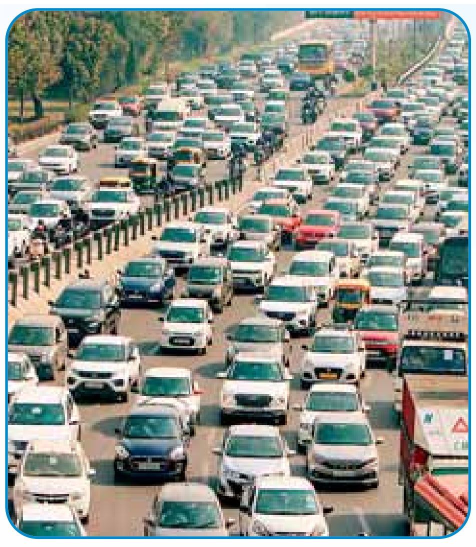

विशेषः विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई

पिछले दो-तीन दशकों में शहरी जनसंख्या के अनियंत्रित रूप से बढ़ने की वजह से लोगों का जीवन समस्याओं से घिरता जा रहा है। इससे साफ हवा-पानी की कमी, ट्रैफिक जाम, रहने के लिए असुविधाजनक आवास समेत कई तरह की परेशानियों के साथ लोग जीने के लिए बाध्य हैं। आने वाले वर्षों में उत्पन्न होने वाले गंभीर संकटों से बचने के लिए इन चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

जीवन कठिन बना रही शहरों की बढ़ती जनसंख्या

{ कवर स्टोरी/शैलेंद्र सिंह }

भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने लोगों के लिए आर्थिक अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि इससे लोगों के जीवन की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है। यानी बढ़ते शहरीकरण ने शहरों में रहने वाले लोगों के जीवन को बहुत तकलीफदेह बना दिया है। ये पूरी दुनिया की समस्या नहीं बल्कि भारत और कुछ अन्य विकासशील देशों की ही है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप में बांग्लादेश और पाकिस्तान भी शामिल हैं।

शहरों में नागरिक सुविधाओं की कमी

आजादी के बाद देश में तेजी से शहरीकरण बढ़ा और इस दौरान शहर, देश के आर्थिक अवसरों का केंद्र बन कर भी उभरे। लेकिन भारत में शहरों की तरफ गांवों से बहुत तेज पलायन हुआ, जिसने शहरों में जीवन जीने की स्थितियों को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। नागरिक सुविधाओं का देश के लगभग हर शहर में अभाव है। आज देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जो पूरी तरह साफ-सुथरा, खुला-खुला और नागरिक सुविधाओं से भरपूर हो। हर शहर में कुछ इलाके तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सभी शहरों के ज्यादातर हिस्से सुविधाओं की नजर से समस्याओं से ग्रस्त दिखते हैं। चाहे मुंबई हो, दिल्ली हो, बेंगलुरु हो या हैदराबाद। देश और दुनिया के ये बड़े-बड़े शहर आज बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के गढ़ तो हैं, लेकिन इन बड़े शहरों में बहुसंख्यक लोग भीषण परेशानियों के बीच रह रहे हैं।

अनियोजित शहरीकरण

अपने देश में 80 के दशक के बाद से इतना तेज शहरीकरण हो रहा है कि देश का कोई भी शहर अपनी बढ़ने वाली जनसंख्या को ध्यान में रखकर नगर नियोजन का काम नहीं कर पा रहा है। हर शहर अगले 10 सालों तक जितनी

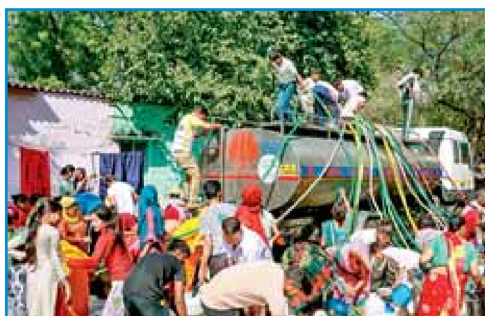

जनसंख्या का अनुमान लगाकर नियोजन करता है, जनसंख्या हमेशा उससे दो से तीन गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि भारत के सभी बड़े शहर अनियोजित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां तक कि कानपुर, लुधियाना, भोपाल, अमृतसर, कोल्हापुर और राजकोट जैसे मझौले शहर भी जनसंख्या के दबाव से इस कदर अव्यवस्थित हो गए हैं कि इनकी आधारभूत संरचना के मुकाबले कई गुना ज्यादा इन पर जनसंख्या का दबाव है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगर लाख प्रयासों के बावजूद पिछले कई दशकों में अपने शहर की झुग्गी बस्तियां नहीं खत्म कर सके और न ही इन झुग्गी बस्तियों को साफ पानी, सीवर या बिजली की सुविधा दे सके हैं।

बढ़ते ट्रैफिक में फंसे शहर

आवास और बिजली, पानी की समस्या तो शहरों में है ही, लगभग सभी शहर आज सबसे बड़ी जिस समस्या से जूझ रहे हैं, वह है-सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा वृद्धि। अंधाधुंध बढ़े वाहनों के कारण बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहर तो थम से गए हैं। बेंगलुरु में पीक आवर्स में सड़कों पर यातायात बिल्कुल रेंगता है। 10 किलोमीटर की दूरी अकसर लोग कार से डेढ़ से दो घंटे में तय कर पाते हैं। यहां की सड़कें बिल्कुल चोक्ड हो गई हैं, उन पर क्षमता से 300 फीसदी से ज्यादा वाहन दौड़ रहे हैं। इसीलिए आज वहां की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की है। इससे भी खराब दशा मुंबई की है। मुंबई में पीक आवर्स में सड़क यातायात की रफ्तार 5 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। कमोवेश सभी शहरों का यही हाल है। यही वजह है कि आज हर एक घंटे में भारत के सिर्फ शहरों में 150 से लेकर 180 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं।

नागरिक सुविधाओं का अभाव

देश में बड़े शहर तेजी से फैल रहे हैं, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, कचरा प्रबंधन, सीवर और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं हर किसी के लिए नहीं हैं। सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही हैं। शहरों की कुछ कालोनियों में ही नियमित रूप से साफ पानी आता है, सड़कें सपाट और चौड़ी हैं, स्कूल, अस्पताल आदि की सुविधाएं हैं। जबकि शहरों के बड़े हिस्से इन सुविधाओं से वंचित हैं। यही कारण है कि नागरिक सुविधाओं के नजरिए से देश के बड़े शहरों में पर्यावरणीय संकट भी विकट है। पिछले दो दशकों में लाखों की तादाद में पेड़ काटे गए हैं। बस्तियों के बीच मौजूद तालाब, नाले आदि सब पाट दिए गए हैं। शहरों के बीच से बहने वाली नदियों को सीवर में तब्दील कर दिया गया है। यही कारण है कि देश के बड़े शहर, वायु प्रदूषण, जल भराव, हीट वेव और घटते भू-जल स्तर की समस्याओं से दो चार हैं।

जीवन की गुणवत्ता में गिरावट और तनाव

देश के शहरों में आम लोगों का जीवन जिंदगी की गुणवत्ता से जंग कर रहा है। बहुसंख्यक शहरी लोगों के जीवन में मजबूत सामाजिक संबंध नहीं रहे। समय और जगह की कमी है। मानसिक बीमारियों का रेला है और खालीपन व असुरक्षा का लगातार घेरा बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण लोगों के आम जीवन में जबर्दस्त सामाजिक तनाव और असमानता व्याप्त है। कुल मिलाकर भारत में पिछले चार दशकों में जनसंख्या का जो तेज शहरीकरण हुआ है, उसके कारण हमारे शहरों की व्यवस्था को बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। *

कोठरियों में रहते लोग

यूं तो हर शहर में कुछ चमचमाती हुई इमारतें होती हैं, कुछ बड़े-बड़े बंगले होते हैं। लेकिन शहरों का 70 से 75 फीसदी हिस्सा घरों का नहीं, कोठरियों या छोटे-छोटे दड़बों का जंगल बन गया है। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए सस्ते घरों में गरिमामय आवास की कल्पना नहीं की जा सकती। मुंबई में तो 250 से 300 फीट के एक कमरे वाले फ्लैट लेना भी सपने जैसा हो चुका है, क्योंकि ये छोटे-छोटे दड़बे भी 40 से 50 लाख रुपए के मिलते हैं। भारत के लगभग सभी शहरों में प्राइवेट बिल्डर फ्लैट्स और कॉलोनियों की भरमार है, जहां रहने के लिए आवास को गरिमामय बनाने का कोई मापदंड नहीं है। यहां झुग्गियां, किराए के लिए मकान और अनधिकृत कॉलोनियों की अंतहीन रेंज हैं। दिल्ली में 80 से 90 लाख लोग अनधिकृत कॉलोनियों में और 30 से 35 लाख लोग झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। जहां लोगों को न तो भावनात्मक सुरक्षा है और न ही मनोवैज्ञानिक निजता।

{ बदलाव / नरेंद्र शर्मा }

इसमें संदेह नहीं कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में एआई की घुसपैठ बढ़ रही है। साहित्य, संगीत और कला में भी इसकी एंट्री हो चुकी है। लेकिन लाख कोशिश के बाद भी इससे निर्मित आर्ट प्रोडक्ट, हमारे मन को स्पर्श नहीं कर पाता है।

मन को नहीं छू पाता एआई का आर्ट प्रोडक्ट

आज पूरी दुनिया में इस आशंका का सवाल गहराता जा रहा है कि क्या एआई, कला से उसकी स्वाभाविक कल्पनाशीलता, मौलिकता और कलात्मकता छीन रही है? दरअसल, कला का मूल स्वभाव सृजन है। ऐसा सृजन, जो व्यक्ति की भावनाओं, संवेदनाओं, अनुभवों और कल्पनाओं से उपजता है। चित्रकला, संगीत, साहित्य, मूर्तिकला या रंगमंच। ये सभी विद्याएं मानवीय कल्पना शक्ति का विस्तार हैं। विविध रूपीय विस्तार। लेकिन अब एआई द्वारा कुछ ही सेकेंड में चित्र बनाए जा रहे हैं, कहानियां लिखी जा रही हैं, संगीत रचा जा रहा है, तो क्या ये सारी एआई से पैदा होने वाली कलाएं उस मानवीय कल्पनाशीलता की बराबरी करती हैं? यह सवाल इसलिए भी जरूरी है कि अगर वास्तव में ऐसा होता है तो लगता है कि आजतक के मानव विकास क्रम को मशीन यानी एआई ने एक झटके में अर्थहीन कर दिया है। लेकिन यह सोचना सही नहीं है।

भावनाहीन होते हैं एआई प्रोडक्टः एआई टूल हजारों पुराने चित्रों के डेटा के आधार पर नई पेंटिंग क्षणभर में बना दे रहे हैं। आप अगर इन एआई टूल्स से कहते हैं कि एक महिला जो समुद्र की लहरों से बनी है और जिसकी आंखों में तारे झिलमिला रहे हैं, ऐसी पेंटिंग बनाओ तो ये टूल्स एक क्षण में यह पेंटिंग्स बना करके हाजिर कर देंगे। लेकिन क्या ये पेंटिंग्स उस कलाकार की पेंटिंग जैसी होगी, जो समुद्र किनारे अपना पेंटिंग स्टैंड लगाए घंटों लहरों से आंखमिचौली करते हुए अपनी कल्पना में रंग भरता है। जी नहीं, बिल्कुल नहीं होगी। इस कलाकार की पेंटिंग्स में जो कलाकृति उभर कर आएगी, वह भावनाओं से संवाद करेगी। एआई की कल्पना ऐसा नहीं कर सकती। कलाकार की बनाई गई पेंटिंग संभावनाओं का आंकड़ा नहीं होगी, क्योंकि वह पहले से दुनिया में मौजूद किसी पेंटिंग की प्रतिकृति नहीं गढ़ रहा होगा, उसके मन में एक नई ही छवि मूर्तवत हो रही होगी, जो पहले नहीं होगी। जिसकी आंखों में कलाकार की भावनाएं, संवेदनाएं सब कुछ बोल रही होंगी। लेकिन एआई को यह सब नहीं करना। उसे अपने डाटा स्टोर में मौजूद आंकड़ों के मेल से एक नई फोटो कॉपी भर गढ़नी है। फर्क सिर्फ इतना होगा कि एआई किसी एक कलाकृति की बजाय बहुत सी कलाकृतियों को आपस में मिक्स करके उनसे एक नई कलाकृति निर्मित करने का भ्रम भर रचेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि एआई कला का पुनरोत्पादन तो कर सकता है पर कला सृजन नहीं कर सकता। इसलिए एआई कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता नहीं छीन सकता।

अनुभूति को नहीं दे सकता शब्दः अब जीपीटी मॉडल हिंदी और अंग्रेजी में आदेश पर कविताएं लिख रहे हैं। मसलन, आप उनसे कहें एक प्रेम कविता लिखो, जिसमें बारिश भी हो, मन का उल्लास भी हो, तारे सितारे छूने की कल्पनाशीलता भी हो, तो वह शब्दों के उस ढांचे में जिसे कविता कहना कहीं से उचित नहीं होगा, में डाल तो देगा, लेकिन वे शब्द कभी दिल को नहीं छुएंगे। यह एक किस्म की मशीनी शब्द उत्पाद होगा। ऐसी कविता न कवि को खुशी देगी और न ही कविता सुनने वालों को कहीं से प्रेरित कर सकेगी। अगर यही प्रेम कविताएं होंगी, तो फिर कविता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इसलिए एआई कुछ भले कर लें या चाहे करता दिखे, लेकिन वह न तो इंसानी भावनाओं की नकल कर सकता है और न ही इंसानी अनुभूति को शब्द या कैनवास में उतार सकता है। एआई के लिए बारिश एक गतिविधि भर है और किसी कवि या कलाकार के लिए बारिश एक समूचा जीवन है, जीवन धड़कन है और उसकी एक-एक बूंद पर उसकी लाखों अनुभूतियों का बसेरा हो सकता है। कवि या कलाकार की रचना केवल शब्दों या रंगों का संगठन भर नहीं होगा, वो अनुभूति की एक जीवंत दुनिया होगी। इसलिए एआई कितनी भी तेज रफ्तारी से कला की प्रतिकृतियां रचने में चौंका रहा हो, पर कभी दिल और दिमाग को झंकृत नहीं कर पाएगी।

बनी रहेगी कला की जीवंतताः एआई के बारे में यही बात संगीत रचना, थिएटर और अभिनय आदि पर भी लागू होती है। एआई का कोई टूल किसी रंगमंच के अभिनेता की जगह नहीं ले सकता। एआई की सजगता, उसकी मशीनी चातुरी कभी किसी नाटक की स्क्रिप्ट की जगह नहीं ले सकती। एआई कला से या कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता या जीवंतता की अनुभूति कभी नहीं छीन सकती। *

{ जीवनशैली
भूपेंद्र भारतीय }

सही नहीं हर बात पर साधे रहना चुप्पी

जिस तरह बेवजह और जरूरत से ज्यादा बोलना सही नहीं होता, उसी तरह जरूरत के समय ना बोलना या हमेशा चुप्पी साधे रहना भी नुकसानदेह होता है। इस मामले में सोच-समझकर एक संतुलन की जरूरत होती है।

मानव जीवन की सबसे सुंदर विशेषता है, उसे ईश्वर द्वारा मिली अभिव्यक्ति की शक्ति। अभिव्यक्ति को एक शक्ति ही माना जाना चाहिए, जो इस ब्रह्मांड में सिर्फ मानव को पूर्ण रूप में मिली है। लेकिन क्या हम अभिव्यक्ति की इस शक्ति का सही उपयोग कर पाते हैं? यह प्रश्न हमें स्वयं से पूछना चाहिए।

हो सकती हैं कई समस्याएंः सामान्य तौर पर अपनी बात कहना या फिर कुछ बोलना ही अभिव्यक्ति करना कहा जाता है। वहीं कुछ नहीं बोलना मतलब चुप रहना। हालांकि किसी मामले में चुप रहना भी अभिव्यक्ति का ही एक रूप माना जाता है, लेकिन जब जरूरत हो तब अपनी बात, विचार व्यक्त न करना, कई पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म दे सकता है। यही नहीं हमेशा चुप्पी साधे रखना मानसिक रोग की भी वजह बन सकती है। हर इंसान के जीवन में ऐसे अवसर अकसर आते रहते हैं, जब उसे चुप रहना पड़ता है। लेकिन क्या हमेशा चुप रहना, उसके आस-पास के परिवेश के लिए उचित होता है? यह प्रश्न ही यहां सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है, जो चुप्पियों को जन्म देता है। ऐसी चुप्पियां हमें भारी नुकसान पहुंचाती हैं। हमें अंदर से धीरे-धीरे तोड़ती जाती हैं। हमें पल-पल कमजोर करती रहती हैं। सच्चाई यह है कि जरूरत से ज्यादा चुप्पियां, हमें प्रतिपल दीमक की तरह खोखला करती रहती हैं।

हमेशा ना रहें खामोशः प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' का प्रसिद्ध कथन है, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे?' यह कथन उचित समय पर चुप्पियों को तोड़ने का बल देता है,

वहीं यह संदेश भी देता है कि सही बात को बोलना ही चाहिए। भले ही छोटा-मोटा बिगाड़ हो जाए। लाख कोशिशों के बाद भी, एक न एक दिन कितनी भी बड़ी चुप्पी हो उसे तोड़ना ही पड़ता है, नहीं तो वह चुप्पी आपको तोड़ देगी।

हो सकते हैं महाविनाशः चुप्पी के कारण महाभारत जैसे युद्ध तक हो सकते हैं। दुर्योधन और दुःशासन के अनाचार के समय अगर भीष्म, द्रोणाचार्य और धृतराष्ट्र समेत दरबार में उपस्थित अन्य लोगों ने चुप्पी तोड़ दी होती, अनाचार को रोकने के लिए आवाज उठाई होती तो महाभारत कभी नहीं होता। इसी तरह धर्मराज युधिष्ठिर ने अपनी माता कुंती को महाभारत युद्ध के बाद कहा था, 'माता, कर्ण से जुड़ा सत्य आपने छुपाकर बहुत बड़ी गलती कर दी।'

चुप्पी साधने के कारणः चुप्पी साधने के अनेक कारण हो सकते हैं। हम डरते हैं कि हमारे बोलने से कोई नुकसान ना हो जाए। वह फिर मानव संबंधों का मामला हो या फिर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि से जुड़े मामले हों। हमारे सत्य बोलने से किसी को बुरा लग सकता है और हम अपने संबंधों को बिगाड़ना नहीं चाहते, किसी को नाराज नहीं करना चाहते। वास्तव में सत्य डरावना या फिर बुरा नहीं होता है। लेकिन हम सत्य की सुंदरता देख नहीं पाते। इसी सत्य की शक्ति के स्वरूप हजारी प्रसाद द्विवेदी अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में लिखते हैं, 'सत्य के लिए, किसी से भी न डरना, गुरु से भी नहीं, मंत्र से भी नहीं, लोक से भी नहीं, वेद से भी नहीं।' यह डर ही हमको बहुत सी बातें ना कहने के लिए विवश करता है कि चुप रहो। यह चुप रहना ही धीरे-धीरे चुप्पियों का बड़ा रूप ले लेता है और हमारे अंदर डर का एक मकड़जाल बन जाता है। हम यथार्थ से भागने लगते हैं।

बढ़ रही हैं जीवन में चुप्पियांः वर्तमान दौर में मोबाइल और इंटरनेट जैसी तकनीकी ने भी हमें चुप्पी और संवादहीनता की ओर बढ़ाया है। परिवार में हर कोई इन्हीं में व्यस्त रहता है। जहां संवाद नहीं वहां जीवन और समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। प्रसिद्ध संत तरुण सागर कहते हैं, 'समाज, परिवार और आपसी संबंधों से कभी संवाद बंद मत करो। जिस दिन आपने संबंधों में बोलना बंद किया, उस दिन से आपके संबंध धीरे-धीरे टूटना शुरू हो जाएंगे। इसलिए बोलना कभी बंद मत करना।' *

{ गजल
वसीम अहमद }

करार आने लगा है

जो कुछ-कुछ एतबार आने लगा है
तो इस दिल को करार आने लगा है
जैसे-जैसे है उनसे अपनत्व जागा
मुसलसल उनपे प्यार आने लगा है
कि जब से घर में दर्पण आ गया है
उन्हें करना सिंगार आने लगा है
परस्पर दिल्लगी जब से बढ़ी है
तो रिश्तों में सुधार आने लगा है
हूं जब से उनको अपना मान बैठा
मेरे दिल को करार आने लगा है।
निगाहों को निगाहें पढ़ रही हैं
मुसलसल एतबार आने लगा है

{ व्यंग्य
सूर्यकुमार पांडेय }

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो।

निलंबन में मजा है

वह सरकारी काम, काम नहीं होता, जो लंबित न रहे और वह सरकारी अफसर, अफसर नहीं, जो नौकरी में एक-दो बार निलंबित न रहे। सस्पेंड होना बुरा नहीं है। बुरा होता है, निलंबित होकर फटाफट बहाल हो जाना। निलंबित हुए बिना महंगाई भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता आदि बहुत सारे भत्ते मिल सकते हैं, मगर निलंबन भत्ता नसीब नहीं हो सकता।

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो। मेरे एक डॉक्टर मित्र हैं। अपने सीनियर अफसर से जान-बूझकर पंगा ले बैठे। सस्पेंड हो गए। अब शान से प्राइवेट प्रैक्टिस झाड़ रहे हैं। विभाग ने हर मुमकिन कोशिश की कि वह बहाल हो जाएं, वह खुद ही मुकर गए। सस्पेंशन रस का स्वाद उनके मुंह लग चुका है।

वह जानते हैं, सरकार दयालु है। एक-न-एक दिन पाई-पाई जोड़कर बुढ़ापे के वक्त उनकी चारपाई पर धर जाएगी। अब वह अपने उसी सस्पेंडक सीनियर अफसर को मासिक रूप से बंधी रकम पहुंचाते हैं। इसलिए नहीं कि बहाल हो जाएं, बल्कि इसलिए कि निलंबन बरकरार रहे। इस भांति दोनों सुखी और संपन्न हैं। डॉक्टर साहब की प्राइवेट प्रैक्टिस चल रही है, बड़े साहब की पब्लिक प्रैक्टिस। पारस्परिक सद्भावना सुदृढ़ है। जनसेवा और राजसेवा साथ-साथ चलायमान हैं।

मेरे एक और मित्र बड़े अफसर हैं। ऊंची पकड़ के चलते बरसों से एक ही जिले में अटके हुए हैं। उनके पास तरह-तरह के तिकड़मी डंडे हैं। पर वह पूरे जिले को एक ही डंडे से हांकते हैं। स्वभाव से मृदु हैं। अंदाज दोस्ताना है। मैं अकसर वार्तालाप की तलब उठने पर अपनी शामें जाया करने उनके सरकारी अजायब खाने पर पहुंच जाया करता हूं।

उस रोज गया, तो उनका चपरासी चौंकता हुआ बोला, 'अरे, आपको नहीं मालूम, अपने साहब तो हसबैंड होइ गए!'

अब चौंकने की बारी मेरी थी। मैं जानता था, साहब कुंआरे हैं। न सगाई, न न्यौता, न दावत!

यह साहब हसबैंड कब हो गए? दिमाग पर जोर डाला, तो समझ में आया कि यह साहब हसबैंड नहीं, सस्पेंड हो गए हैं। और सच भी यही है, हसबैंड ओर सस्पेंड होने में कोई खास फर्क नहीं होता। ये दोनों ही हो जाने के बाद आमदनी का एक हिस्सा किसी और की भेंट हो जाया करता है। तब कमाई के नए जरिए तलाशने ही पड़ जाते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

संवेदना से भरी लघुकथाएं

अलका 'सोनी' की लघुकथाएं और कविताएं पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती हैं। सरल-सहज लहजे में वे जीवन की सूक्ष्म संवेदनाओं को अपने लेखन में व्यक्त करती हैं। हाल में छपकर आए उनके लघुकथा संग्रह 'हवा में बनती हैं नई जगहें' की लघुकथाओं में भी इसकी बानगी देखी जा सकती है। 'टूटा तारा' लघुकथा के जरिए लेखिका ने शहरी जीवनशैली की विडंबनाओं और उसके फलस्वरूप नई पीढ़ी की प्रकृति से बढ़ती दूरी को मार्मिक तरीके से उभारा है। इसी तरह 'जिंदगी का डिस्काउंट' लघुकथा में भी आधुनिक जीवनशैली में बिसरती जा रही खुशी और अपनेपन की परिभाषा पर प्रभावी तरीके से कटाक्ष किया गया है। 'पापा का कोना' लघुकथा भी बहुत हौले से हमारी निर्जीव होती जा रही संवेदना को स्पर्श करती है। इसमें नई पीढ़ी फादर्स डे मनाने के लिए इस कदर उत्साहित होती है कि उसे पुरानी पीढ़ी के अपने पिता ही सेलिब्रेशन में मिसफिट लगने लगते हैं और उनको किसी कोने में बैठने को कह दिया जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि ये लघुकथाएं, हमें हमारे समय का प्रतिबिंब, बगैर किसी लाग-लपेट के दिखाने में सक्षम हैं। *

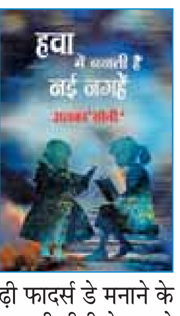

पुस्तकः हवा में बनती हैं नई जगहें (लघुकथा संग्रह), **लेखिकाः** अलका सोनी, **मूल्यः** 150 रुपए, **प्रकाशकः** मेधा बुक्स, दिल्ली

खबर संक्षेप

हम्पी की निगाह कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के क्वालीफाई पर

बातुमी (जॉर्जिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी को फिडे विश्व महिला शतरंज कप में चौथी वरीयता दी गई है और वह खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगी। इस प्रतियोगिता में पहले तीन स्थान पर रहने वाली खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी। चीन की लेई टिंगजी, जिनर झू और झोंगयी टैन शीर्ष तीन वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। हम्पी के साथ वे एशियाई चुनौती का नेतृत्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में पिछले कुछ समय से एशियाई खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिल रहा है। कैंडिडेट्स में विजेता को अगली विश्व चैंपियनशिप में चीन की मौजूदा महिला चैंपियन वेनजुन जू को चुनौती देने का अधिकार मिलेगा। इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक रेटिंग वाली 21 खिलाड़ियों को वरीयता दी गई है।

चेल्सी क्लब विश्व कप के सेमीफाइनल में

फिलाडेल्फिया। चेल्सी ने मालो गुस्टो के 83वें मिनट में लगाए गए शॉट पर आत्मघाती गोल होने से पाल्मेरास को 2-1 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली।

कोल पामर ने मैच में 16वें मिनट में गोल करके चेल्सी को बढ़त दिला दी, लेकिन 18 वर्षीय एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। शॉर्ट कॉर्नर किक के बाद गुस्टो का शॉट डिफेंडर अगस्टिन गिया और गोलकीपर वेवर्टन से टकराकर गोल में चला गया, जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। फीफा ने इसे वेवर्टन का आत्मघाती गोल करार दिया।

सील्स की तूफानी गेंदबाजी, ऑस्ट्रेलिया को दिए शुरुआती झटके

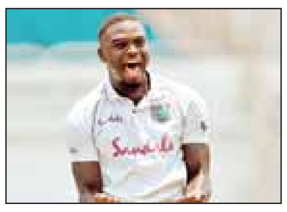

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने ऑस्ट्रेलिया के दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करके दूसरी टेस्ट क्रिकेट मैच को रोमांचक बनाए रखा। अपनी पहली पारी में 286 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 12 रन बनाए हैं और इस तरह से उसकी कुल बढ़त 45 रन की हो गई है। वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 253 रन बनाए, जिससे आस्ट्रेलिया को 33 रन की बढ़त मिली थी। सील्स ने पहले ओवर में सैम कोंस्टास को बोल्ड किया जो खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद उन्होंने दूसरे सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (02) को भी पवेलियन भेजा। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय कैमरन ग्रीन छह और नाइटवॉचमैन नाथन लियोन दो रन पर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज की तरफ से ब्रैडन किंग ने 108 गेंदों पर आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 75 रन बनाए।

केरल क्रिकेट लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बने सैमसन

कोच्चि। केरल क्रिकेट लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी संजू सैमसन बन गए हैं। केसीएल 2025 की नीलामी में कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने संजू सैमसन को 26.8 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया।

यह संजू सैमसन का केरल क्रिकेट लीग में पहला सीजन होगा। कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने अपने 50 लाख रुपये के कुल बजट का आधे से भी ज़्यादा हिस्सा सिर्फ संजू सैमसन को हासिल करने में खर्च कर दिया। राजस्थान रॉयल्स के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब केरल क्रिकेट लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं।

सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की उड़ाई धज्जियां, 52 गेंदों पर लगाई सेंचुरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडिया और इंग्लैंड अंडर 19 वन डे सीरीज में भारत के उभरते बल्लेबाज ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। चौथे वनडे में वैभव ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी और ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए अपनी सेंचुरी पूरी की। इंग्लैंड अंडर 19 क्रिकेट टीम के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने चौथे वनडे मुकाबले में अपना शतक पूरा किया और इस टूर्नामेंट में ये उनका पहला शतक रहा। वहीं चौथे वन डे में वैभव सूर्यवंशी और विहान की शतकीय पारी से इंडिया ने 363 रन बनाए है और इंग्लैंड को 364 का टारगेट दिया है।

अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों पर पूरा किया

वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे मैच में अपना अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों पर पूरा किया और इसके बाद उन्होंने अपना शतक 52 गेंदों पर लगाया। अपनी शतकीय पारी के दौरान वैभव के बल्ले से 8 छक्के और 10 चौके निकले। वैभव यूथ वनडे में भारत की तरफ से सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में वैभव 86 रन पर आउट हो गए थे और शतक से चूक गए थे, लेकिन चौथे मैच में उन्होंने इस कसर को पूरी कर ली और अपना शतक पूरा कर लिया। 14 साल के वैभव का यूथ वनडे मैचों में ये करियर का पहला शतक रहा। वैभव ने इस मैच में 78 गेंदों पर 143 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 10 छक्के और 13 चौके लगाए। इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183.33 का रहा।

बाउंड्री से बनाए 112 रन

इस मैच में वैभव ने दूसरे विकेट के लिए विहान मलहोत्रा के साथ मिलकर 219 रन की शानदार साझेदारी की और टीम इंडिया की स्थिति को बेहद मजबूत बना दिया। वैभव ने 143 रन की पारी के दौरान बाउंड्री के जरिए 112 रन बनाए। उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजों की जमकर कुटाई की और हर तरफ बाउंड्री लगाए। वैभव ने इस वनडे सीरीज के पहले मैच में 19 गेंदों पर 48 रन जबकि दूसरे मैच में 34 गेंदों पर 45 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने तीसरे वनडे मैच में 31 गेंदों पर 86 रन बनाए जबकि चौथे मैच में उन्होंने 78 गेंदों पर 143 रन ठोक डाले।

टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा टला, बीसीसीआई ने की पुष्टि

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम अगस्त 2025 में बांग्लादेश में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए नहीं जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि कर दी है। बांग्लादेश दौरे को रिशेड्यूल करने का फैसला किया गया है। टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा टल गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को यह कंफर्म कर दिया। पिछले कई दिनों से अगस्त 2025 में होने वाले बांग्लादेश दौरे को लेकर स्थगित करने की संभावना जताई जताई जा रही थी, जिसपर अब मुहर लग चुकी है। बताया जा रहा है कि पड़ोसी देश में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव ने भी दौरे को स्थगित करने में भूमिका निभाई। भारत और बांग्लादेश के बीच तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज होने थी। बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अब सीमित ओवरों की सीरीज को सितंबर 2026 में आयोजित करने का निर्णय लिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, ''बीसीबी और बीसीसीआई ने अगस्त 2025 में बांग्लादेश और भारत के बीच होने वाली तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज को सितंबर 2026 तक के लिए टालने पर आपसी सहमति जताई है।

टेस्ट : गिल ने पहली पारी में खेली 269 रनों की पारी

भारत ने इंग्लैंड को 608 रन का टारगेट दिया: 3 इंग्लिश बैटर्स पवेलियन लौटे

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला हो रहा है। शनिवार को मैच का चौथा दिन था। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 587 रन बनाने के बाद इंग्लैंड को 407 रनों पर रोक दिया था। शुभमन गिल की टीम को पहली पारी में 180 रनों की बढ़त मिली। दूसरी पारी में भारतीय टीम ने 427 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। इंग्लैंड को चौथी पारी में जीत के लिए 608 रनों का लक्ष्य मिला। जिसके जवाब में चौथा दिन खत्म होने के बाद 3 विकेट खोकर 72 रन बना लिए हैं। ओली पोप 24 और हैरी ब्रूक 15 रन बनाकर खेल रहे हैं। इंग्लैंड को अभी भी जीत के लिए 536 रनों की जरूरत है। टीम इंडिया के लिए एक विकेट मोहम्मद सिराज और 2 विकेट आकाशदीप ने हासिल किए हैं। इससे पहले, कप्तान

एक टेस्ट में भारत के लिए सर्वाधिक स्कोर

346* - शुभमन गिल बनाम इंग्लैंड, एजबेस्टन, 2025
344 - गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज, पोर्ट ऑफ स्पेन, 1971
340 - लक्ष्मण बनाम ऑस्ट्रेलिया, कोलकाता, 2001
330 - सौरव गांगुली बनाम पाकिस्तान, बेंगलुरु, 2007
319 - वीरेंद्र सहवाग बनाम द.अफ्रीका, चेन्नई, 2008
309 - वीरेंद्र सहवाग बनाम पाक, मुल्तान, 2004

शुभमन गिल (नाबाद 100) के शतक से भारत ने शनिवार को पहले इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन चाय तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 304 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 484 रन की कर ली थी। भारत ने दूसरे सत्र में ऋषभ पंत (65) का विकेट गंवाया। गिल और पंत ने चौथे विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी निभाई। भारत ने सुबह एक विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरू किया। सुबह के सत्र में भारत ने केएल राहुल (55 रन) और करूण नायर (26 रन) के रूप में दो विकेट गंवाए।

पंत हुए स्पेशल क्लब में शामिल, विदेशी जमीं में लगाए सबसे अधिक छक्के

बर्मिंघम में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के चौथे दिन पंत अपनी 65 रन की पारी में पहला छक्का जड़ते ही स्पेशल क्लब में शामिल हो गए। पारी के 32वें ओवर की टांग्वे की करीब 140 किमी/घंटा की रफ्तार से आती शॉर्टपिच गेंद को पंत ने बैकवर्ड स्कवॉयर लेग के ऊपर से छक्के के लिए भेजा, तो इसी के साथ ही लेफ्टी बल्लेबाज टेस्ट इतिहास में विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा छक्के जड़ने के मामले में बॉस बनते हुए दुनिया के शीर्ष 5 सुपर से ऊपर कारनामा करने के साथ ही ऋषभ पंत की एक तरह से बेन स्टोक्स के साथ रेस छिड़ गई है।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 587

इंग्लैंड पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जैक क्रॉउली का नायर बो सिराज	19	30	03	0
बेन डकेट का गिल बो आकाश दीप	00	05	0	0
ओली पोप का राहुल बो आकाश दीप	00	01	0	0
जो रूट का पंत बो सिराज	22	46	2	0
हैरबेन स्टोक्स का पंत बो सिराज	00	01	0	0
जेमी स्मिथ नाबाद	184	207	21	4
क्रिस वोक्स का नायर बो दीप	05	20	1	0
ब्राइडन कार्स पगबाधा सिराज	00	04	0	0
जोश टंग पगबाधा सिराज	00	02	0	0
शोएब बशीर बो सिराज	00	02	0	0

अतिरिक्त: 19, कुल: 89.3 ओवर में 407/10 रन
गेंदबाजी: आकाश दीप 20-2-88-4, सिराज 19.3-3-70-6, प्रसिद्ध 13-1-72-0, नितीश 6-0-29-0, जडेजा 17-2-70-0, सुंदर 14-0-73-0

कनाडा ओपन

श्रीकांत सेमीफाइनल में, विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चेन को दी मात

एजेंसी ▶▶| मकैलगरी

भारत के किदाम्बी श्रीकांत ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीय चोऊ टिएन चेन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व रजत पदक विजेता और इस साल मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत ने 43 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चेन को 21-18, 21-9 से हराया। वर्तमान में विश्व में 49वें स्थान पर काबिज श्रीकांत का फाइनल में जगह बनाने के लिए अब जापान के तीसरे वरीय केंटा निशिमोटो से मुकाबला होगा। इससे पहले 2022 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता एस. शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने 79 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में निशिमोटो से 15-21 21-5 17-21 से हारने से पहले उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की। महिला एकल में श्रीयांशी वलिसेट्टी का प्रभावशाली प्रदर्शन डेनमार्क की अमाली शुल्ज से हारने के बाद समाप्त हो गया।

- 43 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चेन को 21-18, 21-9 से हराया

श्रीकांत ने चेन के खिलाफ शानदार शुरुआत करते हुए 5-0 की बढ़त हासिल की लेकिन चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने वापसी करके स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। श्रीकांत ने हालांकि अगले छह में से पांच अंक लेकर गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली और इसके बाद भी अपना दबदबा कायम रखते हुए 19-7 की बढ़त बनाकर मैच आसानी से अपने नाम कर लिया। श्रीकांत का निशिमोटो के खिलाफ 6-4 का रिकॉर्ड है, हालांकि 2023 विश्व चैंपियनशिप में इन दोनों खिलाड़ियों के बीच खेले गए पिछले मुकाबले में वह जापानी शटलर से हार गए थे।

गोल्ड

भुल्लर और अजीतेश ने कट में बनाई जगह, नौ भारतीय चूके

एजेंसी ▶▶| रबात (मोरक्को)

भारतीय खिलाड़ियों में गगनजीत भुल्लर और अजीतेश संधू ही 20 लाख डॉलर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को में कट में जगह बना पाए, जबकि नौ अन्य खिलाड़ी आधे चरण में ही बाहर हो गए। एशियाई टूर पर सबसे सफल भारतीय गोल्फ खिलाड़ी भुल्लर ने अपने शुरूआती राउंड में 72 के बाद पार 73 का कार्ड बनाया और 36 होल के बाद उनका स्कोर एक अंडर 145 है, जिससे वह पार-73 रॉयल गोल्फ डार एस सलाम कोर्स पर संयुक्त 36वें स्थान पर हैं। संधू ने पहले दो राउंड में 74 और 73 का कार्ड खेला, जिससे उनका कुल स्कोर एक ओवर हो गया और वह संयुक्त 61वें स्थान पर पहुंच गए। कट एक ओवर पर ही गया।

कट से चूकने वाले भारतीयों में खलिन जोशी (74-74), राशिद खान (77-72), एस चिक्कारंगप्पा (75-75), एसएसपी चौरसिया (74-76), युवराज संधू (76-74), राहिल गंगजी (75-75), विराज मडप्पा (78-76), करणदीप कोचर (78-80) और अमन राज (79-79) शामिल हैं।

कट में जगह बनाने वाली दीक्षा एकमात्र भारतीय

किल्डारे (आयरलैंड)। दीक्षा डागर दूसरे दौर में 73 का स्कोर बनाकर केपीएमजी महिला आयरिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही। दीक्षा पहले दो दौर के बाद संयुक्त 56वें स्थान पर थीं। यह लगातार 11वां मौका था जबकि उन्होंने किसी टूर्नामेंट के कट में जगह बनाई। इससे उनके प्रदर्शन में निरंतरता का पता चलता है। आयरिश ओपन में भाग लेने वाली भारत की अन्य तीन खिलाड़ी कट में जगह बनाने में असफल रही। इन खिलाड़ियों में अवनि प्रशांत (74) एक स्ट्रोक से चूक गईं और त्वेसा मलिक (78) और हिताशी बख्शी (83) काफी पीछे रहीं।

शर्मा और अहलावत जर्मनी में कट से चूके

म्यूनिख। भारत के शुभंकर शर्मा और वीर अहलावत गोल्फ क्लब म्यूनिख ईचेनरीड में बीएमडब्ल्यू इंटरनेशनल ओपन में कट से चूक गए। शर्मा ने दो राउंड में 74-68 के साथ कुल दो अंडर का स्कोर बनाया, लेकिन एक शॉट से कट में जगह नहीं बना पाए। अहलावत ने भी इतना ही स्कोर बनाया और वह भी एक शॉट से कट से चूक गए। यह लगातार सातवां टूर्नामेंट है, जिसमें शर्मा कट में जगह बनाने में नाकाम रहे। अहलावत पिछले छह टूर्नामेंट में तीसरी बार कट में जगह नहीं बना पाए। इस बीच डेविस ब्रायंट ने 63 का शानदार नौ अंडर पार स्कोर बनाकर दो शॉट की बढ़त बना ली।

विंबलडन: सबालेंका ने राडुकानु को हराया यूएस ओपन चैंपियन के सफर को रोका

एजेंसी ▶▶| लंदन

शीर्ष रैंकिंग वाली एरीना सबालेंका ने विंबलडन में स्थानीय दावेदार एम्मा राडुकानु के शानदार सफर को विंबलडन में 7-6(6) 6-4 की जीत के साथ रोक दिया। ऑल इंग्लैंड क्लब में दो बार की सेमीफाइनलिस्ट सबालेंका ने दोनों सेटों में 2021 यूएस ओपन चैंपियन के खिलाफ जोरदार वापसी की।

राडुकानु 18 साल की उम्र में यूएस ओपन में एक क्वालीफायर के रूप में अपने खिताब के बाद से अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेल रही थीं। राडुकानु 74 मिनट के पहले सेट में एक समय 4-2 से आगे थी लेकिन सबालेंका ने अगले 12 में से 11 अंक हासिल कर 5-4 की बढ़त बना ली। राडुकानु इसके बाद टाईब्रेकर में भी 6-5 से आगे थी लेकिन सबालेंका ने शानदार वापसी कर अंतिम तीन अंक को जीत कर बढ़त कायम की। तीन बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका ने इसके बाद दूसरे सेट में ब्रिटेन की खिलाड़ी को ज्यादा मौके नहीं दिए। सबालेंका पिछले लगातार तीन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचीं, जिसमें उन्होंने पिछले साल सितंबर में यूएस ओपन जीता था।

यूरोप दौरे से बेंच स्ट्रेंथ तैयार होगी : कप्तान कप्तान

बेंगलुरु। भारत ए पुरुष हॉकी टीम के कप्तान संजय का मानना है कि यूरोप के आगामी दौरे में खिलाड़ियों को खुद को परखने का मौका मिलेगा और इससे सीनियर टीम के लिए अच्छी बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने में मदद मिलेगी। भारत ए' पुरुष टीम आठ से 20 जुलाई तक होने वाले दौरे के लिए शनिवार सुबह नीदरलैंड के आइंडहोवन के लिए रवाना हुई। संजय ने कहा, 'इस दौरे से हमें अपने मजबूत और कमजोर पक्षों को समझने का मौका मिलेगा। हमारे पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। इससे हमें यह आकलन करने का मौका मिलेगा कि हमारे खिलाड़ी किस स्थिति में हैं।' उन्होंने कहा, ' इस तरह के अंतरराष्ट्रीय अनुभव से हमें टीम को मजबूत बनाने और सीनियर टीम के लिए अच्छी बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने में मदद मिलेगी।'

महिला क्रिकेट टी20: हरमनप्रीत आखिरी गेंद नहीं लगा पाई सिक्स

इंग्लैंड ने रोमांचक जीत से रोका भारत का विजय अभियान

एजेंसी ▶▶| लंदन।

भारत की बल्लेबाजी अंतिम क्षणों में लड़खड़ा गई, जिससे इंग्लैंड ने तीसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच रन से करीबी जीत दर्ज करके पांच मैच की श्रृंखला को जीवंत रखा। किया ओवल में खेले गए मैच में इंग्लैंड बल्लेबाजी के पतन और खराब क्षेत्ररक्षण के बावजूद भारत को जीत की हैट्रिक लगाने और श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने से रोकने में सफल रहा।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) ने पहले विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी करके उसे शानदार शुरुआत दिलाई, लेकिन इंग्लैंड ने 25 गेंदों में 31 रन के अंदर नौ विकेट गंवा दिए और इस तरह से आखिर में नौ विकेट पर 171 रन बनाए।

बना वर्ल्ड रिकॉर्ड, इंग्लैंड के 25 गेंदों पर गिरे 9 विकेट

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय वुमेंस टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20I में भले ही 5 रन से हार का सामना करना पड़ा हो, मगर इस मैच में भारतीय गेंदबाज एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बना गए। इंग्लैंड ने तेजी से रन बनाने के प्रयास में 25 गेंदों में 9 विकेट गंवा दिए और भारत के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। 15.1 ओवर में जहां इंग्लैंड का स्कोर बिना किसी विकेट के 137 रन था, वहीं 19.2 ओवर में टीम ने 168 के स्कोर पर 9 विकेट गंवा दिए। इस दौरान तीन इंग्लिश बैटर खाता भी नहीं खोल पाईं, वहीं कुल 7 बैटर सिंगल डिजिट पर आउट हुईं। अनुराधा रेड्डी और दीप्ति शर्मा ने इस दौरान 3-3 विकेट चटकाए। पुरुष क्रिकेट में भी आज तक किसी फॉर्मेट में कोई टीम इतनी कम गेंदों में 25 विकेट नहीं चटका पाई है।

इंग्लैंड की कप्तान नैट सिवर-ब्रंट बाहर

इंग्लैंड महिला टीम की कप्तान नैट सिवर-ब्रंट शनिवार को भारतीय महिला टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के शेष दो मैचों से चोटिल होने के कारण बाहर हो गईं।

उन्हें बाईं जांघ में चोट लगी है। इंग्लैंड टीम प्रबंधन ने बताया कि टैमी ब्यूमोंट श्रृंखला के बाकी दोनों मैचों में टीम की कमान संभालेंगी। ब्यूमोंट ने ब्रिस्टल में तीसरे मैच के दौरान भी सिवर-ब्रंट के मैदान से बाहर रहने के दौरान टीम की अगुवाई की थी।

सैफ अली खान की पुश्तैनी संपत्ति पर विवाद, नए सिरे से होगी सुनवाई

ट्रायल कोर्ट का 25 साल पुराना फैसला हाईकोर्ट ने किया निरस्त

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस संजय द्विवेदी की पीठ ने फिल्म अभिनेता सैफ अली खान की भोपाल स्थित पुश्तैनी संपत्ति के विवाद पर ट्रायल कोर्ट को नए सिरे से सुनवाई के निर्देश दिए हैं. इसके साथ ही ट्रायल कोर्ट के 14 फरवरी 2000 को पारित आदेश को दोषपूर्ण पाते हुए निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट ने यह भी व्यवस्था दी है कि ट्रायल कोर्ट एक साल की समय सीमा के अंदर प्रकरण का पटाक्षेप करे। यह आदेश हाईकोर्ट ने भोपाल रियासत के अंतिम नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खान की संपत्ति को लेकर चल रहे उत्तराधिकार विवाद को लेकर सुनाया।

नवाब हमीदुल्ला खान के वंशज बेगम सुरैया, नवाबजादी कमरताज राबिया सुल्तान व अन्य की ओर से दायर अपील में मशहूर क्रिकेटर नवाब मंसूर अली खान पटौदी, उनकी पत्नी अभिनेत्री शर्मिला टैगोर, पुत्र सैफ अली खान, बेटियां सबा सुल्तान, सोहा अली खान को पक्षकार बनाया गया था. इस मामले में यसीर व फैजा सुल्तान का दावा था कि नवाब की निजी संपत्ति पर सभी वैध वारिसान का अधिकार है।

सैफ अली खान से जुड़ी संपत्ति विवाद की बात करें तो 25 साल पहले बेगम सुरैया, नवाबजादी कमर ताज राबिया सुल्तान, नवाब मेहर ताज साजिदा सुल्तान व बेगम मेहर ताज नवाब साजिदा सुल्तान ने साल 2000 में हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। ये मामला अरबों की संपत्ति का है। जिसमें हजारों एकड़ की जमीन सहित अहमदाबाद पैलेस भी शामिल है।

हाई कोर्ट का अंतरिम आदेश, शासन से जवाब तलब

स्वास्थ्य अधिकारियों को वर्तमान जगह पर कार्य करने दें

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने बालाघाट निवासी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी छाया नंदनवार, सोनम गौतम व सोनेश्वरी लिल्हारे को वर्तमान जगह पर कार्य करने देने के अंतरिम निर्देश दिए हैं। इसी के साथ राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता प्रमेंद्र सेन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी बतौर सेवारत हैं। तीनों को वर्तमान पदस्थापना स्थलों ने काफी दूर दूसरे सीएमएचओ कार्यालय में स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया गया है। तीनों को स्थानांतरण से आपत्ति है। ऐसा इसलिए क्योंकि मौजूदा स्थान से अत्यधिक दूर भेजे जाने से परिवार प्रभावित होगा। बीच शिक्षण सत्र में नई जगह में बच्चों को परेशानी जाएगी। इसलिए पहले अभ्यावेदन देकर स्थानांतरण निरस्त करने पर बल दिया गया। जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो हाई कोर्ट आना पड़ा।

नदियों, जलाशयों का जल स्तर बढ़ा, अलर्ट पर रहने निर्देश

अगले 24 घंटों में भारी वर्षा की संभावना

जबलपुर। पिछले एक हफ्ते से मानसून सक्रिय है। शुक्रवार से झमाझम बारिश जारी है। मौसम विभाग ने 10 जून तक मानसून के जोरदार सक्रिय रहने पर अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान लगभग साढ़े 4 इंच बारिश हो चुकी है और इस साल वर्षा का आंकड़ा 14 इंच पहुंच गया है। पूर्वी उत्तरप्रदेश और पश्चिम बंगाल में हवा के कम दबाव का क्षेत्र व चक्रवात बनने से मध्यप्रदेश में अच्छी बारिश के आसार बन गए हैं। पानी की रिमझिम फुरफुराहट और आसमान पर छाए बादलों की वजह से तापमान में गिरावट आई है और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। हवा में नमी बढ़ जाने से बारिश के संकेत मिल रहे हैं। शनिवार को सुबह से ही आसमान पर बादल छाये रहे। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। जबलपुर सहित आसपास जिले में हो रही बारिश के बाद नर्मदा नदी, परियट, धुआंधार, बगदरी फॉल, खंदारी, सहित अन्य रमणीक स्थानों पर जलस्तर बढ़ गया है। ऐसे में तमाम एहतियात बरतने के निर्देश ग्राम कोटवारों, आपदा प्रबंधनों दलों को दिए है। आज अवकाश दिवस होने के कारण रमणीक स्थलों पर भीड़ होने की संभावना के मद्देनजर बेरीकेटिंग करने के लिए निर्देश दिए गए। इधर मौसम कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 25.06 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 7 डिग्री कम व न्यूनतम तापमान 22.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री दर्ज किया गया है। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री व न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री दर्ज किया गया था। हवा में नमी प्रातःकाल 96 प्रतिशत और सायंकाल 93 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय प्रातः 5.30 बजे और सूर्यास्त शाम 7.00 बजे हुआ। दक्षिणी पश्चिमी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान 111.06 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 348.6 मिली मीटर (14 इंच)दर्ज की जा चुकी है जबकि गत वर्ष आज के दिन तक कुल वर्षा 5.2 मिली मीटर वर्षा हुई थी।

एसिड अटैक मामलें में पुलिस की कार्रवाई दुकान भी सील

एसिड बेचने वाले दुकानदार पर भी मामला दर्ज

हरिभूमि जबलपुर।

गौरीघाट थाना अतंर्गत अवधपुरी क्षेत्र में एसिड अटैक की घटना के बाद पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए एसिड बेचने वालें दुकानदार की दुकान सील कर दुकान संचालक पर भी विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

गौरीघाट थाना प्रभारी सुभाषचंद बघेल ने बताया कि गत दिवस आपसी रंजिश के चलते श्रद्धा दास पर एसिड उड़ेल दिया था, जिससे वह बुरी तरह झुलस गई। इस बीच उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने एसिड अटैक करने की आरोपी ईशिता साहू से एसिड प्राप्त करने के स्त्रोतों के संबंध में पूछताछ की तब पता चला कि उसने कॉलेज के प्रोफेसर का फर्जी लेटर बनाकर प्रेस कॉम्पलेक्स स्थित अनुप्रास इंटरप्राईजेज सिविक सेंटर से सल्फ्यूरिक एसिड 28 जून को खरीदा था। इसके बाद पुलिस ने अनुप्रास इंटरप्राईज में दबिश दी और दुकान के संचालक शक्तिनगर निवासी 67 वर्षीय सत्येन्द्र गुप्ता से भी पूछताछ की और उनकी दुकान को सील कर दिया। उसके बाद पुलिस ने जब्त किया। इस मामलें की जांच औषधि प्रशासन कार्यालय विक्टोरिया अस्पताल को प्रतिवेदन भेजा गया। उपसंचालक द्वारा दिए गए प्रतिवेदन में कहा गया कि अनुप्रास इंटरप्राईज के संचालक सत्येन्द्र गुप्ता द्वारा दौरान निरीक्षण नायब तहसीलदार आदित्य जंघेला एवं औषधि निरीक्षक शरद कुमार जैन एवं अन्य की उपस्थिति में अपने दुकान में एसिड के विक्रय करने तथा कब्जे में रखने सम्बंधी आवश्यक अनुज्ञप्तियां प्रस्तुत नहीं की गई। लिहाजा उप संचालक के प्रतिवेदन के आधार पर गौरीघाट पुलिस ने एसिड दुकान संचालक सत्येंद्र गुप्ता के विरुद्ध धारा 6(1)(ए) एसिड अधिनियम तथा 286 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

खून से सनी लाश मिलने से सनसनी

जबलपुर। गढ़ा थानांतर्गत गुप्ता नगर के पास एक अज्ञात व्यक्ति की खून से सनी लाश मिलने से सनसनी मच गई। वही सूचना पर मौके पर पहुचीं पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कालेज भेजकर मर्ग जांच में लिया है। मृतक व्यक्ति कौन है इसको लेकर पुलिस शिनाख्त के प्रयास में जुटी है।वही मृतक के सिर और हाथ पैर में चोट के निशान होने के चलते मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। पुलिस मामले को लेकर सभी एंगल से जांच कर रही है। पुलिस का मामले को लेकर कहना है की प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है।हालांकि मृतक के सिर में चोट के गहरे निशान होने के चलते पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ होगी की मौत किन कारणों से हुई है।

रिश्वतखोरी के आरोप में जीसीएफ के चार्जमेन का डिमोशन

जबलपुर। गन कैरिज फैक्ट्री (जीसीएफ) में रिश्वतखोरी का मामला सामने आने के बाद जीसीएफ मुख्यालय कानपुर के निर्देश पर चार्जमेन के खिलाफ जांच बिठाई गई है। जांच में आए तथ्यों के आधार पर फैक्ट्री प्रबंधन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार्जमेन का डिमोशन कर दिया है। लंबी जांच के बाद उनके वेतन को दो वर्षों के लिए पेमेंट के न्यूनतम स्तर पर ले जाने के आदेश दिए गए। जीसीएफ के प्रशासनिक आदेश में कहा गया है कि यार्ड एंड इस्टेट अनुभाग में पदस्थ चार्जमेन कुमार संजय पर आरोप था कि उसने पटाखा व्यापारियों को न्यू लाइन मैदान में दुकान लगाने की अनुमति देने के नाम पर अवैध रूप से 20 हजार रुपए लिए थे। इतना ही नहीं, उसने किराए की कच्ची रसीदें भी थमाई थीं। जबकि संपदा अधिकारी ने पटाखा बाजार लगाने की अनुमति नहीं दी थी। पटाखा व्यापारी संघ के अध्यक्ष जुगल किशोर जब चार्जमेन से मिले, तो उसने जीसीएफ प्रशासन के संज्ञान में लाए बिना ही गैर-कानूनी तरीके से दुकान लगाने की अनुमति दे दी और किराया भी वसूल लिया। मामलें का खुलासा उस वक्त हुआ जब पटाखा व्यापारियों ने जीसीएफ गेट के सामने हंगामा किया और इसकी शिकायत केंद्रीय सतर्कता आयोग और सीबीआई को की। इसके बाद, जीसीएफ के मुख्यालय कानपुर से निर्देश जारी होने पर चार्जमेन के खिलाफ कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (जांच) शुरू की गई। व्यापारियों ने वर्ष 2023 के इस विवाद के संबंध में सबूत के तौर पर वीडियो और कच्ची रसीदें प्रशासन को सौंपी थीं। जांच के उपरांत, आरोप पूरी तरह से सिद्ध पाए गए। 3 जुलाई को जारी आदेश में आरोपी चार्जमेन को निम्नतम वेतनमान पर पदावनत करने के साथ-साथ दो वर्ष की वेतनवृद्धि रोकने की सजा सुनाई गई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

सीएमएचओ के विरुद्ध 45 दिन के भीतर जांच न करने का मामला

हाई कोर्ट ने लोकायुक्त को जारी किए अवमानना नोटिस

हरिभूमि, जबलपुर।

हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने लोकायुक्त सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सत्येंद्र कुमार सिंह को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया है। मामला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जबलपुर के विरुद्ध 45 दिन के भीतर आरोपों की जांच न किए जाने के रवैये को चुनौती से संबंधित है। मामले की अगली सुनवाई 19 अगस्त िको नियत की गई है।

अवमानना याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी नरेंद्र कुमार राकेशिया की ओर से अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि सीएमएचओ डा. संजय मिश्रा के विरुद्ध भ्रष्टाचार, सेवा नियमों के उल्लंघन व कदाचरण के आरोपों सहित पूर्व में याचिका दायर की गई थी। जिस पर सुनवाई के बाद इस निर्देश के साथ पटाक्षेप किया गया था कि लोकायुक्त 45 दिन की समय-सीमा के भीतर जांच सुनिश्चित करें। लेकिन समयावधि निकलने के बावजूद हाई कोर्ट के 28 अप्रैल, 2025 के आदेश का परिपालन नहीं किया गया। लिहाजा, अवमानना याचिका दायर की गई है।दरअसल, हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद न तो जांच प्रारंभ हुई और न ही याचिकाकर्ता को किसी प्रकार की सूचना दी गई। इस रवैये को लेकर याचिकाकर्ता ने 12 जून, 2025 को लोकायुक्त कार्यालय को न्यायालयीन आदेश के पालन हेतु आवेदन भी प्रस्तुत किया था। इसके बावजूद लोकायुक्त न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप शिकायत पर कोई कार्रवाई करने में विफल रहे और मामले पर चुप्पी साधे रहे।

हाई कोर्ट के आदेश का पालन न होने से आहत होकर याचिकाकर्ता ने अवमानना याचिका दायर की,

जिसमें स्पष्ट रूप से न्यायालय के आदेश की जानबूझकर अवहेलना किए जाने का मामला प्रस्तुत किया गया। याचिकाकर्ता द्वारा 28 अप्रैल के आदेश की जानबूझकर अवज्ञा करने के लिए न केवल लोकायुक्त मप्र के विरूद्ध अवमानना कार्यवाही शुरू कर लोकायुक्त को दंडित करने की मांग की बल्कि यह मांग भी की गई कि न्यायालय के पूर्ववर्ती आदेश का पालन करने के लिए भी अवमाननाकर्ता को निर्देश दिए जाएं। अवमानना याचिकाकर्ता द्वारा लोकायुक्त मप्र को की गई शिकायत में सीएमएचओ डा. मिश्रा पर आरोप लगाया गया था कि सरकार द्वारा प्रशासनिक कार्य करने वाले चिकित्सकों पर प्राइवेट प्रैक्टिस की पाबंदी लगाए जाने के बावजूद उनके द्वारा सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना परफेक्ट एंडोकेयर लेव, एप्पल पैथोलाजी सेंटर व फेथ पैथेलाजी अवैध रूप से चलाई गई। यह भी आरोप था कि पैथोलाजी लेब के अवैध संचालन से मिला पैसा डा. मिश्रा द्वारा न केवल अपनी दूसरी पत्नी इप्शिता सिंह मिश्रा के नाम पर फ्लैट खरीदने में खर्च किया गया बल्कि फ्लैट खरीदने के लिए सरकार से पूर्व मंजूरी भी नहीं ली।

स्थानांतरण के विरुद्ध अभ्यावेदन का 30 दिन में निराकृत करने के निर्देश

महिला पटवारी को वर्तमान जगह कार्य करने दें : हाईकोर्ट

हरिभूमि, जबलपुर।

हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने याचिकाकर्ता महिला पटवारी को छिंदवाड़ा जिला अंतर्गत तहसील हर्रई में ही कार्यरत रखने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही स्थानांतरण के विरुद्ध प्रस्तुत अभ्यावेदन का 30 दिन के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। याचिकार्ता हर्रई निवासी नीलिमा सोनी की ओर से दलील दी कि याचिकाकर्ता का हर्रई से अमरवाड़ा स्थानांतरण कर दिया गया है। याचिकाकर्ता तलाकशुदा है। उस पर अपने भाई की देखभाल करने का दायित्व है, जो थेलीसिमिया की शिकार होने के कारण दिव्यांग है। लिहाजा, वर्तमान पदस्थापन स्थान पर बने रहने की अनुमति दी जानी चाहिए।

श्रम कार्यालय मंडीदीप में कार्य करने दें : इसी भांति श्रम कार्यालय मंडीदीप में कार्यरत प्रभारी सहायक श्रम अधिकारी मयंक दीक्षित को वहीं कार्यरत रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही स्थानांतरण के अभ्यावेदन का तीन सप्ताह में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। दलील दी कि गई कि याचिकाकर्ता को बालाघाट स्थानांतरित किया गया है। उस पर अपने वृद्ध पिता की देखरेख की जिम्मेदारी है। यदि मंडीदीप से बालाघाट गया तो पिता की तबीयत बिगड़ सकती है।

उपद्रवियों से निपटने पुलिस तैयार, सोशल मीडिया पर पैनी नजर

यौमे आशूरा को लेकर हाई अलर्ट पर प्रशासन

हरिभूमि जबलपुर।

विगत महीनों में शहर में साम्प्रदायिक घटनाओं के पैटर्न को देखते हुये जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। आज मोहर्रम की की दसवीं तारीख यानी यौमे आशूरन है। आज दसवीं तारीख को बहोराबाग से रानीताल कर्बला तक निकलने वाले पारंपरिक जुलूस के लिए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने जुलूस के निर्धारित मार्ग का निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विस्तृत प्लान तैयार किया है। इस दौरान शहर में कई स्थानों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। जुलूस बहोराबाग से प्रारंभ होकर मछली मार्केट, मिलौनीगंज चौक, कोतवाली थाना, कमानिया, बड़ा फुहारा, पांडे चौक, बल्देवबाग, आगा चौक होते हुए रानीताल स्थित कर्बला पहुंचेगा। इस पूरे मार्ग पर पुलिस बल की विशेष तैनाती रहेगी। दोपहर 12 बजे से लेकर जुलूस समाप्ति तक भारी वाहनों का शहर में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने अपील की है कि लंगर वितरण के लिए बड़े वाहनों की बजाय छोटे वाहनों का उपयोग किया जाए, ताकि मार्ग अवरुद्ध न हो और आम जनता को असुविधा न हो।

सोशल मीडिया पर साइबर सेल की नजर

जुलूस के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु साइबर सेल और एलआईवी अलर्ट टीम को सक्रिय किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जुलूस में ऐसे नारे या शब्दों का प्रयोग न किया जाए जिससे किसी भी धर्म या वर्ग की धार्मिक भावनाएं आहत हों। यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया गया, तो उसके साथ-साथ आयोजन समिति के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जाएगी। जातिगत या सांप्रदायिक भावना भड़काने वाली किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट पर तत्काल कार्रवाई होगी।

प्रशासन की अपील

प्रशासन और पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे शांति और सौहार्द बनाए रखें, किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और किसी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस या प्रशासन से संपर्क करें। वहीं पुलिस प्रशासन को निर्देश दिये गये हैं, अफवाह फैलाने वालों पर, माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वालों पर तत्काल कार्यवाही की जाए और साम्प्रदायिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाए।

वीयू में निशुल्क श्वान एंटी-रेबीज टीकाकरण शिविर आज

जबलपुर। विश्व जूनोसिस दिवस के अवसर पर नानाजी देशमुख वेटरनरी साइंस यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ मनदीप शर्मा के निर्देशानुसार, जबलपुर के पशु चिकित्सा महाविद्यालय परिसर, साउथ सिविल लाइन में एक निःशुल्क श्वान एंटी-रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आज रविवार, 6 जुलाई 2025 को प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक संचालित होगा, जिसमें पालतू श्वानों को रेबीज से बचाव हेतु निःशुल्क प्रोफिलैक्टिक वैक्सीन प्रदान की जाएगी। इस पुनीत कार्य का प्रायोजन इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड के सौजन्य से किया जा रहा है। पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा ने समस्त पालतू पशु पालकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने श्वानों को समय पर टीका अवश्य लगवाएं।

बंगाली समाज की सम्पूर्ण रथ यात्रा निकली

भगवान जगन्नाथ की हुई घर वापसी

जबलपुर। मौसी के घर सात दिनों के विश्राम के बाद भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र , बहन सुभद्रा को उनके अपने घर (मंदिर)पहुंचाने के लिए बंगाली समाज ने सम्पूर्ण (वापसी) रथ यात्रा का आयोजन शनिवार 5 जुलाई को किया। पवित्र रथ का रस्सा खींचकर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा को आसमान से हो रही अमृत वर्षा के बीच उनके घर यानी मंदिर पहुंचाया। बंगाली समाज की प्राचीन संस्था सिद्धी बाला बोस लाइब्रेरी एसोसियेशन सिटी बंगाली क्लब स्थित मौसी के घर से दिव्य वापसी रथ यात्रा निकाली गई। यात्रा से पहले पूजा अर्चना , हवन आदि धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।

रथ पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन को विराजमान कर रथ के रस्सी को खीचकर भगवान को उनके घर पहुंचाने के लिए सम्पूर्ण रथ यात्रा शुरू की गई।

शहर भ्रमण दौरान भक्तजनों ने भगवान के दिव्य दर्शन किए ,इस रथ यात्रा को सबसे पुण्य यात्रा माना जाता है भगवान को उनके निवास स्थान तक पहुंचाना सबसे पुनीत कार्य माना गया है, रथयात्रा में भक्तगण लाल रंग के परिधान में शामिल हुए, हरे राम, हरे कृष्ण, जय जगन्नाथ के जयकारे, महिलाएं शंख बजाते उलु ध्वनि के साथ श्रद्धा के साथ रथ के रस्सी को खींच रहे थे।

रथ यात्रा से पूर्व भगवान के दर्शन करने और पूजा करने के लिए विशेष रूप से विधायक अशोक रोहाणी, पार्षद अमरीश मिश्रा, अयोध्या तिवारी इस आयोजन में शामिल हुए। सम्पूर्ण रथ यात्रा करमचंद चौक, तुलाराम चौक,अंधरदेव, बड़ा फुहारा, घमंडी चौक, लार्डगंज, गंजीपुरा,सुपर मार्केट,मालवीय चौक,होते हुए सिटी बंगाली क्लब जगन्नाथ मंदिर पहुंची। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन को मंदिर में विराजमान किया गया। भक्तजनों को खिचड़ी, सब्जी, खीर, टमाटर, आम की चटनी का प्रसाद वितरित किया गया।

समाज में नया संदेश

इस अवसर पर पिछले दिनों समाज की बालिका श्रद्धा दास पर हुए तेजाब फेंकने के घटना के विरोध में समाज में नए संदेश के लिए स्लोगन के पोस्टर हाथों में लेकर अपना आक्रोश जताया समाज में इस तरह की घटनाओं से सर्व समाज आहत हुआ है इस पर विराम आवश्यक है इसलिए बच्चों को संस्कार देने की जरूरत है इसी भावना के साथ आज विरोध प्रकट किया गया। रथयात्रा में संस्था के सुब्रत पाल, डी के रॉय, प्रकाश साहा, सुरजीत गुहा चंदन करफोरमा, आशीष सेन, अनुराग पाल, आशीष घोष, विश्वजीत घोष, निलाद्री चैटर्जी, मुकुल घोष, तापस चक्रवर्ती, तृष्णा चैटर्जी,रूपांजलि बैनर्जी, संगीता भद्रा, अभिजीत भौमिक, अभिलाष डे, कार्तिक बैनर्जी, बी एन राय, समेत सैकड़ो समाज के लोग शामिल थे।

अलर्ट : रविवार की दोपहर 12 बजे बरगी बांध से छोड़ा जायेगा लगभग 1 लाख 76 हजार 575 क्यूसेक पानी

निचले क्षेत्र के रहवासियों से नर्मदा तट से सुरक्षित दूरी बनाये रखने की अपील

जबलपुर। कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश की वजह से जलाशय के बढ़ते जल स्तर को नियंत्रित करने कल रविवार 06 जुलाई को दोपहर 12 बजे रानी अवंति बाई लोधी सागर परियोजना बरगी बांध से लगभग 1 लाख 76 हजार 575 क्यूसेक पानी (5 हजार क्यूमेक) पानी की निकासी की जायेगी। परियोजना प्रशासन ने अलर्ट जारी कर बांध के निचले क्षेत्र के रहवासियों से नर्मदा नदी के तट और घाटों से सुरक्षित दूरी बनाये रखने की अपील की है।

रानी अवंति बाई लोधी सागर परियोजना प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार 05 जुलाई की सुबह 8 बजे बरगी बांध का जलस्तर 416.10 मीटर आंका गया था और इस समय प्रति घण्टे 10 सेंटीमीटर अर्थात 1 लाख 99 हजार 883 क्यूसेक पानी जलाशय में प्रवेश कर रहा था। हालांकि, शनिवार को शाम 6 बजे की स्थिति में बरगी बांध में वर्षा जल की आवक में कुछ कमी आई है। शनिवार की शाम 6 बजे बांध का जलस्तर 416. 65 मीटर रिकार्ड किया गया था और इस समय बांध में लगभग 1 लाख 14 हजार 067 क्यूसेक (3 हजार 230 क्यूमेक) वर्षा जल प्रवेश कर रहा था।

रानी अवंति बाई लोधी सागर परियोजना बांया मेसनरी बांध संभाग के कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह गौंड ने बताया कि बरगी बांध का पूर्ण जलभराव स्तर 422.76 मीटर है और ऑपरेशनल मैन्युल के अनुसार 31 जुलाई तक बांध का जलस्तर 417.50 मीटर रखा जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि परियोजना प्रशासन द्वारा बांध से पानी छोड़ने का निर्णय इसके जल स्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुये लिया गया है। बांध से पानी छोड़े जाने से नर्मदा नदी के जलस्तर में 4 से 5 फीट तक वृद्धि होगी। इसे देखते हुये कार्यपालन यंत्री ने निचले क्षेत्र के रहवासियों से सतर्क रहने, माँ नर्मदा के घाटों से सुरक्षित दूरी बनाये रखने तथा डूब क्षेत्र में प्रवेश न करने की अपील की है। कार्यपालन यंत्री के अनुसार पानी की आवक को देखते हुये बरगी बांध से जल निकासी की मात्रा कभी भी बढाई या घटाई भी जा सकती है।

जिला प्रशासन और मोक्ष आश्रय संस्था के समन्वय से हुआ एक असंभव-सा कार्य संभव, समाज के लिए बनी प्रेरणा

नाम, पहचान और सम्मानः लावारिस पूजा और उसकी बेटी को मिला आधार

हरिभूमि, जबलपुर।

कभी 14 साल की उम्र में घायल अवस्था में सड़क किनारे मिली एक अनजान बच्ची आज उसकी पहचान है, उसका परिवार है, और अब उसके पास अधिकार भी हैं। यह कहानी है लावारिस पूजा की, जिसे आश्रय और नई पहचान देने का श्रेय जाता है मोक्ष मानव सेवा एवं जन उत्थान समिति और जिला प्रशासन को।

संस्था के संस्थापक आशीष ठाकुर पिछले 25 वर्षों से लावारिस, निराश्रित, बेसहारा जनों को जीवन, सम्मान और संस्कार देने का कार्य कर रहे हैं। यही संस्था पूजा के जीवन का संबल बनी। पूजा को बचपन से मोक्ष आश्रय में पाला गया और 20 अप्रैल 2024 को कमलेश सजन से विवाह करवा कर उसे एक नया जीवन दिया गया। छह माह पूर्व पूजा ने एक बेटी सौम्या को जन्म दिया, परंतु आधार कार्ड न होने के कारण बच्ची का जन्म प्रमाणपत्र नहीं बन पाया। मां-बेटी दोनों शासकीय योजनाओं से वंचित थीं। इस स्थिति को देखकर जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना ने गंभीरता दिखाई और आधार पंजीयन अधिकारी चित्रांशु त्रिपाठी के समन्वय से शनिवार को भोपाल से विशेष अनुमति लेकर पूजा का आधार कार्ड बनवाया गया। अब पूजा और सौम्या

दोनों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिलेगा, और एक सामान्य नागरिक के रूप में उनका जीवन आगे बढ़ेगा।

लावारिस का वारिस बना आशीष

पूर्व कलेक्टर टी. इलैयाराजा के समय पहले ही 55 से अधिक लावारिसों को वोटर आईडी दिलाई गई थी, जिनके अभिभावक के रूप में आशीष ठाकुर का नाम दर्ज है। यह कार्य देशभर में एक मिसाल बना है।

निःस्वार्थ भाव से कर रहे सेवा

आज मोक्ष आश्रय में दर्जनों लावारिस, दुर्घटनाग्रस्त और समाज से उपेक्षित बुजुर्ग सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। सीमित संसाधनों में भी संस्था के कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं।

गोरखपुर थाना परिसर में वृक्षारोपण और रक्तदान शिविर, पुलिस कप्तान की अगुवाई में समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण

पुलिस की मानवीय पहलः सेवा, हरियाली और रक्तदान की त्रिवेणी

हरिभूमि, जबलपुर।

जहां एक ओर पुलिस व्यवस्था का पर्याय है अनुशासन और कानून-व्यवस्था, वहीं जबलपुर पुलिस ने यह साबित किया है कि वर्दीधारी सिर्फ सख्त नहीं, संवेदनशील भी होते हैं। गोरखपुर थाना परिसर में शनिवार को जबलपुर पुलिस द्वारा हरियाली महोत्सव, रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य परीक्षण कैंप का आयोजन कर सामाजिक चेतना की मिसाल पेश की गई। इस विशेष आयोजन में पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय स्वयं मौजूद रहे और उन्होंने पौधारोपण व रक्तदान कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उनके साथ एएसपी सिटी आनंद कलादगी, एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा, जोन 2 के एएसपी समर वर्मा, कंट्रोल रूम प्रभारी सतीश झारिया समेत समस्त सीएसपी और थाना प्रभारियों की उपस्थिति रही।

पर्यावरण संरक्षण में पुलिस की भागीदारी

हरियाली ही जीवन है इसी संदेश के साथ गोरखपुर थाना परिसर में दर्जनों छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। पुलिस कप्तान उपाध्याय ने स्वयं पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की। इस दौरान पुलिसकर्मियों, अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य था पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वहन। यह संदेश दिया गया कि पुलिस समाज की हर जरूरत में भागीदार है चाहे वह सुरक्षा हो या प्रकृति का संरक्षण।

डॉक्टरों की देखरेख में रक्तदान

सेवा का एक और रूप देखने को मिला रक्तदान शिविर के माध्यम से। सेठ गोविंददास अस्पताल की टीम की देखरेख में आयोजित शिविर में सर्वप्रथम पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय, एएसपी आनंद कलादगी और सीएसपी गढ़ा आशीष जैन ने रक्तदान किया। थाना अजाक में पदस्थ आरक्षक सुरेश धुर्वे ने 11वीं बार रक्तदान कर मानवता की अनूठी मिसाल पेश की। उन्हें कप्तान द्वारा शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने इस शिविर में स्वेच्छा से रक्तदान किया।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

कार्यक्रम के अंतर्गत एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें नेत्र, दंत और त्वचा रोगों की जांच व परामर्श प्रदान किया गया। यह शिविर पुलिस बल की फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बना।

देशभक्ति गीतों से हुआ समापन

कार्यक्रम के अंत में एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा ने देशभक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुति दी, जिससे वातावरण भावनात्मक और प्रेरणादायक हो गया। आयोजन को सफल बनाने में सीएसपी गोरखपुर महादेव नगौतिया, टीआई गोरखपुर नितिन कमल, स्टाफ और समाजसेवियों रॉकी सेन, चंचल सेन सहित स्थानीय नागरिकों का विशेष सहयोग रहा।

समाज सेवा हमारी प्राथमिकता

हमारे लिए पुलिसिंग सिर्फ अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है। समाज सेवा, पर्यावरण चेतना और मानवीय संवेदनाएं भी हमारी जिम्मेदारी हैं। जबलपुर पुलिस आगे भी इसी भावना से कार्य करती रहेगी।

-संपत उपाध्याय, पुलिस कप्तान

लोक निर्माण मंत्री ने अस्पताल पहुंचकर एसिड अटैक पीड़िता के स्वास्थ्य की ली जानकारी

जबलपुर। सहेली द्वारा किए गए एसिड अटैक में घायल अवधपुरी कॉलोनी निवासी पीड़िता को देखने लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह स्थानीय एमएच हॉस्पिटल पहुंचे। मंत्री श्री सिंह ने अस्पताल में भर्ती पीड़िता के स्वास्थ्य की जानकारी ली साथ ही परिजनों से भेंट की। श्री सिंह ने कहा इस तरह की घटनाएं समाज को झकझोर देती है। चिकित्सकों के अनुसार अभी उनकी हालत स्थिर है और आशा है वह जल्द ही स्वस्थ होगी।

लायंस क्लब जबलपुर का शपथ ग्रहण आज

जबलपुर। लायंस इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट 3233 सी के सबसे वरिष्ठ लायन्स क्लब जबलपुर का शपथ ग्रहण समारोह आज रात्रि 8 बजे होटल ट्रायो मैक्स में आयोजित है। जिसमें मुख्य अतिथि पीएमजेएफ पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन राजीव अग्रवाल, शपथ अधिकारी एमजेएफ पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन नरेन्द्र जैन, विशिष्ट अतिथि रीजन चेयरपर्सन लायन श्रद्धा साहू एवं जोन चेयरपर्सन लायन अंकिता जैन होंगी। क्लब की नवीन कार्यकारिणी अध्यक्ष लायन मनीषा सोनी, एमजेएफ लायन हरिभाई पटेल सचिव एवं लायन दीपक पोपट कोषाध्यक्ष के रुप में शपथ लेंगे।

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजे धर्म, भक्ति और संस्कार के स्वर, रोजाना उमड़ रहा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

आराधना का प्रत्यक्ष दर्शन ही भगवान का अवतार है : ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी

हरिभूमि, जबलपुर।

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री बगुलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मढ़ाताल में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के अंतर्गत तीसरे दिन भक्ति, ज्ञान और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिला।

इस अवसर पर संत ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने प्रवचन करते हुए कहा कि जब भक्त सच्ची श्रद्धा से आराधना करता है, तो वह आराधना ही ईश्वर का प्रत्यक्ष अवतार बन जाती है। उन्होंने बताया कि परमात्मा सत्य-स्वरूप, निर्गुण-निराकार होते हुए भी इस सृष्टि के प्रत्येक कण में विद्यमान हैं। ब्रह्मा से लेकर एक तिनके तक, समस्त चराचर जगत उसी परम सत्ता की योजना का हिस्सा है। भगवान अपने भक्तों के कल्याण हेतु अनेक रूपों में प्रकट होते हैं और यही अवतार की परंपरा है।

सृष्टि का आरंभ और श्रीमद्भागवत की परंपरा- चैतन्यानंद जी ने कहा कि भगवान ब्रह्मा को सृष्टि के सृजन का माध्यम बनाकर मनु और शतरूपा के द्वारा मैथुनी सृष्टि का प्रारंभ हुआ। यही से मानव जाति का विस्तार हुआ। उन्होंने बताया कि राजा परीक्षित के माध्यम से श्री शुकदेव जी द्वारा श्रीमद्भागवत कथा की साप्ताहिक परंपरा का शुभारंभ हुआ, जो आज तक भक्तों को धर्म और आत्मबोध की ओर अग्रसर कर रही है।

ध्रुव, प्रह्लाद और जड़भरत की सुनाई कथा- कथा में ध्रुव चरित्र के माध्यम से उन्होंने बताया कि मां सुनीति के दिए गए संस्कारों और सद्गुरु के उपदेशों ने बालक ध्रुव को ईश्वर की साक्षात प्राप्ति करवाई। ब्रह्मचारी जी ने कहा कि मां ही प्रथम गुरु होती है, और सद्गुरु उसका विस्तार। कथा के दौरान कपिल गीता, पृथु चरित्र, सती और जड़भरत, प्रह्लाद-नृसिंह अवतार जैसी दिव्य कथाओं का भावपूर्ण वर्णन किया गया। भक्त प्रह्लाद के प्रसंग में उन्होंने बताया कि भगवान अपने भक्तों की रक्षा हेतु ब्रह्मा के दिए वरदानों की मर्यादा को तोड़कर भी नृसिंह अवतार लेते हैं, जिससे सिद्ध होता है कि भक्ति सबसे बड़ी शक्ति है।

व्यापक श्रद्धा और पूजन विधि- इस पावन आयोजन में व्यास पीठ का भव्य पूजन किया गया। पूजन में संजय मिश्रा, मधु मिश्रा, श्याम नीता चौधरी, गोविंद-पद्मिनी विश्वकर्मा, विजय नेहा साहू, रत्ना सुनील गुप्ता, शशिकांत शिखा तिवारी, आरती नितिन सराफ, राजू रानू गुप्ता, अंजना शुक्ला शामिल रहे। वहीं अखिल तिवारी, तुलसी अवस्थी, पीयूष दुबे, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, शुभम चौरसिया, रोहित साहू, राहुल मौर्य, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे, आशीष चौकसे, विनोद अरोरा, नवीन यादव, मनोज सेन समेत अनेक श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

भावनाओं से भरी भक्ति संध्या- संध्याकाल में भजन संध्या का आयोजन भी हुआ जिसमें स्थानीय भक्तों ने भक्ति गीतों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आयोजन समिति ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का यह दिव्य आयोजन आगामी दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें सभी श्रद्धालु सपरिवार आमंत्रित हैं।

गीताधाम में पूज्य सदगुरुओं को समर्पित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

सेवा और उपासना से मिलता है फलः जगतगुरु नरसिंहदेवाचार्य महाराज

जबलपुर। "जिसके जीवन में सेवा और त्याग है, वही मनुष्य समाज में स्तुत्य एवं मूल्यवान भी है। वृक्ष हों, नदियाँ हों, पवन हों अथवा कोई जीव ही क्यों न हो, जो समाज को कुछ देता है वही देवता है, यही सनातन संस्कृति की विशाल दृष्टि है। ऐसा ही कोई मनुष्य जब समाज को कुछ देता है, तो देवता के रूप में प्रतिष्ठित हो जाता है। प्रभु कृपा करते हैं तो किसी-किसी जीव के मन में सेवा का भाव जगाकर समाज सेवा का निमित्त बनाते हैं। सेवा और त्याग का गुण ही समाज में किसी मनुष्य के मूल्य अथवा उपयोगिता का निर्धारण करता है। सेवा और त्याग दैवीय गुण अवश्य हैं, लेकिन सेवा और त्याग का अभिमान ही जीवन का सबसे बड़ा रोग भी है। मनुष्य हों अथवा देवराज इंद्र, कर्ता पन का अभिमान जिसके भी भीतर आता है प्रभु द्वारा उसके अभिमान भाव को एक दिन चूर-चूर अवश्य कर दिया जाता है। समाज से लेना ही नहीं, समाज को देना भी सीखिए।" उक्त उद्गार गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर 03 से 09 जुलाई बुधवार तक गीताधाम गौरीघाट में अनंत श्री विभूषित पूज्य जगतगुरु डॉ. स्वामी नरसिंहदेवाचार्य महाराज के पावन मुखारबिंद से पूज्य सद्गुरुओं को उनकी सूक्ष्म उपस्थिति में समर्पित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में द्वितीय दिवस व्यक्त किए गए।

10 जुलाई को श्री नृसिंह मंदिर तथा गीताधाम में गुरुपूर्णिमा महोत्सव, गुरुओं का पूजन अर्चन वंदन धूमधाम से मनाया जाएगा। कलशयात्रा में स्वामी हनुमान दास महाराज, स्वामी बालकदास महाराज, नारायण स्वामी, ब्रम्हचारी हिमांशु, आचार्य रामफल शास्त्री, आचार्य कामता प्रसाद, आचार्य प्रियांशु, संदीप की विशिष्ट उपस्थिति रही। श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस गुरुओं को अपनी भावांजलि, प्रणामंजलि, पुष्पांजलि पूजन अर्चन नन्दा परौहा, किरण पांडेय, गिरिजा बाई, विजय नेमा, रामसेवक पटेल, ऋषि पटेल, संजय विश्वकर्मा, विनोद तिवारी, उमा तिवारी, कमला दुबे, पुष्पा बाई, संदीप, अनीता तिवारी, रेखा संतोष खंपरिया, सनी, मोनी परौहा ने किया। गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण गीता धाम ग्वारीघाट में अपरान्ह 3 बजे से उपस्थिति का आग्रह नरसिंह मंदिर, गीताधाम परिवार, श्री सनातन धर्म महासभा जबलपुर ने किया है।

टंडन बने मानवधिकार आयोग अध्यक्ष

जबलपुर। मप्र शासन ने मप्र मानव अधिकार आयोग के वर्तमान सदस्य राजीव कुमार टंडन को अपने पद के साथ आगामी आदेश तक के लिये मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष के रूप में प्राधिकृत किया गया है। मप्र मानव अधिकार के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि आयोग के जनसंपर्क अधिकारी केके जोशी की ओर से जारी सूचना अनुसार राज्य शासन द्वारा 4 जुलाई को उक्त आदेश जारी कर दिये हैं।

संत रविदास विचार मंच की सभा आज

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 06 जुलाई को मध्यान्ह 12.30 बजे से कंधीलाल मास्टर के निवास स्थान सिद्धबाबा रोड हनुमान मंदिर के पास मंच की सभा आयोजित है। सभा के मुख्य अतिथि शारदा प्रसाद चौधरी होंगे, अध्यक्षता रामसिपाही सेठ करेंगे। मंच के अमित सैनी, रामसिपाही सेठ, श्यामलाल चौधरी, लखन खरे, डॉ. मानकलाल जाटव, सपना चौधरी, रियांश चौधरी, आजाद चौधरी, चंदाबाई, नरबद बाई, लक्ष्मीबाई, श्यामाबाई सहित अन्य ने सभा में उपस्थिति की अपील की है।

विट्ठलवारी यात्रा का किया स्वागत

जबलपुर। आषाढी कार्तिक वारी यात्रा समिति द्वारा प्रतिवर्ष निकाले जाने वाली विट्ठलवारी यात्रा का बड़े फ़ुआरे में बड़ी खेरमाई मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल, अखिलेश दीक्षित, राकेश शर्मा, एडवोकेट सचिन अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल द्वारा पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया एवं विट्ठल भगवान का पूजन अर्चन कर सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

मेडीकल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ मिश्रा का एफएससीएआई फेलोशिप के लिए चयन

जबलपुर। सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर के प्रतिष्ठित हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास अशोक मिश्रा को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था सोसाइटी फॉर कार्डियोवैस्कुलर एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशंस एफएससीएआई का फेलो के लिए चुना गया है। यह एक विश्वस्तरीय हृदय रोग संगठन है, जिसका मुख्यालय अमेरिका में स्थित है। इसी वर्ष मार्च 2025 में, शिकागो में आयोजित अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के वार्षिक दीक्षांत समारोह में डॉ. मिश्रा को फेलो ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी एफएसीसी की उपाधि से भी सम्मानित किया गया था। इस उपलब्धि के लिए डॉ. मिश्रा ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवीन सक्सेना, सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. अवधेश खुसवाह, पूर्व डीन डॉ. कसार डॉ. गीता गुइन, सुपरिंटेंडेंट डॉ. जितेन्द्र गुप्ता, डॉ. अरविंद शर्मा तथा कार्डियोलॉजी विभाग में कार्यरत समस्त चिकित्सकों, नर्सिंग टेक्निशियन स्टॉफ के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पर्यावरण को बढ़ाने क्षत्रिय महासभा भी प्रयासरत

जबलपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ने सभी क्षत्रिय राजपूत समाज के साथ संकल्प लिया है कि क्षत्रिय समाज भी पर्यावरण को संरक्षित करने शहर में लगातार पौधे लगाकर पर्यावरण को बढ़ाने में योगदान देगा। महासभा द्वारा 05 जुलाई को महादेव उद्यान धनवंतरी नगर महाराणा प्रताप वार्ड में कई प्रजाति के पौधे लगाकर एवं क्षेत्र के वरिष्ठ अश्वनी सिंह ठाकुर एवं बलराम उपाध्याय का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, पार्षद जीतू कटारे, अजय सिंह, कुक्कू ठाकुर, दिनेश सिंह, मुकेश सिंह ठाकुर, अशोक सिंह बघेल, संतोष सिंह, दिलीप ठाकुर, प्रवेंद्र चौहान, मुकेश विश्वकर्मा, रमेश दुबे, शैलेष खरे, जितेंद्र साहू, प्रतीक विश्वकर्मा, गौरव पटेल, अमित दुबे, गौरव सिंह ठाकुर, रोहित अग्रवाल, आदित्य सिंह, मोहित शर्मा, संतोष रिछारिया, सतीश सिंह, सुरेंद्र सिंह, प्रांजल सिंह, अजय प्रताप सिंह, दिव्यांश हनवत, विशाल सिंह, सुजीत सिंह, अजय सिंह, मनोज सिंह, अतिशय जैन, रितेश अवस्थी, कार्यक्रम प्रभारी सौरभ सिंह ठाकुर सहित सैकड़ों सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

जबलपुर। जनकल्याण न्यास के तत्वावधान में महिलाओं के आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला थाना प्रभारी भुवनेश्वरी सिंह चौहान रहीं, जिन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। महिला थाना प्रभारी ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण महिलाओं को स्वावलंबन की ओर ले जाते हैं और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। महिलाएं गृह कार्य में दक्ष होते हुए और समाज में एक नई पहल की बहुत अच्छी शुरुआत है कि महिलाएं तन मन दोनों से सुंदर और समाज को सुदृढ़ सुंदर बनाएं। श्रीमती सीमा साहू के द्वारा संचालन, कार्यक्रम की रूपरेखा, प्रशिक्षण उद्देश्यों और न्यास की भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ साल एवं श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर शिप्रा गुप्ता, सपना रजक, पदमा सूर्यवंशी, वंदना पटेल निधि एवं स्नेहा गुप्ता द्वारा किया गया।

स्व. मुथूट की याद में एक दर्जन से अधिक रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

पीड़ितों का जीवन बचाने किया रक्तदान

जबलपुर। थैलेसीमिया जनजागरण समिति जबलपुर मप्र के सहयोग से मुथूट फाइनेंस लिमिटेड के अध्यक्ष स्व. एमजी जॉर्ज मुथूट की याद में वर्तमान संयुक्त प्रबंधक निदेशक अलेक्जेंडर जॉर्ज मुथूट की पहल पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन मुथूट फाइनेंस लिमिटेड के कार्यालय आगा चौक में किया गया, जिसमें अधिक संख्या में रक्तदाताओं ने आगे आकर दूसरों का जीवन बचाने के लिए रक्तदान किया। इस मौके पर रक्त संग्रहण का कार्य जिला चिकित्सालय विक्टोरिया के ब्लड बैंक के द्वारा किया गया। इस दौरान 15 यूनिट रक्त संग्रहण हो सका, जो कि थैलेसीमिया, सिकिलसेल व अन्य बीमारियों से पीड़ितों के काम आ सकेगा। इस दौरान शाखा प्रबंधक शशांक वर्मा, राजेश पटेल, विकास शुक्ला, अजय घोष, सरबजीत सिंह नारंग, राहुल तिवारी मनु, डॉ. संजय असाटी, इलुविन्दर पाजी, अतुल केवट, अमर पटेल, अमित गुप्ता, नीलेश गुप्ता, शैलेष जैन, शुभम यादव, पंकज खरे, कौशल दीक्षित, नवीन जैठानी आदि मौजूद रहे।

ओएफके में लेबर यूनियन की आम सभा आयोजित

जबलपुर। आयुध निर्माणी खमरिया में लेबर यूनियन एआईडीईएफ लाल झंडे की कार्यशैली एवं विचारधाराओं से प्रभावित होकर इंटक के सैकड़ों पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने लाल झंडा थाम लिया है , लाल झंडा थामने वालो में ओ एफ के कंज्यूमर सोसाइटी के प्रबंधकरणी सदस्य भी है , इस अवसर पर आयोजित सभा में इंटक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश इंटक के विशेष आमंत्रित सदस्य एवं कंज्यूमर सोसाइटी के डायरेक्टर संतोष सिंह ने कहा की हमारी नियुक्ति जब से निर्माणी में हुई है हम इंटक के सच्चे सिपाही के रूप में कार्य किया परन्तु यह कुछ वरिष्ठ नेता यूनियन में केवल परिवार बाद को ही अहमियत देते रहे, हमने कर्मचारियों की समस्याओं के लिए हमेशा लेबर यूनियन लाल झंडे को ही संघर्ष करते पाए है, लिहाजा हम तमाम साथियों ने एक मतेन निर्णय लिया है कि हम भी लाल झंडे के दामन थाम कर्मचारी हित में कार्य करेंगे। यूनियन के वरिष्ठ नेता कॉमरेड अर्नब दासगुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह, सुकेश दुबे, सुरेश कन्ना, सीमेंद्र रजक, दिनेश नामदेव, हरीश चौबे, आशीष श्रीवास्तव, एंजिल थंगराज, संजीव कुमार, प्रदीप यादव, प्रभात रंजन, संगम कुमार, निर्भय पटेल आदियों ने तिलक लगाकर माला पहनाकर सभी को यूनियन की सदस्यता दिलवाई।

जबलपुर संस्कारधानी में आषाढ़ी कार्तिकी वारी महामंडल की 11वीं विट्ठल वारी यात्रा निकली

विट्ठल विट्ठल विट्ठला पांडुरंग विट्ठला, मराठी पुणेरी ढोल-ताशे से गूंजा शहर

जबलपुर। मराठा शासन कालीन श्रीहरि विठ्ठल रखुमाई मंदिर हनुमान ताल में वार्षिक वारी महोत्सव के 18 वें दिन जबलपुर संस्कारधानी में आषाढ़ी कार्तिकी वारी महामंडल जबलपुर , मराठी भाषियों के तत्वावधान में आषाढ़ी एकादशी की पूर्व संध्या पर पंढरपुर महाराष्ट्र की तरह 11 वीं श्री विठ्ठल वारी हरिनाम संकीर्तन शोभायात्रा श्री दत्त मंदिर गोलबाजार से संत महात्माओं गणमान्य नागरिकों के सानिध्य में भगवान की महाआरती पश्चात नगर भ्रमण पर निकली । संपूर्ण यात्रा मार्ग में वारकरी भक्त सफेद वस्त्र कंठी माला पहने हुए विठ्ठल रखुमाई के रथारूढ विग्रह की आरती परिक्रमा करते हुए चल रहे थे।

महिलाओं का मातृशक्ति दल जामुनी रंग के परिधानों में कंठी माला, नथ और नागपुरी पातलें, नववारी साड़ी पहने हुए थे, बच्चियां पारंपरिक मराठी लुगडा पहने हुए थी। श्रीहरि विठ्ठल रखुमाई की मनोहारी छवि ने भक्तों का मनमोहा पांढरी पोषाक, लकदक जेवरात, तुलसी दल माला महाराष्ट्र से आये विशेष फूलों की माला पहने,स्वर्णिम सी आभा दैदीप्यमान हो रही थी । श्री विठ्ठल वारी यात्रा में श्रीहरि विठ्ठल रखुमाई माता के श्रीविग्रह, संत ज्ञानेश्वरजी महाराज, संत गजानन महाराज, संत एकनाथ, संत सेन जी महाराज की पालकी, रथारूढ होकर भगवान ने भक्तों को दर्शन दिए।

हरिनाम संकीर्तन यात्रा

दत्त मंदिर गोलबाजार, नेशनल हास्पिटल से पुराने जामदार हास्पिटल डी एन जैन स्कूल से मालवीय चौक सुपर मार्केट लार्डगंज चौक कमानिया गेट सराफा बाजार कोतवाली थाना राजा रसगुल्ला वाली गली से श्री विठ्ठल रखुमाई मंदिर हनुमान ताल पहुंची. जहां यात्रा का समापन हुआ। वारी यात्रा में सांसद आशीष दुबे, विधायक अभिलाष पांडे, विधायक अशोक रोहाणी, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, पूर्व महापौर डॉ स्वाति सदानंद गोडबोले, सदानंद गोडबोले, पार्षद प्रतिभा भापकर, अंशुल राघवेन्द्र यादव, सोनिया रंजीत सिंह, रजनी कैलाश साहू, अमरीश मिश्रा अयोध्या तिवारी, अखिलेश जैन सी ए, भाजपा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर आदि उपस्थित थे ।

बच्चे बजा रहे थे विट्ठल वारी बैंड

पुणेरी ढोल ताशे झांझ मंजीरा लेकर श्रीहरि विठ्ठल रखुमाई का जयघोष, छत्रपति शिवाजी महाराज का गुणगान करते हुए हर्षल पुणतांबेकर, आशुतोष गोडबोले , ज्ञानेश, सांई कृष्णा पाटिल, सर्वेश, आशय, समीक्षा, वैभव, गौरव, अर्थव, प्रद्युम्न, अदिति, देवांश, मल्हार, चिन्मय, अजिंक्य, प्रथमेश, प्रथम, ऋषभ, ज्ञानेश, वाणी, हार्दिका, हर्षिका, मंदार, सृष्टि, निशिगंधा, प्रखर, पार्थ, सजल, सार्थक, सत्यम, ओजस्वी, योगेश सहित युवा शक्ति विठ्ठल वारी यात्रा में विठ्ठल बैंड ढोल ताशे, बजाते हुए चले।

मुकेश कोळी, किरण पाटिल, भूषण चौधरी, सागर ठाकरे,भरत अहिरे, वाल्मीकि वाघ सहित 101 लोगों की टोली थी। इस अवसर पर भगवान श्रीहरि विठ्ठल रखुमाई की आरती, पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत सनातन धर्म महासभा जबलपुर, मराठी गलाई संघ सराफा, महाराष्ट्र ब्रम्ह वृंद समाज, साहू समाज जबलपुर सहित अनेक संस्थाओं ने किया।

श्रीमती त्रिवेणी द्विवेदी- गली नं. 2, त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री नारायण सिंह द्विवेदी की धर्मपत्नी श्रीमती त्रिवेणी द्विवेदी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हरि शंकर कोरी- बिहारी मोहल्ला सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री दादूराम कोरी के पुत्र श्री हरि शंकर कोरी (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुकेश राज- रानी दुर्गावती नगर तिलहरी निवासी श्री मुकेश राज (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती निशा लोधी- फूटाताल बढ़ई मोहल्ला निवासी श्री ओंकार लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती निशा लोधी (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुधा चौरसिया- बेदीनगर निवासी श्री नारायण प्रसाद चौरसिया की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा चौरसिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती द्रोपती विश्वकर्मा- बाबा टोला सिद्धबाबा रोड निवासी श्री रघुवीर प्रसाद विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती द्रोपती विश्वकर्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भैया लाल मलिक- संजय नगर अधारताल निवासी श्री भैया लाल मलिक (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चमन कोरी- गोपाल होटल लालमाटी निवासी श्री चमन कोरी (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राम बाई यादव- बृजमोहन नगर टेंडर 2, रामपुर निवासी श्री नन्हें लाल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती राम बाई यादव (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोमवती बंशकार- प्रेमसागर शीतलामाई वार्ड निवासी श्री जगदीश बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती सोमवती बंशकार (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जय प्रकाश इंगले- करौंदी रांझी निवासी श्री जय प्रकाश इंगले (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हरि शंकर सोनी- कांचघर झंडा चौक निवासी श्री हरि शंकर सोनी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुमिता भट्टाचार्य- शक्तिनगर शिवाजी चौक निवासी श्री सदावृत भट्टाचार्य की धर्मपत्नी श्रीमती सुमिता भट्टाचार्य (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजीव कोल- छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री मुन्ना लाल कोल के पुत्र श्री राजीव कोल (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बंसत लाल जाटव- गली नं. 14, सदर निवासी श्री बसंत लाल जाटव (74) का विगत दिवस निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अंकित राय- जीआरपी लाइन कांचघर निवासी श्री ललन राय के पुत्र श्री अंकित राय (24) का विगत दिवस निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- ... से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- ... से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज ... से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

नाम सुधार की सूचना

मैं NARESH CHHATTANI S/O GOVIND DAS CHHATTANI यह सूचित करता हूं कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम NARESH CHATTANI लिखा हुआ है जिसे बदलकर मैंने अपना नाम NARESH CHHATTANI रख लिया है, जो कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, एवं बैंक पासबुक आदि में भी लिखा हुआ है। अतः मेरे नाम को NARESH CHHATTANI ही पढ़ा - लिखा एवं समझा जावें ।
पूर्व नाम - NARESH CHATTANI
वर्तमान नाम - NARESH CHHATTANI
पता-1221/22, NAPIER TOWN, HOME SCIENCE COLLEGE, INABALPUR (M.P.)

नाम सुधार की सूचना

मैं NARESH CHHATTANI S/O GOVIND DAS CHHATTANI यह सूचित करता हू मेरे पुत्र TANMAY CHHATTANI S/O NARESH CHHATTANI के पासपोर्ट में उसका नाम TANMAY CHATTANI लिखा हुआ है जिसे बदलकर मैंने अपने पुत्र नाम TANMAY CHHATTANI रख लिया है, जो कि उसके आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र आदि में भी लिखा हुआ है। अतः मेरे पुत्र के नाम को TANMAY CHHATTANI ही पढ़ा -लिखा एवं समझा जावें।
पुत्र का पूर्व नाम - TANMAY CHATTANI
पुत्र का वर्तमान नाम - TANMAY CHHATTANI
पता-1221/22, NAPIER TOWN, HOME SCIENCE COLLEGE, INABALPUR (M.P.)

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- पहले अपना लक्ष्य तय करें और रिस्क क्षमता जांच लें
- आपका लक्ष्य लंबी अवधि का है, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड बेहतर
- रिटायरमेंट में ज्यादा वक्त नहीं बचा है तो डेट फंड्स में निवेश सही

हर म्यूचुअल फंड का रिस्क लेवल अलग होता है। इक्विटी फंड ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं, जबकि डेट या हाइब्रिड फंड ज्यादा स्टेबल रिटर्न देते हैं। आपकी रिस्क लेने की क्षमता आपकी उम्र, आमदनी और वित्तीय जिम्मेदारियों के हिसाब से भी तय होती है। साथ ही यह भी सोचें कि आपको पैसों की जरूरत कितने समय बाद पड़ेगी। अगर आपका लक्ष्य कुछ साल दूर है, तो इक्विटी में निवेश कर सकते हैं, लेकिन शॉर्ट टर्म के लिए डेट या लिक्विड फंड ज्यादा अच्छे माने जाते हैं।

निवेश करने जा रहे हैं तो पल्ले 'गांठ' बांध लें ये बातें, अच्छी होगी कमाई

म्यूचुअल फंड निवेश का एक पॉपुलर और स्मार्ट तरीका बन चुका है। यह एक ऐसा ऑप्शन है, जिसमें छोटे निवेशकों को भी प्रोफेशनल मैनेजमेंट, डायवर्सिफिकेशन और फ्लेक्सिबिलिटी का फायदा मिल पाता है, लेकिन अपने लिए सही म्यूचुअल फंड का सेलेक्शन करते समय केवल पिछले रिटर्न को देखना ही काफी नहीं होता। सही फंड चुनने के लिए कुछ अहम बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि निवेश से बेहतर रिटर्न मिले और रिस्क भी कंट्रोल में रहे। सबसे पहले अपनी रिस्क क्षमता को देखते हुए लक्ष्य तय करें। इसके बाद ही निवेश के इस समर में उतरे। अगर इन जरूरी बातों पर ध्यान नहीं दिया तो सही फंड चुनने में चूक हो सकती है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अपना फाइनेंशियल गोल तय करें

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि आप निवेश क्यों कर रहे हैं। घर खरीदने के लिए, बच्चों की पढ़ाई के लिए, रिटायरमेंट प्लान करने के लिए या फिर एसेट्स बनाने के लिए। अगर आपका निवेश का लक्ष्य साफ होगा, तो आपके लिए यह तय करना भी आसान हो जाएगा कि आपके लिए किस तरह का फंड बेहतर रहेगा। मिसाल के तौर पर अगर आपका लक्ष्य लंबी अवधि का है, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जबकि रिटायरमेंट में ज्यादा वक्त नहीं बचा है

रिस्क लेने की क्षमता और इनवेस्टमेंट होराइजन

हर म्यूचुअल फंड का रिस्क लेवल अलग होता है। इक्विटी फंड ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं, जबकि डेट या हाइब्रिड फंड ज्यादा स्टेबल रिटर्न देते हैं। आपकी रिस्क लेने की क्षमता आपकी उम्र, आमदनी और वित्तीय जिम्मेदारियों के हिसाब से भी तय होती है। साथ ही यह भी सोचें कि आपको पैसों की जरूरत कितने समय बाद पड़ेगी। अगर आपका लक्ष्य कुछ साल दूर है, तो इक्विटी में निवेश कर सकते हैं, लेकिन शॉर्ट टर्म के लिए डेट या लिक्विड फंड ज्यादा अच्छे माने जाते हैं।

म्यूचुअल फंड की कैटेगरी को समझें

म्यूचुअल फंड्स की कई कैटेगरी हैं। मिसाल के तौर पर इक्विटी, डेट, हाइब्रिड, इंडेक्स, सेक्टोरल, ईएलएसएस वगैरह। हर फंड कैटेगरी की खूबियां अलग-अलग होती हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि कौन-सा फंड किस तरह की जरूरत के लिए बना है। फंड एक्टिव है या पैसिव, यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि इससे निवेश की रणनीति बदल सकती है।

पिछला ट्रैक रिकॉर्ड जरूर चेक करें

म्यूचुअल फंड्स के पिछले रिटर्न भविष्य की गारंटी नहीं देते, लेकिन यह जरूर बताते हैं कि किसी फंड ने बाजार के अलग-अलग साइकल या हालात में कैसा प्रदर्शन किया है। किसी फंड के तीन, पांच और सात साल के औसत रिटर्न की तुलना स्कीम के बेंचमार्क इंडेक्स और कैटेगरी एवरेज से करने पर उसके प्रदर्शन का काफी-कुछ अंदाजा लगाया जा सकता है।

फंड का पोर्टफोलियो देखें

कोई फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहा है, यह जानना भी जरूरी है। इससे पता चलता है कि फंड मैनेजर की इनवेस्टमेंट फिलॉसफी क्या है और यह आपके जोखिम प्रोफाइल से मेल खाती है या नहीं। मिसाल के तौर पर लार्ज कैप स्टॉक्स में ज्यादा निवेश करने वाले फंड, मिड कैप या स्मॉल कैप में ज्यादा इनवेस्ट करने वाली स्कीम के मुकाबले कम रिस्क वाले हो सकते हैं।

फंड मैनेजर का पिछला ट्रैक रिकॉर्ड

म्यूचुअल फंड्स में फंड मैनेजर की भूमिका बहुत अहम होती है। उनका अनुभव और ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि वे बाजार की चाल को कितना समझते हैं और निवेशकों के पैसों को संभालने में कितने माहिर हैं। यह भी देखें कि जिस फंड में आप निवेश करना चाहते हैं, उसके फंड मैनेजर कितने अनुभवी हैं।

निवेश के खर्च पर भी गौर करें

किसी फंड में निवेश करने पर कितना खर्च आता है, यह उसके एक्सपेंस रेशियो से पता चलता है. अगर यह ज्यादा है तो आपकी कमाई पर असर पड़ सकता है। एक्टिव फंड्स में यह रेशियो कुछ अधिक हो सकता है, लेकिन पैसिव या इंडेक्स फंड्स में इसे कम ही रहना चाहिए. साथ ही डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो भी उसी स्कीम के रेगुलर प्लान से कम होता है।

एग्जिट लोड व लॉक-इन पीरियड को समझें

कुछ फंड्स में तय समय से पहले पैसे निकालने पर एग्जिट लोड लगता है। ईएलएसएस जैसे फंड में 3 साल का लॉक-इन पीरियड होता है। कुछ फंड्स में यह 5 साल भी हो सकता है। इसलिए निवेश से पहले यह जानना जरूरी है कि आप जरूर पड़ने पर अपने पैसे कितनी जल्दी निकाल सकते हैं और उसका खर्च कितना होगा।

टैक्स के असर को भी जानें

इक्विटी और डेट फंड्स पर टैक्स की दरें अलग-अलग होती हैं। लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म के टैक्स रेट भी अलग होते हैं। निवेश का फैसला करते समय टैक्स इम्पैक्ट को ध्यान में रखें ताकि नेट रिटर्न का सही कैलकुलेशन हो सके।

फंड हाउस का पुराना प्रदर्शन भी देखें

जिस एसेट मैनेजमेंट कंपनी से फंड जुड़ा है, उसकी क्रेडिबिलिटी और पिछले इतिहास को जानना भी जरूरी है। एक मजबूत और भरोसेमंद एएमसी आपके पैसों को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकता है। म्यूचुअल फंड में निवेश से अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसके लिए आंख बंद करके किसी भी फंड में पैसा न लगाएं। अपनी जरूरत, रिस्क लेने की क्षमता और इनवेस्टमेंट होराइजन को समझें और ऊपर बताए गए हर प्वाइंट को ध्यान में रखकर फैसला करें। अगर जरूरत हो तो किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह भी लें।

स्वास्थ्य बीमा में ईएमआई के लाभ: कवरेज को और किफायती बनाएं

■ईएमआई भुगतान विकल्प के साथ स्वास्थ्य बीमा खरीदना करना ज़्यादा सुविधाजनक ■ पॉलिसीधारक छोटी, ज़्यादा सुलभ किश्तों में प्रीमियम का भुगतान कर पाने में होते हैं सक्षम ■ मिलती है मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक भुगतान माध्यम चुनने की सुविधा

जानकारी
भास्कर नेरुरकर

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में, स्वास्थ्य समस्याएं और बढ़ते मेडिकल खर्चे व्यक्तियों और परिवारों दोनों के लिए एक आम समस्या बन गए हैं। हेल्थकेयर की बढ़ती लागत के चलते, बहुत से लोगों के लिए कॉम्प्रिहेंसिव स्वास्थ्य बीमा कवरेज खरीदना पहले से ज़्यादा मुश्किल हो गया है। सुलभता और किफायत को बढ़ाने के लिए, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) ने 2019 में यह नियम बनाया कि बीमा प्रीमियम का भुगतान एकमुश्त करने के बजाय, बीमा कंपनियां पॉलिसीधारकों को ईएमआई (समान मासिक किश्तों) में प्रीमियम चुकाने का विकल्प दें। इससे लोगों के लिए अपने खर्चों को बजट में लाना आसान हो जाएगा और यह सुनिश्चित होगा है कि उनके पास अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों से सुरक्षा के लिए निरंतर स्वास्थ्य कवरेज हो। ईएमआई भुगतान विकल्प के साथ स्वास्थ्य बीमा खरीदना करना ज़्यादा सुविधाजनक हो जाता है, जिससे पॉलिसीधारक छोटी, ज़्यादा सुलभ किश्तों में प्रीमियम का भुगतान कर पाते हैं।

ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा आपको एक बार में पूरी राशि का भुगतान करने के बजाय, मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक भुगतान माध्यम चुनने की सुविधा देता है, जिससे अपना बजट बनाना आपके लिए आसान हो जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपका वार्षिक प्रीमियम 36,000 रुपये है, तो फाइनेंशियल बाधाओं की वजह से पूरी राशि का एकमुश्त भुगतान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ईएमआई भुगतान के ज़रिए, आप 3,000 रुपये की 12 किश्तों में भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं या पूरी राशि को त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक किश्तों में बांटकर भुगतान कर सकते हैं, जिससे आपको लगातार कवरेज भी मिलती है और आपकी फाइनेंशियल स्थिरता भी बनी रहती है। यह तरीका पॉलिसीधारकों को एक बार में बड़े खर्चों से बचने में मदद करता है, जिससे स्वास्थ्य बीमा प्राप्त करना और मैनेज करना आसान हो जाता है। ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा लेने से कई लाभ मिलते हैं, जो हेल्थकेयर कवरेज प्राप्त करना आसान और सुविधाजनक बनाते हैं. यहां कुछ प्रमुख लाभ दिए गए हैं।

उच्च कवरेज का एक्सेस

एक अच्छा स्वास्थ्य बीमा प्लान होना बहुत ज़रूरी है, लेकिन कई बार इसकी लागत आपके लिए चिंता का विषय हो सकती है। ईएमआई का विकल्प चुनकर, आप उच्च कवरेज वाले प्लान खरीद सकते हैं। जो कि विशेष रूप से हृदय रोग, कैंसर, किडनी फेलियर या न्यूरोलॉजिकल विकार जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने में मददगार होते हैं। इन बीमारियों का इलाज महंगा हो सकता है, जिसमें लंबे समय तक मेडिकल केयर, सर्जरी और महंगी दवाओं की आवश्यकता होती है। ईएमआई प्लान के साथ, आप उन गंभीर बीमारियों को कवर करने वाली बीमा पॉलिसी चुन सकते हैं, जिनके लिए एकमुश्त भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे कठिन समय में आपके और आपके परिवार के लिए फाइनेंशियल सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

सीनियर सिटीज़न और रिटायर हो चुके लोगों के लिए उपयुक्त

जैसे-जैसे व्यक्ति की आयु बढ़ती है, स्वास्थ्य बीमा और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, लेकिन आयु से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों के कारण कवरेज की लागत अधिक हो सकती है. सीनियर सिटीज़न और रिटायर हुए लोगों के लिए, बीमा के लिए बड़ी राशि का एकमुश्त भुगतान चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासतौर पर तब जब उनकी आय एक निश्चित राशि तक ही सीमित हो। ऐसी स्थिति में ईएमआई प्लान सहायक बन जाते हैं। सुविधाजनक भुगतान विकल्पों के साथ, वे सही पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं जो फाइनेंशियल स्थिरता बनाए रखते हुए उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा करती है।

ज़्यादा किफायती

बीमा के लिए एक बड़ी राशि का भुगतान करना कभी-कभी आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। ऐसे में ईएमआई प्लान मददगार साबित होते हैं -वे खर्च को छोटे, आसान भुगतानों में बांटते हैं, जिससे हर किसी के लिए बीमा लेना ज़्यादा किफायती हो जाता है। वार्षिक प्रीमियम का एक बार में भुगतान करके परेशान होने की बजाय, आप आसान किश्तों में भुगतान कर सकते हैं, जिससे आपका आर्थिक दबाव कम हो सकता है। उदाहरण के लिए, कॉम्प्रिहेंसिव पॉलिसी के लिए एक बार में 50,000 रुपये का भुगतान करने के बजाय, आप एक वर्ष के लिए प्रति माह लगभग 4,167 रुपये का भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं।

परेशानियों को कम करते हैं ऑटोमैटिक भुगतान

कभी-कभी बीमा प्रीमियम का भुगतान करना मुश्किल हो सकता है, खासतौर पर जब आप जीवन में व्यस्त हो जाते हैं। इसलिए कई बीमा कंपनियां ईएमआई भुगतान के लिए ऑटो-डेबिट विकल्प प्रदान करती हैं, जिससे प्रीमियम का भुगतान करना आसान हो जाता है और यह सुनिश्चित होता है कि आपकी पॉलिसी जारी रहे. ऑटो-डेबिट सुविधा के साथ, आपकी चुनी गई आवृत्ति, जैसे मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक या वार्षिक के आधार पर, आपका बीमा प्रीमियम ऑटोमैटिक रूप से आपके बैंक अकाउंट से काटा जाता है।

टैक्स लाभ : स्वास्थ्य बीमा न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि टैक्स लाभ भी प्रदान करता है, जो आपको पैसे बचाने में मदद कर सकता है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर खर्च किए गए पैसे पर कटौती का क्लेम कर सकते हैं। यह आपकी टैक्स योग्य आय को कम करता है, जिससे आपका देय टैक्स भी कम हो जाता है। स्वयं, पति/पत्नी, बच्चों और आश्रित माता-पिता के लिए चुकाए गए प्रीमियम पर यह कटौती लागू होती है। अगर आप प्रीमियम का भुगतान ईएमआई पर करना चुनते हैं, तो आपको टैक्स लाभ भी मिलेंगे और छोटे भुगतानों की सुविधा भी। टैक्स फाइल करते समय कटौती का क्लेम करने के लिए, सभी भुगतानों की रसीदें और पॉलिसी डॉक्यूमेंट को प्रमाण के रूप में ज़रूर रखें।

स्मार्ट और सुविधाजनक विकल्प : ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा उन व्यक्तियों और परिवारों के लिए एक स्मार्ट और सुविधाजनक विकल्प है, जो एक बार में बड़ी राशि का भुगतान किए बिना कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थकेयर कवरेज चाहते हैं। शुरुआत करने के लिए, अपनी हेल्थकेयर की आवश्यकताओं का आकलन करें और विभिन्न बीमा प्लान्स के बारे में जानें। नियम और शर्तों को समझें और अपने बजट के अनुसार भुगतान की आवृति चुनें। पता लगाएं कि क्या कोई अतिरिक्त शुल्क लग रहा है, पॉलिसी की कवरेज में क्या शामिल है और क्लेम कैसे करते हैं, ताकि बाद में कोई समस्या न हो। सही स्वास्थ्य बीमा प्लान और किफायती ईएमआई आपको लंबे समय के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा, फाइनेंशियल सुरक्षा और मन की शांति प्रदान करते हैं। याद रखें, आज सही विकल्प चुनने से आपको भविष्य में मेडिकल एमरजेंसी के दौरान फाइनेंशियल तनाव से बचने में मदद मिल सकती है।

(लेखक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम के हेड हैं।)

सोने में लौट रहा निवेशकों का भरोसा

गोल्ड ईटीएफ ने 5 वर्ष में दिया बड़ा मुनाफा

विकल्प | बिजनेस डेस्क

अगर आपने पिछले 5 सालों में हर महीने सिर्फ 10,000 रुपये गोल्ड ईटीएफ में लगाए होते, तो आज आपकी रकम करीब 10 लाख हो चुकी होती! एक रिपोर्ट के मुताबिक, येलो कमोडिटी यानी गोल्ड पर बेस्ड ईटीएफ ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, एलआईसी एमएफ गोल्ड ईटीएफ में 10,000 रुपये की मंथली एसआईपी से कुल 6 लाख रुपये का निवेश करके 5 साल में 9.93 लाख रुपये तक का फंड तैयार किया है। इस दौरान इसका एक्सआईआरआर 20.93% रहा। इगोवहीं, यूटीआई गोल्ड ईटीएफ ने भी 9.92 लाख का रिटर्न दिया, जिसमें एक्सआईआरआर 20.87% रहा। कुल मिलाकर, गोल्ड ईटीएफ ने यह दिखा दिया है कि अगर आप अनुशासित तरीके से एसआईपी करते हैं, तो आपको बेहतर रिटर्न मिल सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मई 2025 में गोल्ड ईटीएफ में कुल 291 करोड़ रुपये का निवेश आया है। इससे पता चलता है कि गोल्ड में निवेशकों को भरोसा लौट रहा है।

सोना निवेश का भरासेमंद विकल्प

मई 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 291 करोड़ की नया निवेश हुआ। एक्सपर्ट का मानना है कि सोने की मजबूत कीमत और दुनिया भर की अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का सोने में फिर से भरोसा बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि सोना अब भी एक सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश का ऑप्शन बना हुआ है। जानकारों के मुताबिक निवेशक फिर से सोने पर भरोसा कर रहे हैं क्योंकि सोना शेयर और बॉन्ड बाजार की अस्थिरता के बीच एक सुरक्षित जगह माना जाता है। मई महीने में सोने की कीमतें ज्यादा बदल नहीं हुईं, जिससे निवेशकों के लिए यह सही समय था कि वे अपने पैसे सुरक्षित जगह लगाएं या अपने निवेश का संतुलन ठीक करें। इसलिए अब ज्यादा लोग सोने में निवेश कर रहे हैं।

भारतीय स्टेट बैंक
शाखा– गृह ऋण केन्द्र (एच.एल.सी.) फर्स्ट फ्लोर, एसबीआई मेन ब्रांच, सिविल लाईन, जबलपुर फोन: 0761-2628641, 2628632

चल सम्पत्ति (वाहन) के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा निम्नलिखित वाहन का जहां है, जैसा है, जो है के आधार पर विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

ई-नीलामी की तिथि- 20.07.2025 समयः प्रातः 11.00 से सायं 3.00 बजे तक, प्रत्येक 10 मिनिट के असीमित विस्तार के साथ

क्रं.	ऋणी	चल सम्पत्ति (वाहन) का विवरण	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि
1.	ऋणी – श्री मयूर मंगलानी गौली मोहल्ला, वार्ड नं.15 काली मंदिर, बालाघाट पिन – 481001	निर्माताः Maruti Suzuki मॉडल- Maruti Alto K10 VXI (O) रजिस्ट्रेशन नं. – MP50-ZF-1533 इंजन नं. – K10CNF026363 चेसिस नं.– MA3SFM61SRJ330492 निर्माण वर्ष- 2024, कलर- Superior White 26U प्रोप. आईडी – SBIN786993218710	रू. 4,01,000/-	रू. 40,100/-

वाहन निरीक्षण स्थल- भारतीय स्टेट बैंक, शाखा- गृह ऋण केन्द्र (एच.एल.सी.) फर्स्ट फ्लोर, एस. बी. आई. मेन ब्रांच, सिविल लाईन, जबलपुर

नियम एवं शर्तें- बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के प्रावधान के तहत निष्पादित की जाएगी और निम्नलिखित शर्तों को संकलित किया जाना है। (1) संपत्तियों को ''जैसा है जहां है, जैसा है, जो है और जो है'', के आधार पर बेचा जाएगा। (2) ऊपर उल्लिखित संपत्तियों का विवरण अधिकृत अधिकारी के पास उपलब्ध जानकारी पर आधारित है और घोषणा में दी गई किसी भी त्रुटि, गलती या चूक के लिए अधिकृत अधिकारी जिम्मेदार नहीं होगा। (3) बिक्री की विस्तृत शर्तों के लिए वेबसाइट https://bank-sbi/web/sbi&in-the-news/auction-notices/sarfaesi-and-others; www.sbi.co.in and https://www.baanknet.com/eauction-psb/x-login (4) इच्छुक बोली लगाने वाले को अपना यूजर आईडी और पासवर्ड बनाना होगा जिसे बनाने में कम से कम 2 कार्य दिवस लगते हैं इसलिए बोली लगाने वाले से अनुरोध है कि वे इससे पहले यूजर आईडी बनाएं अंतिम तिथि। (5) बैंक बिना कोई कारण बताए उपरोक्त नोटिस से सभी या किसी भी नीलामी को रोकने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

नोट– यह सूचना उपरोक्त ऋण के कर्जदार/गारंटरों /बंधककर्ताओं को उपरिवर्णित तिथि को इस बिक्री के आयोजन और अन्य विवरण के बारे में नोटिस भी है।

दिनांक - 06/07/2025 स्थान - जबलपुर
प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक, गृह ऋण केन्द्र (एच.एल.सी.) जबलपुर

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD
भोपाल बैक ऑफिस, 6ए–6बी, पहली मंजिल, सूरी आर्केड, गोविंद गार्डन, बिजली नगर के सामने, रायसेन रोड, गोविंदपुरा, भोपाल 462023 दूरभाष. 0755–4063007, 4063008

ई-नीलामी बिक्री नोटिस

चूंकि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एलआईसी एचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओ/गारंटरों को डिमांड नोटिस जारी किया है, जिसमें उनसे उक्त नोटिस में उल्लिखित बकाया राशि चुकाने का आह्वान किया गया है। तथापि, ऋणी/बंधककर्ता/गारंटर उक्त देय राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं।

अतः नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) और धारा 14 के साथ नियम 8 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भौतिक कब्जा ले लिया है। यह सूचना आम जनता को तथा विशेष रूप से ऋणी(ओं)/ गारंटर(ओं) को दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति एलआईसी एचएफएल के पास बंधक रखी गई है, जिसका कब्जा एलआईसी एचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है तथा इसे "जहां है जैसा है", "जो है जैसा है" तथा "जो कुछ भी है" के आधार पर तथा बिना किसी सहारा के आधार पर दिनांक **20.08.2025** को नीचे दिए गए संक्षिप्त विवरण के अनुसार बेचा जाएगा।

संपत्ति 1 श्री मुकेश कुमार बिरहा (आवेदक), श्रीमती रमा बिरहा (सह–आवेदक) और श्री विनोद (गारंटर) ऋण संख्या – 120500018808

संपत्ति का विवरण

संपत्ति का पूरा विवरण प्लॉट नंबर 48, बालाजी प्रीमियम, मौजा सोरतलाई, खसरा नंबर 83/1 का हिस्सा, पटवारी हल्का नंबर 75, कटंगी रोड, जबलपुर, 482007, म.प्र.

मांग सूचना तिथि: 27.11.2024	ACCOUNT DETAILS
मांग राशि: रु. **16,78,474.35** + ब्याज व अन्य खर्चे सहित	
भौतिक कब्जे की तिथि – 04.07.2025	Beneficiary Name: LIC Housing Finance Ltd.
निश्चित आरक्षित मूल्य - **17,00,000 /-** (केवल सत्रह लाख रुपए)	Bank: Axis Bank, Centralised Collection Hub
ईएमडी रु. **1,70,000 /-** (केवल एक लाख सत्तर हजार रुपए)	Account No: LHBP120500018808
20.08.2025 तक देय कुल राशि – रु. **18,06,027.30/-**	IFSC Code: UTIB0CCH274
Website of E-Auction: https://www.auctionbazaar.com	auctionbazaar.com
संपत्ति दस्तावेजों की फोटोकॉपी के निरीक्षण की तिथि और समय: **18.08.2025** दोपहर 01:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक	नीलामी की तिथि एवं समय अवधि: 21.07.2025 दोपहर 12:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक संपत्ति का पता जहां दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा सकता है एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड,18, सिविक सेंटर, खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स, प्रभु वंदना टॉकीज, मरहाताल, जबलपुर 482001 (म.प्र.)
संपत्ति का निरीक्षण	**18.08.2025** दोपहर 01:00 बजे से 3:00 बजे तक
संपर्क व्यक्तिः पवन निगम	संपर्क विवरण : **8349973965**
सेवा प्रदाता से ई–नीलामी का संपर्क विवरण	ARCA EMART PVT LTD (www.auctionbazaar.com) 6–3–1090/1/1, दूसरी मंजिल, भाग बी, उमा हैदराबाद हाउस राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद – 500082, तेलंगाना, भारत, Email: contact@auctionbazaar.com/, डिस्पोजल. central@auctionbazaar.com & 7799830999 / 8370969696
ऑनलाइन निविदा / बोली जमा करने की अंतिम तिथि	**19.08.2025** और शाम 5:00 बजे से पहले
ई–नीलामी तिथि	**20.08.2025** दोपहर 12:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक

'नीलामी के अन्य सभी नियम व शर्तें आधिकारिक वेबसाइट https://online.lichousing.com/eauction/ पर अनुलग्नक 2 के रूप में उल्लिखित हैं।

दिनांक : 06.07.2025
स्थान : जबलपुर
आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म.प्र.)

NIT NO. 16/2025/Centralized Tender/G/CE(B) JABALPUR, DATED - 30.06.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत पी. ए. सी. (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय वर्षाकाल सहित	कार्यालय का नाम जहाँ ई.एम.डी एवं बिड प्राप्त की जावेगी।	निविदा की श्रेणी / निविदा काल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWPIU _434436__1	मण्डला जिले में ठेकेदार द्वारा छोड़े गए अपूर्ण शेष कार्य / परफार्मेंस गारंटी अंतर्गत सुधार आदि (सिविल व विद्युत) कार्यों हेतु जोनल निविदा (द्वितीय आमंत्रण)	90.00	90000/-	10000/-	12 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि. परिक्षेत्र-जबलपुर	लोक निर्माण विभाग में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (द्वितीय आमंत्रण)

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किए जा सकेंगे। 2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट / कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 0207-2025 समय 9.00 बजे से दिनांक 16.07.2025 समय 18.00 बजे तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है 4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किए जाएंगे, पृथक से सामाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन).
लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म. प्र.)

G-15186/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि आपातकाल के दौरान संविधान संशोधन कर प्रस्तावना में जोड़े गए शब्द समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष के विलोपन को लेकर बहस होनी चाहिए। समर्थन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि 'संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया, जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमता के साथ विश्वासघात है। देश में वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था, वर्ष 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिये संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी व धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े गए थे। यूं संविधान में मूल अधिकार से नीति निर्देशक तत्व तक प्रकृति में समाजवादी व धर्मनिरपेक्षता की भावना उद्धृत है। संविधान सभा में चर्चा के दौरान इन दोनों शब्दों को लेकर डा. आंबेडकर का मानना था कि संविधान को एक ऐसे दस्तावेज के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, जो देश की भावी पीढ़ियों पर एक विशेष प्रकार का सामाजिक दर्शन या आर्थिक विचारधारा थोपता हो। पश्चिम का अंधानुकरण करते हुए धर्मनिरपेक्षता को संविधान की प्रस्तावना में सम्मिलित करना न्यायसंगत नहीं है। नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को प्रस्तावना से हटाने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। आजकल में पेश है एक विश्लेषण...

आपातकाल में संविधान-संशोधन का औचित्य

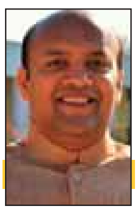

विश्लेषण
प्रणय कुमार
शिक्षाविद एवं वरिष्ठ स्तंभकार

लोकसभा से 2 नवंबर 1976, राज्यसभा से 11 नवंबर, 1976 को 42वां संविधान संशोधन विधेयक पारित करा, 3 जनवरी 1977, को आनन-फानन में उसे लागू कर दिया गया। उस संशोधन के अन्तर्गत संविधान की मूल आत्मा यानी प्रस्तावना में परिवर्तन करते हुए 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्द बिना किसी चर्चा के जोड़ दिए गए। सामान्यतः प्रस्तावना को अपरिवर्तनीय माना जाता है, क्योंकि वह संविधान की नींव या आधार मानी जाती है। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले यदि संविधान की मूल भावना व आपातकाल की भूलों पर पुनर्विचार की बात करते हैं, तो उसे आलोचना नहीं, बल्कि विमर्श की स्वस्थ भारतीय परंपरा व आत्मावलोकन के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत न केवल विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, अपितु वह लोकतंत्र की जननी है। लोकतंत्र भारत की आत्मा है। वह आम भारतीयों की सांसों और संस्कारों में रचा-बसा है। भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं अवधारणाओं का विकास 1215 ई. में जारी किए गए इंग्लैंड के कानूनी परिपत्र मैग्ना कार्टा से नहीं, अपितु सहयोग, समन्वय एवं सह-अस्तित्व पर आधारित प्राचीन एवं सनातन सांस्कृतिक विचार-प्रवाह एवं जीवन-दर्शन से हुआ है। इस देश में लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली मात्र नहीं, बल्कि वह सहस्त्राब्दियों के अनुभव और इतिहास से सिंचित-निर्मित भेद में एकत्व और विरुद्धों में सामंजस्य देखने वाली जीवन-शैली व जीवन-दृष्टि है। इंग्लैंड अथवा अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों की तुलना में भारत की लोकतांत्रिक जड़ें कहीं ज्यादा गहरी हैं।

इतनी गहरी कि उसने भिन्न-भिन्न मान्यताओं, विश्वासों, जीवन-पद्धत्तियों को न केवल स्वीकार किया, बल्कि उनकी विविधता में सौंदर्य देखने की अंतर्दृष्टि भी विकसित की। एक ऐसी अंतर्दृष्टि जो केवल सहिष्णुता में नहीं, सह-अस्तित्व में विश्वास रखती है। सहिष्णुता में जबरन या किसी विवशता में एक-दूसरे को सहने की भावना व्यक्त होती है, जबकि सह-अस्तित्व में पारस्परिक समझ से विकसित स्वीकार की भावना परिलक्षित होती है। सह-अस्तित्व एवं वैविध्य में एकत्व देखने वाली यही अंतर्दृष्टि सनातन भारत की मौलिक विशेषता एवं सहस्त्राब्दियों से चली आ रही समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। इस अविच्छिन्न एवं अविरल लोकतांत्रिक धारा को निरकुंश सत्ता द्वारा केवल एक बार अवरुद्ध करने की चेष्टा की गई, वह भी स्वतंत्र भारत में। परंतु लोकतंत्र में गहरी आस्था रखने वाले भारतीय जन-मन ने उसे सिरे से खारिज़ कर दिया।

हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। एक ऐसा फैसला, जो भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 'न भूतो, न भविष्यति' की प्रकृति का था। 1971 के आम चुनाव में रायबरेली से इंदिरा गांधी के विरुद्ध चुनाव लड़ने वाले समाजवादी नेता राजनारायण ने उन पर सरकारी तंत्र व संसाधनों का व्यापक पैमाने पर दुरुपयोग करने तथा भ्रष्ट तरीके से चुनाव जीतने का आरोप लगाया। उपलब्ध साक्ष्यों एवं विधिक दलीलों के आधार पर न्यायालय ने इसे सही पाया। न्यायालय ने यह पाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा चुनाव जीतने के लिए चुनाव आचार संहिता और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन किया गया है। सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने के कारण 12 जून 1975 को धारा 123 (7) के तहत इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिरा गांधी के निर्वाचन को रद कर दिया और उन्हें अगले 6 वर्षों तक चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। इस फैसले के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय से भी उन्हें राहत नहीं मिली। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वीआर कृष्ण अय्यर ने इंदिरा गांधी की सदस्यता तो बरकरार रखी, लेकिन संसद में बहस करने तथा वोट देने के अधिकार से उन्हें वंचित कर दिया।

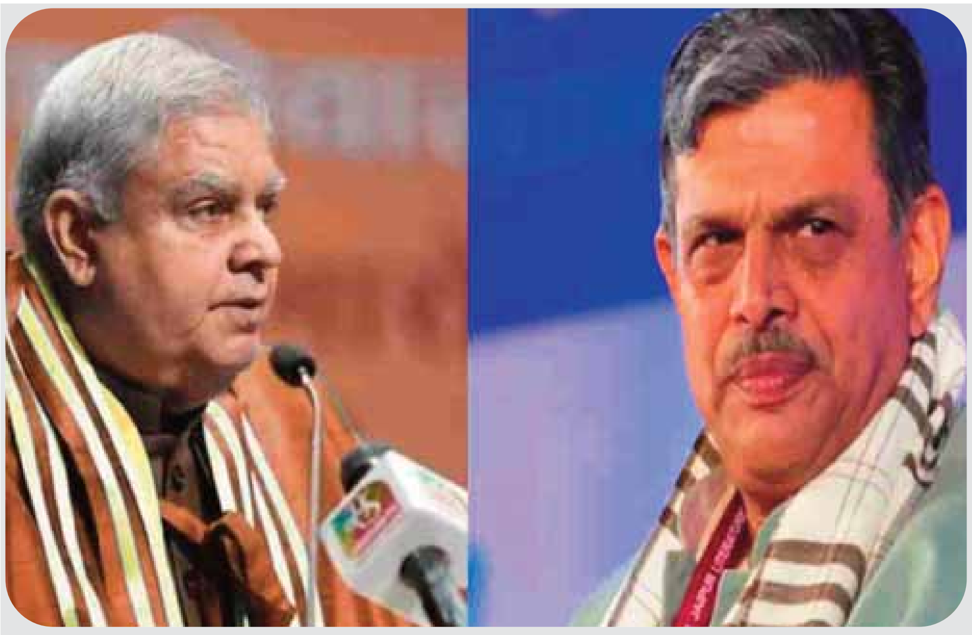

इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोपा

लोकतांत्रिक परंपराओं और नैतिकता का तकाज़ा तो यह था कि इंदिरा गांधी को अपने पद से त्यागपत्र देकर न्यायालय के निर्णय का सम्मान करना चाहिए था, परंतु उन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटते हुए 25 जून, 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया। आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के लिए कलंक का एक ऐसा काला दौर रहा, जिसमें संवैधानिक नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई गईं। सब प्रकार के मौलिक अधिकारों को निरस्त कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली गई, शासन ने निरंकुशता की सारी हदें लांघते हुए न केवल राजनीतिक विरोधियों पर, बल्कि आम जनमानस पर भी अन्याय-अत्याचार के भयानक कहर बरपाए, अभिव्यक्ति की आजादी तो दूर, जीने तक की स्वतंत्रता संकट में पड़ गई। आपातकाल का विरोध करने वाले कई शख्सियतों को सरकारी उत्पीड़न व अत्याचार के कारण प्राण गंवाने पड़े। कर्नाटक की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री स्नेहलता रेड्डी तथा संघ के तत्कालीन अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख पांडुरंगपंत क्षीरसागर भी उनमें से एक थे। प्रसिद्ध समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस के भाई लॉरेंस फर्नांडिस को पुलिस ने कैद में इतनी यातनाएं दीं कि अगले कई महीने तक वे चलने-फिरने के काबिल नहीं रहे। हजारों-लाखों लोग अकारण जेल में ठूंस दिए गए, उनकी संख्या इतनी अधिक थी कि विद्यालयों-विश्वविद्यालयों एवं सरकारी भवनों तक को जेल की अस्थाई काल-कोठरी में तब्दील करना पड़ा।

संविधान में मनमाने परिवर्तन किए गए

विरोधी विचारधारा वाली तमिलनाडु और गुजरात की सरकारें बर्खास्त कर दी गईं। भारत की सदियों पुरानी परंपरा और संविधान-सभा की सम्मति व निष्कर्ष के विरुद्ध जाकर संविधान में मनमाने परिवर्तन कर दिए गए। येन-केन-प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा का कार्यकाल 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष का कर दिया गया। न्यायालयों के अधिकार सीमित कर दिए गए। विपक्ष विहीन संसद में लोकसभा से 2 नवंबर 1976, राज्यसभा से 11 नवंबर, 1976 को 42वां संविधान संशोधन विधेयक पारित करा, 3 जनवरी 1977, को आनन-फानन में उसे लागू कर दिया गया।

यहां तक कि उस संशोधन के अन्तर्गत संविधान की मूल आत्मा यानी प्रस्तावना में परिवर्तन करते हुए 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्द बिना किसी चर्चा के जोड़ दिए गए। सामान्यतः प्रस्तावना को अपरिवर्तनीय माना जाता है, क्योंकि वह संविधान की नींव या आधार मानी जाती है। उल्लेखनीय है कि संविधान-सभा (1946-10949) की बैठकों में 'धर्मनिरपेक्ष (सेकुलर)' और 'समाजवादी' शब्द को सम्मिलित करने को लेकर पर्याप्त चर्चा हुई थी।

संविधान-सभा के सदस्य खुशाल तालाक्षी शाह यानी केटी शाह ने प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्द जोड़ने का संशोधन रखा था। उन्होंने नवंबर और दिसंबर 1948 सहित तीन बार इन शब्दों को प्रस्तावना में शामिल करने की वकालत की। उनकी मांग थी कि अनुच्छेद 1 में यह उल्लखित हो कि 'भारत एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय व समाजवादी राज्यों का संघ है।' परंतु संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं संविधान-सभा के अन्य अनेक सदस्यों ने ठोस तर्कों व दृष्टांतों के आधार पर न केवल इसे अस्वीकृत कर दिया, अपितु इसे अनावश्यक एवं भारतीय परंपरा-संस्कृति के प्रतिकूल बताया।

संविधान-संशोधन के प्रस्ताव का विरोध

डॉ. आंबेडकर का मानना था कि संविधान को एक ऐसे दस्तावेज के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, जो देश की भावी पीढ़ियों पर एक विशेष प्रकार का सामाजिक दर्शन या आर्थिक विचारधारा थोपता हो। उन्होंने केटी शाह के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं, जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं करना चाहिए।' उनके अनुसार, भारत के संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद जैसी विचारधारा को संहिताबद्ध कर देने से भविष्य की पीढ़ियों द्वारा अपना रास्ता स्वयं चुनने की स्वतंत्रता बाधित और प्रतिबंधित होगी, जो एक जीवंत, गतिशील एवं उत्तरदायी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अनुचित एवं अव्यावहारिक है। उन्होंने 'समाजवादी' शब्द की अप्रासंगिकता सिद्ध करते हुए कहा था कि राज्य के नीति निदेशक तत्त्व में समानता, शोषणमुक्त और श्रम को सम्मान देने वाले प्रावधानों की प्रचुरता है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 31 की ओर संकेत करते हुए कहा कि इसमें धन के संकेंद्रण को रोकने और समान काम के लिए समान वेतन की रूपरेखा दी गई है, जो प्रकारांतर से एक समाजवादी प्रावधान ही है।

'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' का मुद्दा

उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा था, 'यदि ये निर्देशक सिद्धांत.......अपनी दिशा और विषयवस्तु में समाजवादी नहीं हैं तो मैं यह नहीं समझ पा रहा हूँ कि समाजवाद और क्या हो सकता है! 'समाजवाद' की तरह ही संविधान-सभा के अधिकतम सदस्य 'धर्मनिरपेक्षता' को प्रस्तावना में सम्मिलित किए जाने के पक्ष में नहीं थे। डॉ. आंबेडकर, अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, सी राजगोपालाचारी, स्वयं जवाहरलाल नेहरू जैसे तमाम सदस्य इसके विरुद्ध थे। डॉ. आंबेडकर का कहना था कि धर्मनिरपेक्षता के विचारों को विभिन्न अनुच्छेदों में लागू किया गया है, जो धार्मिक स्वतंत्रता और राज्य के किसी विशेष धर्म के साथ गैर-संरेखण (नॉन एलाइनमेंट) से संबंधित थे।

मसलन अनुच्छेद 19, अनुच्छेद 16 आदि धर्म के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव को प्रतिबंधित करते हैं। जवाहरलाल नेहरू समेत संविधान-सभा के अधिकतम सदस्यों में इस बात को लेकर आम सहमति थी कि धर्मनिरपेक्षता (सेकुलरिज्म) पश्चिम या यूरोप से आयातित विचार है, जो मुख्य रूप से वहां की धार्मिक सत्ता (चर्च) व राज्यसत्ता (स्टेट) के बीच हुए शक्ति-संघर्ष की कोख से उपजा है। भारत में इन दोनों सत्ताओं के मध्य संघर्ष का कोई इतिहास नहीं मिलता।

आपातकाल की भूलों पर पुनर्विचार की बात

भारत की सनातन परंपरा में धर्म - किसी पंथ, संप्रदाय, मजहब या रिलीजन से परे - एक सार्वभौमिक व उदार अवधारणा है। धर्म का अर्थ है - मनुष्यता के लिए धारण करने योग्य तत्त्व। जबकि अब्राहमिक मत (ईसाई, इस्लाम, यहूदी) मज़हब या रिलीजन की उस परिभाषा में बंधे हैं, जहां केवल एक ग्रंथ, एक पैगंबर, एक सत्य की बात होती है और अन्य को अस्वीकार किया जाता है। यह सोच संघर्ष, श्रेष्ठताबोध और असहिष्णुता को जन्म देती है। पश्चिम का अंधानुकरण करते हुए धर्मनिरपेक्षता को संविधान की प्रस्तावना में सम्मिलित करना न्यायसंगत नहीं है। अतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले यदि संविधान की मूल भावना व आपातकाल की भूलों पर पुनर्विचार की बात करते हैं, तो उसे आलोचना नहीं, बल्कि विमर्श की स्वस्थ भारतीय परंपरा व आत्मावलोकन के रूप में देखा जाना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र में बहस की पूरी गुंजाइश है, इसका सवागत होना चाहिए।

समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा हो

विमर्श
प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार

आपातकाल में जब भारतीय लोकतंत्र कारागारों में बंधक था, तब 1976 में संविधान की प्रस्तावना में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदलाव किया गया, जिसमें 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द जोड़ दिए गए थे। अब इन शब्दों को विलोपित करने की मांग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उठा दी है। केंद्र सरकार से इन शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने किया है। इस मांग के समर्थन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुर मिलाते हुए कहा कि 'संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया, जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमता के साथ विश्वासघात का संकेत है, जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर थे और उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह बदलाव हजारों वर्षों से इस देश की सभ्यतागत संपदा और ज्ञान को कमतर आंकने के साथ सनातन की भावना का अपमान भी है। प्रस्तावना संविधान का बीज होती है। इसी के आधार पर संविधान की मूल भावना विकसित होती है। भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। अतएव यह बदलाव न्याय का उपहास है।

सनातन संस्कृति और सभ्यता

भारतीय समाज के बहुलतावादी धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए संवैधानिक गणराज्य की नींव रखी थी। इसीलिए मूल संविधान में भारतीय परंपरा, संस्कृति, आध्यात्म जैसे ऊर्जावान तत्वों का समावेश संभव हुआ। तब संविधान निर्माताओं ने सोचा था कि भारत की संस्कृति, संस्कार और सभ्यतामूलक इतिहास के प्रवाह को भी विभिन्न छवियों के द्वारा स्थान मिलना चाहिए। तब उस समय के प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस से आग्रह कर हजारों वर्षों की सांस्कृतिक सभ्यता के चित्रों की संविधान में जीवंत प्रस्तुति संभव हुई। इस क्रम में मोहनजोदड़ों के चित्रों से लेकर वैदिक युग के गुरुकुल हैं। मौलिक अधिकार के अध्याय में प्रभु राम, सीता और लक्ष्मण का चित्र है। चूंकि राम मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ रामराज्य के प्रतीक हैं। इसलिए उनका चित्र तार्किक है। राज्य के नीति-निदेशक तत्व अध्याय में भगवान कृष्ण द्वारा गीता का उपदेश दिए जाने का चित्र है। यह चित्र एक हताश योद्धा को अपने कर्तव्य पालन के प्रति इंगित करता है। भगवान बुद्ध, महावीर, सम्राट विक्रमादित्य और नालंदा विश्वविद्यालय की चर्चा है। शिव के नटराज नृत्य की छवि प्रदर्शित है। इन चित्रों को छापना इसलिए संभव हुआ, क्योंकि संविधान निर्माताओं ने लोकतांत्रिक गणतंत्र के साथ भारतीय सनातन संस्कृति और सभ्यता को जानने पर जोर दिया था। क्या आज के परिप्रेक्ष्य में इन चित्रों का संविधान में प्रदर्शन संभव था?

मूल संविधान की प्रस्तावना

दरअसल स्वतंत्रता के कुछ वर्ष बाद से केवल हिंदू और हिंदुओं से जुड़े प्रतिरोध को धर्मनिरपेक्षता मान लेने की परंपरा सी चल निकली थी। जबकि वास्तविकता तो यह है कि मूल संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और

'समाजवाद' शब्द थे ही नहीं। ये शब्द तो आपातकाल के दौरान 42वां संविधान संशोधन लाकर 'समाजवादी धर्मनिरपेक्ष संविधान अधिनियम 1976' के माध्यम से जोड़े गए थे। आपातकाल के बाद जब जनता दल की केंद्र में सरकार बनी तो यह सरकार 43वां संशोधन विधेयक लाकर सेक्युलरिज्म मसलन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या स्पष्ट करना चाहती थी, प्रस्तावित प्रारूप में इसे स्पष्ट करते हुए वाक्य जोड़ा गया था, 'गणतंत्र शब्द जिसका विशेषण 'धर्मनिरपेक्ष' है का अर्थ है, ऐसा गणतंत्र जिसमें सब धर्मों के लिए समान आदर हो,' लेकिन लोकसभा से इस प्रस्ताव के पारित हो जाने के बावजूद कांग्रेस ने इसे राज्यसभा में गिरा दिया था। अब यह स्पष्ट उस समय के कांग्रेसी ही कह सकते हैं कि धर्मों का समान रूप से आदर करना धर्मनिरपेक्षता क्यों नहीं है? गोया, इसके लाक्षणिक महत्व को दरकिनार कर दिया गया। शायद ऐसा इसलिए किया गया जिससे देश में सांप्रदायिक सद्भाव स्थिर न होने पाए और सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता को अनंतकाल तक वोट की राजनीति के चलते तुष्टिकरण के उपायों के जरिए भुनाया जाता रहे। साथ ही इसका मनमाने ढंग से उपयोग व दुरुपयोग करने की छूट सत्ता-तंत्र को मिली रहे। दुर्भाग्य से हमारे यहां नरेंद्र मोदी सरकार के पहले तक परस्पर तालमेल खंडित होता रहा है। अलगाव और आतंकवाद की अवधारणाएं निरंतर देश की संप्रभुता व अखण्डता के समक्ष खतरा बनकर उभरती रही हैं। राष्ट्रवाद और भारत माता की जय को भी संकीर्ण और अल्प-धार्मिक दृष्टि से देखा जाता रहा है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में वामपंथी मानसिकता के चलते जिस तरह से देश के हजार टुकड़े करने के नारे लगते रहे और उन्हें अभियक्ति की आजादी के परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक ठहराने की कोशिशें हुईं, उस संदर्भ में लगता है कि धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की आजादी के मायने राष्ट्रद्रोह को उकसाने और उन्हें संरक्षित करने के उपाय ही साबित हुए हैं। अतएव इस तरह की विकृतियों को आधार देने वाले संविधान के अनुच्छेदों में बदलाव जरूरी है। भारतीय संविधान जिस नागरिकता को मान्यता देता है, वह एक भ्रम है। सच्चाई यह है कि हमारी नागरिकता भी खासतौर से अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक समुदायों में बंटी हुई है। लिहाजा इसका चरित्र उत्तरोत्तर सांप्रदायिक होता रहा है। हिंदु, मुसलमान और ईसाई भारतीय नागरिक होने का दंभ बढ़ता है। जबकि नागरिकता केवल देशीय मसलन भारतीय होनी चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है,क्योंकि भारत में 4635 समुदाय हैं, जिनमें से 78 प्रतिशत समुदायों की न सिर्फ भाषाई एवं सांस्कृतिक बल्कि सामाजिक श्रेणियां भी हैं। इन समुदायों में 19.4 प्रतिशत धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। गोया, धर्मनिरपेक्षता शब्द को विलोपित किया जाना जरूरी है। वर्तमान में हमारे यहां धर्मनिरपेक्ष शब्द का प्रयोग अंग्रेजी के शब्द 'सेक्युलर' के अर्थ में हो रहा है। अंग्रेजी के ऑक्सफोर्ड शब्दकोश में इसका अर्थ 'ईश्वर' विरोधी दिया है।

संविधान में धर्म की भी व्याख्या नहीं

भारत और इस्लामिक देश ईश्वर विरोधी कतई नहीं हैं। ज्यादातर क्रिश्चियन देश भी ईसाई धर्मावलंबी हैं। हां, बौद्ध धर्मावलंबी चीन और जापान जरूर ऐसे देश हैं, जो धार्मिक आस्था से पहले राष्ट्रप्रेम को प्रमुखता देते हैं। हमारे संविधान की मुश्किल यह भी है कि उसमें धर्म की भी व्याख्या नहीं हुई है। नतीजतन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या को किसी एक इबारत में बांधना असंभव है। इसीलिए श्रीमद्भागवत गीता में जब यक्ष धर्म को जानने की दृष्टि से प्रश्न करते हैं तो धर्मराज युधिष्ठिर का उत्तर होता है, 'तर्क कहीं स्थिर नहीं हैं, श्रुतियां भी भिन्न-भिन्न हैं। अतएव धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्दों को संविधान की प्रस्तावना से विलोपित करके उसे मूल स्वरूप में लाने की जरूरत है।

मूल प्रस्तावना को बहाल करने की मंशा

दो टूक
रवि शंकर
लेखक व पत्रकार

इमरजेंसी के बाद से ही गाहे-बगाहे यह बात उठती रही है कि संविधान की प्रस्तावना को उसके मूल रूप में स्थापित किया जाए। प्रस्तावना को मूल रूप में स्थापित करने का अर्थ यह है कि उसमें से 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्द हटाया जाए। भारतीय जनता पार्टी व संघ की ओर से समय-समय पर यह मुद्दा उठाया जाता है और इससे ऐसा प्रतीत होता है कि बीजेपी संविधान सभा द्वारा अंगीकार की गई मूल प्रस्तावना को वापस बहाल करने की स्पष्ट मंशा रखती है। इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने के अवसर पर एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने फिर से यह प्रसंग छेड़ा है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान संविधान में जोड़े गए समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द को हटाए जाने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने फिर से एक नए विवाद को जन्म दे दिया। होसबाले ने कहा है कि कांग्रेस को 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार की ओर से लगाए गए आपातकाल के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और पंथनिरपेक्ष जैसे शब्द जोड़े गए थे। इन्हें हटाने के लिए भी बाद में प्रयास नहीं हुए, इसलिए इस पर चर्चा होनी चाहिए कि क्या इन शब्दों को रहना चाहिए या नहीं। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने जो संविधान बनाया, उनकी प्रस्तावना में ये दोनों शब्द नहीं थे। होसबाले के इस बयान का आरएसएस और बीजेपी के कुछ नेताओं ने भी समर्थन किया है।

दोनों शब्दों से आपत्ति क्यों

दरअसल, संविधान में समाजवादी और धर्मनिरपेक्षता शब्द को शामिल करने के साथ ही इस पर विवाद शुरू हो गया था। इसके विरोधियों का मानना है कि संविधान के दर्शन में एक तरह से पहले से ही समाजवादी और धर्मनिरपेक्षता का स्पष्ट उल्लेख हुए बिना न्याय, समानता, स्वाधीनता और भाईचारे का विचार निहित है। कांग्रेस के आलोचक चिंता व्यक्त करते रहे हैं कि संविधान में अलग से इन शब्दों को शामिल किए जाने से इनका दुरुपयोग या फिर गलत व्याख्या की जा सकती है। कांग्रेस के विरोध वाली पार्टियां हमेशा इसे कांग्रेस के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करती रही हैं। अहम सवाल यह भी उठता है कि यदि इन दोनों शब्दों से इतनी आपत्ति थी तो इन्हें 1977 में आई जनता पार्टी की सरकार ने क्यों नहीं बदल दिया। उस वक्त 42वें संशोधन की तमाम चीजों को बदल दिया गया था। जानकारों का कहना है कि तत्कालीन मोरारजी देसाई की सरकार के कुछ सहयोगियों ने ही उस वक्त इन्हें हटाने से मना किया था क्योंकि उनके मुताबिक, इससे राजनीतिक रूप से काफी नुकसान होने की आशंका थी।

कोर्ट ने रद कर दी थी याचिका

खैर, आरएसएस नेता की ओर से यह मांग तब आई है जब नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को प्रस्तावना से हटाने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि ये शब्द

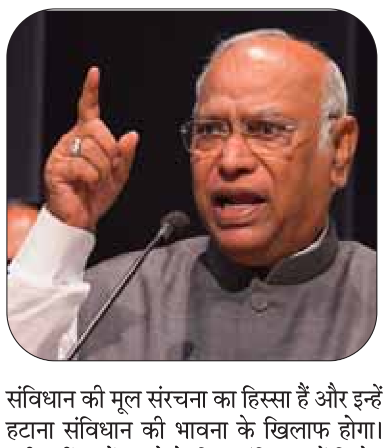

संविधान की मूल संरचना का हिस्सा हैं और इन्हें हटाना संविधान की भावना के खिलाफ होगा। यही नहीं, इन्हें हटाने के लिए संविधान में विशेष बहुमत की जरूरत होगी जो मौजूदा सत्तारूढ़ पार्टी के पास नहीं है। विपक्षी दलों का कहना है कि यही सब करने के लिए तो बीजेपी 'चार सौ पार' करने का मंसूबा पाले हुए थी, पिछले लोकसभा चुनाव में। हालांकि चार सौ पार हो जाते, तब भी ऐसा करना संभव नहीं था क्योंकि सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि ये शब्द संविधान के मूल ढांचे का भाग हैं। बात सिर्फ बहुमत तक की नहीं है। दरअसल, ये अपनी विचारधारा के पक्ष में जनमत बनाने की कोशिश की है। राम मंदिर का मामला देखिए। उन्हें पता था कि कहने से नहीं बन पाएगा, फिर भी 1989 से ही कहते चले आ रहे थे और फिर बन गया। तो उन्हें पता है कि आज नहीं तो कभी तो आएगी दो तिहाई बहुमत और जब तक नहीं आएगी, तब तक इसके जरिए बहुमत पाने की कोशिशें जारी रहेंगी।

अपनी विचारधारा मजबूत करने के लिए जनमत बनाने की कोशिश होती रहेगी। वैसे तो बीजेपी के लोग खुद को भी समाजवादी मानते हैं कि पार्टी की स्थापना ही 'गांधीवादी समाजवाद' के मूल्यों पर की गई थी लेकिन बीजेपी समाजवाद से संबंधित राजनीतिक पार्टियों से खुद को अलग दिखाना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिकाएं खारिज होने के बावजूद यह बहस चलती रही कि इन शब्दों को हटाया जाना चाहिए, लेकिन यह मांग तक ही सीमित रही, इससे आगे कोई संवैधानिक प्रक्रिया नहीं चली। हालांकि कहा ये जाता है कि ये शब्द हटाए जाएं या ना हटाए जाएं लेकिन हिन्दू राष्ट्र बनाने की राह में प्रस्तावना में निहित ये दोनों शब्द सबसे बड़ा रोड़ा हैं, खासकर पंथनरिपेक्ष। इसीलिए बार-बार इनकी चर्चा होती रहती है। संविधान को लेकर आरएसएस और बीजेपी की सोच चाहे जो रही हो लेकिन 2014 के बाद से ही बीजेपी संविधान से जुड़े मुद्दों पर बहुत सोच-समझकर बात करती है क्योंकि संविधान से जुड़े मुद्दे अक्सर उसके लिए राजनीतिक तौर पर नुकसानदायक साबित होते हैं। हाल ही में 2024 के लोकसभा चुनाव में उसके कुछ नेताओं ने संविधान बदलने की बातें कहकर विपक्ष को मौका दे दिया और बीजेपी उम्मीद से 160 सीटें नीचे चली आई।

2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के वक्त आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का 'आरक्षण की समीक्षा' वाला बयान बीजेपी भला कैसे भूल सकती है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बार-बार 'संविधान का रक्षक और सम्मानकर्ता' होने का सबूत देना पड़ता है। ऐसे में संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवाद' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को हटाने की बहस की मांग कहां तक पहुंचेगी, यह कहना फिलहाल मुश्किल है। पिछले कुछ सालों में कई बार इन दोनों ही शब्दों को संविधान से हटाने की भी मांग की जा चुकी है। 'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' जैसे शब्दों को संविधान से हटाने की चर्चा समय-समय पर उठती रही है। संघ के महासचिव के बयान के बाद टकराव जाहिर है फिर से शुरू हो गया है। संघ के शब्दों में भारत का संविधान कभी भी 'मनुस्मृति से प्रेरित नहीं था।

नए संविधान की बात

आरएसएस और बीजेपी बार-बार एक नए संविधान की बात करती आ रही हैं। यह तो साल 2024 में नरेंद्र मोदी के लोकसभा चुनाव प्रचार का मुद्दा भी था। लेकिन अब जब इस पर संवैधानिक पदों पर बैठे लोग खुलकर बोलने लगे हैं, तो यह बहस सिर्फ वैचारिक नहीं, बल्कि राजनीतिक रणभूमि बनती जा रही है। इस बयान के बाद अब निगाहें संसद के आगामी सत्र और राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया पर टिकी हैं। क्या यह सिर्फ एक विचारधारा की अभिव्यक्ति है या किसी बड़ी संवैधानिक पहल की प्रस्तावना-इसका जवाब आने वाले दिनों में और स्पष्ट होगा।

खबर संक्षेप

पौधारोपण कर मनाई जन्मदिन की खुशियाँ

कटनी। मानव जीवन विकास समिति के सचिव व पर्यावरण विद निर्भय सिंह अपने कार्यकर्त्ता टीम के साथ मनाये अपना 61वें जन्मदिन के अवसर पर पेड़ लगाकर मनाई खुशियाँ। श्री सिंह ने अपने सन्देश में बताया की जीवन के लिए पेड़ो का बहुत ही महत्व है और आप सभी जिन लोगों तक मेरा सन्देश पहुंचे वे सभी लोग भी अपने जन्मदिन व अन्य उत्सव पर जरूर एक पेड़ लगाए। हम समिति के प्रयासों से प्रत्येक वर्ष हजारो पेड़ लगाते है और संरक्षित भी करते है। अभी इस वर्ष भी एक लाख पौधे लगाने की योजना है जिसे हम चिन्हित जगहों पर वृक्षारोपण कराना शुरू कर दिया है।

झूलेलाल चालीहा महोत्सव का आयोजन 8 जुलाई से

कटनी। भगवान झूलेलाल चालिहा महोत्सव का आयोजन 8 जुलाई से 17 अगस्त सिंधी सेंट्रल पंचायत के सानिध्य में मनाया जाएगा। इस 40 दिवसीय चालिहा महोत्सव का भव्य शुभारंभ 8 जुलाई को सुबह 10 गणमान्य नागरिको तथा श्रृद्धालुओ की उपस्थिति में पं.दिनेश शर्मा व मंदिर के पुजारी जुगल किशोर पांडेय द्वारा पुज्य बहराणे साहिब की पूजा व भगवान झूलेलाल कि अखण्ड ज्योति पृज्वलित के साथ व्रतधारियों के संकल्प बंधन से 40 दिवसीय चालिहा महोत्सव के वृतो की शुरुआत होगी। संजय खूबचंदानी ने यह भी बताया कि दसवी शताब्दी में सिंध प्रांत में मिर्ख बादशाह के अत्याचारो से निजात पाने के लिये हिन्दू लोगों ने, 40 दिनों तक सिंधु नदी के तट पर जल देवता की स्तुति की थी तभी से भगवान झूलेलाल चालिहा महोत्सव मनाया जाता है इस अवसर पर श्री झूलेलाल मंदिर गुरुनानक वार्ड में रोज़ाना विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा जिसमे सुबह 8:30 बजे व सायकाल 8 -9 बजे तक गीत-संगीत, पल्लव ,प्रथना, पूजा-अर्चना व प्रसाद वितरण इत्यादि आयोजन होंगे, इस अवसर पर समिति द्वारा इस भव्य 40. दिवसीय भगवान श्री झूलेलाल चालिहा महोत्सव के समस्त आयोजन में उपस्थिति प्रदान करने की अपील की हैं।

पर्यावरण सरंक्षण व संवर्धन का दिलाया गया संकल्प

स्लीमनाबाद। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत शनिवार को स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय स्लीमनाबाद मे पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम के तहत प्राचार्या डॉ सरिता पांडेय ने छात्र -छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि वर्तमान मैं बढ़ते प्रकृति दोहन के कारण ग्लोबल वार्मिंग की समस्या उतपन्न हो रही है।जिससे वर्षा भी पर्याप्त नही हो पा रही है। पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन होने से वर्षा भी सही होगी क्योंकि पेड़_पौधो का जीवन मैं महत्व बहुत बड़ा है। पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन होने से वर्षा भी सही होगी। छात्र_छात्राओ ने पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया। छात्र -छात्राओं ने कहा कि हम अपने परिवार अपने मित्रों एवं क्षेत्र के लोगों को पर्यावरण सुरक्षा के लिये प्रेरित करेंगे ओर पर्यावरण को आगे संभालेंगे। इसके अलावा महाविद्यालय परिसर मे भी पौधेरोपण किया। इस दौरान प्रभात सिंह,डॉ प्रीत नेगी, डॉ प्रीति यादव,डॉ शैलेन्द्र जाट, डॉ भारती यादव, डॉ अशोक पटेल सहित छात्र -छात्राओं की उपस्थिति रही।

60 लीटर शराब जब्त

कटनी। एनकेजे पुलिस ने दुर्गा चौक खिरहनी निवासी राकेश निषाद के पास से 60 लीटर कच्ची शराब जब्त की है। आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

ढीमरखेड़ा उमरियापान में आधा दर्जन नदियों के उफान पर आने से सुरक्षित स्थानों की ओर रूख कर रहे लोग

झमाझम बारिश से बढ़ा नदियों का जलस्तर, गांवों से संपर्क बाधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

आसमान में छाए काले बादल और हो रही तेज बारिश से उमरियापान ढीमरखेड़ा क्षेत्र में हालत बिगड़ने लगे हैं। शुक्रवार की रात एवं शनिवार की दोपहर तक हुई बारिश के चलते नदियां नाले का लगातार जलस्तर बढ़ रहा है। क्षेत्र में बहने वाली बेलकुण्ड, मौरी, दतला, हिरण, लभेर और सुआ नदी का जलस्तर बढ़ने से पुलों के ऊपर पानी आ गया जिससे आवागमन बाधित रहा। ग्रामीण घरों में कैद रहे। बारिश से बिजली समस्या भी बनी रही। सिलौंड़ी क्षेत्र में बारिश से ज्यादा समस्या उन लोगों को हुई, जिन लोंगों के घरों में पानी घुस गया।

जलस्तर बढ़ने और पुलों के ऊपर पानी बहने की जानकारी लगते ही सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने उमरियापान थाना प्रभारी दिनेश तिवारी ने पुलिस बल के साथ पहुँचकर मार्ग को बेरिकेड्स कराया। पुलों के नीचे पानी होने के बाद ही आवाजाही करने की समझाइश ग्रामीणों को दिया। उमरियापान क्षेत्र में बेलकुण्ड नदी का जलस्तर बढ़ने से दोपहर करीब डेढ़ बजे गर्राघाट पुल के ऊपर पानी आ गया। उमरियापान-ढीमरखेड़ा मार्ग पूरी तरह से बाधित हो गया। पुल के दोंनो तरफ वाहनों की कतारें लग गई। दो पहिया वाहन चालक तो अन्यत्र मार्गों से सफर किया, लेकिन चार पहिया और बड़े वाहनों के लिए समस्या बन गई।दिनभर हुई बारिश से उमरियापान से घुघरी,घुघरा और कछारगांव छोटा की स्थिति भी यही रही। तीनों पुलों के ऊपर भी बेलकुण्ड नदी का पानी आने से ग्रामीणों को परेशान होना पड़ा। ग्रामीणों का एक दूसरे गांवों का सम्पूर्ण पूरी तरह से टूट गया। बीते साल हुए बारिश से प्रभावित गांव होने के कारण इन गांवों के लोग दहशत में रहें। ग्रामीणों में फिर से बाढ़ आने की संभावना है, इसके चलते कई लोगों ने गांव छोड़कर अन्य गांवों में किराए से रहने लगे हैं।ढीमरखेड़ा क्षेत्र में मौरी नदी का जलस्तर भी बढ़ता रहा। कौभी नाला का पानी पुल के ऊपर आने से ढीमरखेड़ा से दशरमन जाने का मार्ग प्रभावित हुआ। पुलिस ने मार्ग में बेरिकेड्स किया। बारिश के चलते ग्रामीणों को आवागमन करने से रोका।

सुआ नदी का जलस्तर बढ़ा तो सिलौंड़ी के भारत नगर और इंदिरा आवास कॉलोनी में पानी आ पहुँचा।यहाँ रहने वाले करीब दो दर्जनों लोगों के घरों के भीतर बारिश का पानी घुस गया। ग्रामीणों में हाहाकार मच गया।लोगों के घरों के भीतर रखी गृहस्थी खराब हो गई। जितना बना लोग अपनी गृहस्थी को बचाने में जुटे रहे। नदी का पानी कम होने के बाद लोगों ने घरों में भरे पानी को बाहर निकाला। सुआ नदी में पानी आने से सिलौंड़ी नेगई मार्ग प्रभावित हुआ। लभेर नदी में पानी पुलों के ऊपर होने से सिलौंडी से कुंडम और बघराजी मार्ग का आवागमन बाधित रहा। वहीं दतला नदी का पानी सड़क के ऊपर होने से सिलौंड़ी से दशरमन मार्ग का आवागमन भी रुका रहा। गांव में कचरे मकानों की मिट्टी, बांस और खपरैल भी गिरे। लभेर नदी का पानी बढ़ने से कछारगांव बड़ा में कुम्हार मोहल्ला, डबरी मोहल्ला और चंडी घाट में रहने वाले करीब डेढ़ दर्जन लोगों के घरों में भी पानी

घुस गया। ग्रामीणों की गृहस्थी खराब होने से आर्थिक नुकसान पहुंचा है। यहाँ ग्राम पंचायत भवन पांच फिट तक डूबा रहा। स्कूल परिसर में भी पानी भर गया।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता सेमिनार का हुआ आयोजन

सहकारी समिति कर्मचारियों ने 4 सूत्रीय मांगों को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

शनिवार को बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या बड़वारा में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025-26 एवं सहकार से समृद्धि के अन्तर्गत अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सेमिनार कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें अधिक संख्या में क्षेत्र के किसान भाईयों ने हिस्सा लिया, एवं सहकारिता विभाग, बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बड़वारा के कर्मचारियों की उपस्थित सराहनीय रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, राजयश वर्धन कुरील सहायक आयुक्त सहकारिता, चन्द्रशेखर पटले मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या जबलपुर उपस्थित रहे है, विजय कुमार मिश्रा अंकेक्षण अधिकारी द्वारा कार्यक्रम का संयुक्त संचालन करते हुये उपस्थित जन समूह को सहकारिता के बारे में बताया कि सरकार के द्वारा कैसे आगे बढ़ा जा सकता है।

विधायक सिंह द्वारा माँ सरस्वती के चित्र में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। राजयश वर्धन कुरील सहायक आयुक्त सहकारिता द्वारा विधायक का स्वागत किया। सहकारिता सेमीनार में बहुउद्वेश्यीय सहकारी समिति बड़वारा के कर्मचारियों की ओर से 04 मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से बड़वारा समिति में नवीन खाद गोदाम, किसान शेड, जनऔशधि केन्द्र संचालन के लिये अतिरिक्त कक्ष एवं कर्मचारियों की कमी दूर करने नवीन पदस्थापना शामिल है।

कार्यक्रम का संचालन सहकारिता विभाग के जिला अंकेक्षण अधिकारी विजय मिश्रा ने किया। आयोजन में सहकारी समिति बड़वारा के अलावा विलायतकलां, अमाड़ी, बसाड़ी, नन्हवारा सेझा एवं कौड़यि समिति के किसान, कर्मचारी और आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिती रही। सहकारिता कार्यशाला में विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, सहायक आयुक्त सहकारिता राजयशवर्धन कुरील, जिला सहकारी बैंक जबलपुर के महाप्रबंधक चन्द्रशेखर पटले, शाखा प्रवन्धक बड़वारा पंकज त्रिपाठी, समिति बड़वारा के प्रशासक शैलेश सिंह, समिति प्रवन्धक बड़वारा देवानन्द सिंह रघुवंशी, विनय कुमार गौतम,राकेश बैरागी, शिवकुमार पांडे, अरुण कुमार तिवारी, निरंजन सिंह, आशीष बैरागी, अजीत दुबे, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक श्रीमती ज्योति सोनी, अनीता कोल, बेबी नैना मेहरा, गीतेश मेहरा, आयुश गुप्ता शाखा प्रबंधक पंकज त्रिपाठी, समिति प्रबंधक विलायतकलां राहुल तिवारी सहित अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने शासन के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम के तहत आम, अमरूद, नीबूं सहित नीम के पौधे रोपे गये।

अपने धाम पहुंचे भगवान जगन्नाथ स्वामी, निकली रथयात्रा

सब्जी मंडी स्थित राम जानकी मंदिर से भगवान जगन्नाथ स्वामी की वापसी रथयात्रा धूमधाम से निकाली गई। भगवान जगन्नाथ महाप्रभु भाई बलभद्र के साथ सुसज्जित रथ पर सवार होकर शहर के मुख्य मागों से होते हुए पुराना कमानिया गेट, दक्षिण मुखी हनुमान जी मंदिर, सुभाष चौक, झंडा बाजार, लक्ष्मीनारायण मंदिर, शेर चौक, आजाद चौक होते हुए जगन्नाथ चौक पहुंचें । महाप्रभु की भक्तों द्वारा महाआरती की गयी। जगन्नाथ चौक स्थित मंदिर में भगवान को गर्भ गृह में विराजमान किया गया। वापसी रथ यात्रा पर महाप्रभु की वापसी रथ यात्रा मार्ग को नगरवासियों द्वारा फूलों व आधुनिक साज सज्जा से सजाया गया। रथ यात्रा मार्ग में जगह-जगह भगवान का आरती वंदन पूजन कर स्वागत किए गए।

मवेशियों को पकड़ने के आदेश का पालन नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

मुख्य मार्गों में आए दिन हादसों एवं आवागमन बाधित होने के बाद भी बेसहारा मवेशियों को पकड़ा नहीं जा रहा है। जिम्मेदारों की उदासीनता एवं बेपरवाही का आलम यह है कि कलेक्टर के आदेश पर भी अमल नहीं किया जा रहा है। सड़कों में निराश्रित मवेशियों को पकड़ने के लिए कलेक्टर द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये हैं। बहोरीबंद विकासखंड मे कलेक्टर के प्रतिबंधात्मक आदेश का पालन नहीं हो रहा है। जिस कारण कलेक्टर का आदेश दिखावा बनकर रह गया है।

स्लीमनाबाद से बहोरीबंद,पान उमरिया, बिलहरी, कुआँ मार्ग सहित अन्य मार्गो रपर जगह -जगह मवेशियों का जमावड़ा रहता है। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर भी सैकड़ों निराश्रित मवेशियों का सड़क पर जमावड़ा लगा रहता है जिससे राहगीरों को दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है।

गौरतलब है कि कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने सड़कों पर धूम रहे गौवंश सहित अन्य निराश्रित मवेशियों को गौशालाओं और सुरक्षित स्थानों पर रखने के आदेश जारी किए लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में अफसर इस अभियान का औपचारिकता निभा रहे है। रात के समय वाहन चालकों द्वारा तेज रफ्तार से वाहन चलाये जाते है जिससे कि निराश्रित मवेशियों की मौत होती है। बारिश के दिनों में आवारा मवेशी कीचड़ से बचने सूखी जगह में बीच रोड पर बैठते हैं। अंधेरा होने या चालक की असावधानी से वाहन मवेशियों से टकराते है। इस वजह से सड़क दुर्घटनाओं की संख्या अधिक होती है। मवेशियों की धमाचौकड़ी से किसान भी परेशान है!

इस संबंध में एसडीएम राकेश चौरसिया ने बताया कि कलेक्टर के द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का विकासखंड मै सख़्ती से पालन कराया जायेगा। सभी ग्राम पंचायते इस अभियान की जवाबदेही निभाए इसके लिए सभी ग्राम पंचायतों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जायेंगे!

मुक्तिधाम में अव्यवस्थाओं के चलते ग्रामीण होते हैं परेशान

मुक्तिधाम में शेड नहीं होने से बारिश के बीच पन्नी लगाकर करना पड़ा अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

ढीमरखेड़ा जनपद की इमलिया ग्राम पंचायत में आज भी अंतिम संस्कार के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है। शुक्रवार को गांव में एक वृद्ध महिला की मौत के बाद बारिश में अंतिम संस्कार और आग को पानी से बचाने के लिए पन्नी और छतरी का सहारा लेना पड़ा। जब तक अंतिम संस्कार नहीं हुआ तब तक बारिश में लोगों को मजबूरी में खड़े रहना पड़ा। इमलिया निवासी दुखिया बाई चौधरी 85 का निधन हो गया था। सुबह से हो रही बारिश के चलते अंतिम संस्कार करना मुश्किल हो गया। दोपहर के समय अंतिम संस्कार के लिए बारिश में ही ग्रामीण पन्नी ढांककर अर्थी निकाली। इतना ही नहीं मुक्तिधाम में शेड की व्यवस्था नहीं होने के

कारण बरसते पानी में पन्नी ढँककर अंतिम संस्कार करना पड़ा। वहीं कई लोगों ने हाथों में छाता लेकर बारिश से बचने का प्रयास किया,जबकि अन्य लोग तो पानी में भी भीगते रहे। इमलिया पंचायत के प्रभारी सचिव जीआरएस नरेंद्र हल्दकार ने बताया कि पहले गांव के मुक्तिधाम में शैड नहीं था। नवीन कार्यकाल में मुक्तिधाम स्वीकृति हुआ। बाउंड्रीबॉल का निर्माण कार्य हो गया। अन्य निर्माण होना बाकी है। ढीमरखेड़ा जनपद की अधिकांश ग्राम पंचायतों में मुक्तिधाम में टीन शेड व अन्य व्यवस्थाएं नहीं है। बीते 20 जून को दशरमन गांव में कुंती बाई (70)का निधन हो गया था। बारिश में शव को पन्नी से ढँककर अंतिम संस्कार करना पड़ा। अब इमलिया गांव में भी ऐसी ही समस्या सामने आई है।टीन शेड का प्रबंध न होने से बारिश के दिनों शव को पन्नी, त्रिपाल से सुरक्षित करना पड़ता है। ग्रामीणों को भी छातों का सहारा लेना पड़ता है। दशरमन और इमलिया दोंनो गांवों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही। जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण आज भी गांवों के मुक्तिधाम में शेड निर्माण की पहल नहीं की गई, नतीजा यह है कि ग्रामीण बरसते पानी में शव का दाह संस्कार करने को मजबूर हैं।

इस संबंध में एसडीएम निधि गोहल का कहना है कि इमलिया, दशरमन के अलावा ऐसी कितनी पंचायतें हैं, जहा मुक्तिधामों में शैड की व्यवस्था नहीं है। इसकी जानकारी लेकर कार्रवाई की जाएगी। सभी मुक्तिधामों में शैड की व्यवस्था कराई जायेगी, ग्राम पंचायतों से इसके प्रमाण पत्र भी लिए जाएंगे।

जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस पर आयोजित हुआ स्वैच्छिकता पर्व

कार्यक्रमों में सहयोग करने वालों को प्रदान किये गए प्रशस्ति पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मप्र जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस को स्वैच्छिकता पर्व के रूप में मनाते हुए सामाजिक क्षेत्र में स्वैच्छिकता से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं, स्वैच्छिक संगठनों की जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन जिला पंचायत सभा कक्ष में किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के साथ जुड़कर कार्य करने वाले स्वैच्छिक संगठनो, नवांकुर योजना अंतर्गत कार्यरत संस्थाओं, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम से जुड़े छात्र-छात्राओं, परामर्शदाताओं सहित पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नगर का संदेश का प्रसारण पश्चात जिला समन्वयक डॉ तेजसिंह केशवाल द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी के साथ मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की संरचना ,गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी दी गई। पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह द्वारा सामाजिक क्षेत्र में स्वैच्छिकता से कार्य करने आवश्यक तत्वों एवं गुणों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। शिकागो पब्लिक स्कूल के संचालक शिक्षाविद् मोहन दास नागवानी द्वारा जन अभियान परिषद की स्थापना से जुड़े विभिन्न अनुभव एवं विकास में स्वैच्छिकता की भूमिका पर जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा द्वारा स्वैच्छिकता की शपथ दिलाई गई एवं स्वैच्छिकता से कार्य करने के विभिन्न आयामों पर अपने अनुभव साझा किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष दीपक टंडन द्वारा स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को स्व-प्रेरणा से जागरण का मंत्र देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच सूत्रों का उल्लेख किया। आपके द्वारा जन भागीदारी के महत्व को समझाते हुए बताया गया कि जहां स्वच्छता व जन भागीदारी से कार्य होते हैं, उसकी गुणवत्ता व स्थायित्व अलग होता है। श्री टंडन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के नाम संदेश का वाचन किया गया। कार्यक्रम मैं जन अभियान परिषद द्वारा स्वैच्छिकता से वर्ष भर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों में शासन के साथ सहयोग कर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

कानून व्यवस्था बनाये रखने अधिकारियों की लगी ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर जिले में मोहर्रम पर्व के कार्यकम को दृष्टिगत रखते हुए जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की डयूटी लगाई गई है। सम्पूर्ण कानून एवं शांति व्यवस्था का दायित्वा प्रदीप मिश्रा अनुविभागीय दण्डाधिकारी कटनी को सौंपा गया है। इनके सह प्रभारी बी. के. मिश्रा तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तहसील कटनी (नगर) होंगे।

इसी प्रकार शहर में निकलने वाले जुलूस कार्यकमों में उपस्थित रहकर कानून एवं शांति व्यवस्था की जिम्मेकदारी राकेश अहिरवार अधीक्षक एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट भू-अभिलेख कार्यालय कटनी, अजीत तिवारी तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तहसील कटनी (ग्रामीण) एवं आकाशदीप नामदेव, अतिरिक्ति तहसीलदार कटनी एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को दी गई है। वहीं कार्यकम अनुसार कब्रिस्तान, करबला, मस्जिदो इत्यादि में प्रमुख कार्यकम होने पर कानून एवं शांति व्यवस्था हेतु अतुलेश सिंह नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तहसील कटनी (नगर), रामटेके हर्षवर्धन सहायक अधीक्षक एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट भू अभिलेख कार्यालय कटनी, गौरव पाण्डेय तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नजूल कार्यालय कटनी की ड्यूटी लगाई गई है।

'सरजमीन' का दमदार ट्रेलर जारी इब्राहिम से भिड़ते दिखे पृथ्वीराज...

मुंबई। अभिनेत्री काजोल इन दिनों फिल्म 'मां' में नजर आ रही हैं, जिसमें वह अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जमकर वाहवाही लूट रही हैं। अब काजोल जल्द ही फिल्म 'सरजमीन' में नजर आएंगी। इस फिल्म में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, वहीं सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अब निर्माताओं ने 'सरजमीन' का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जो जबरदस्त एक्शन और सस्पेंस से भरपूर है। 'सरजमीन' के ट्रेलर में सुकुमारन एक फौजी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपनी सरजमीन के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हैं। उन्हें अपनी जान की परवाह नहीं है।

लाइफ Style

उर्फी
चाहे कुछ कर लूं, नफरत ही मिलेगी

सोशल मीडिया स्टार और अभिनेत्री उर्फी जावेद अपने अतरंगी अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। उधर उनका बेबाक रवैया भी खूब चर्चा में रहता है। फिलहाल वह करण जौहर के रिएलिटी शो 'द ट्रेटर्स' को लेकर सुर्खियों में हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

उन्होंने सभी प्रतियोंगियों को हराते हुए निकिता लूथर के साथ शो की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। हालांकि, शो को जीतने के बाद उन्हें गालियां सुनने को मिल रही हैं। खुद उर्फी ने ये खुलासा किया है। उर्फी शो 'द ट्रेटर्स' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बेहतरीन गेम खेला और इस रियलिटी शो को जीत भी लिया, लेकिन कुछ लोगों से उर्फी की यह जीत बर्दाश्त नहीं हुई। दरअसल, वो लोग अपनी पसंद के प्रतियोगी को जीतते हुए देखना चाहते थे। ऐसे में उन्होंने उर्फी को सोशल मीडिया पर गालियां और धमकियां दीं। इन गालियों का स्क्रीनशॉट उर्फी ने इंस्टाग्राम पर साझा किया और ट्रोलर्स के ऐसे रवैये पर नाराजगी जाहिर की।

उर्फी लिखती हैं, 'जब आपको कोई लड़की पसंद नहीं आती तो आप उसे अपशब्द कह देते हैं। यह पहली बार नहीं है, जब मुझे इस तरह से धमकाया जा रहा है या गाली दी गई है। इस बार यह मेरे कपड़ों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए हुआ, क्योंकि मैंने एक शो जीता था। सोचिए आप इतने छोटे इंसान हैं कि जब आपका पसंदीदा प्रतियोगी नहीं जीतता है तो आप दूसरे शख्स को गाली देने और धमकी देने लगते हैं।'

हॉलीवुड मसाला

तेज रफ्तार से दौड़ रहीं एफ-1

लॉस एंजिल्स। एक ओर जहां हिंदी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर हॉलीवुड स्टार ब्रैड पिट की 'एफ1' बॉक्स ऑफिस पर तेज रफ्तार से दौड़ रही है। एफ1 ने गुरुवार को भी 3.7 करोड़ रुपए का अच्छा कलेक्शन किया। इससे पहले बुधवार को फिल्म ने 3.48 करोड़ रुपए जुटा लिए थे। इस तरह से सात दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन 35.68 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। जो कन्नप्पा और मां दोनों से बेहतर है। काजोल की फिल्म 'मां' और विष्णु मांचू की पैन इंडिया 'कन्नप्पा' को बॉक्स ऑफिस पर अब एक हफ्ते का समय पूरा हो चुका है।

लंदन की सड़क पर 'बम बम' गाने पर किया डांस

लंदन। निक जोनस एक बार फिर से प्रियंका चोपड़ा के चाहने वालों का दिल जीतते नजर आ रहे हैं। उन्होंने एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है जिसमें वो प्रियंका चोपड़ा की अपकमिंग फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' के लंदन प्रीमियर से ठीक पहले की है। सिंगर ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके पीछे उनकी वाइफ छिपी है और जैसे ही वो कैमरे के सामने से हटते हैं, प्रियंका 'बम बम' गाने पर मटकने लगती हैं। अब एक बार फिर से लोगों ने इस कपल की तारीफ शुरू कर दी है। एक ने कहा- मैं इस कपल का फैन हूं। एक यूजर ने कहा- दोनों भी स्टनिंग। वहीं अन्य यूजर ने कहा- लेडीज, ऐसे ही मर्दों को पार्टनर बनाएं जो हमेशा उन्हें खुद से ऊपर रखें। एक और ने कहा- किसी भी बॉलीवुड कपल से अधिक खुश हैं ये दोनों। एक ने कहा- निक प्रियंका के चियरलीडर हैं।

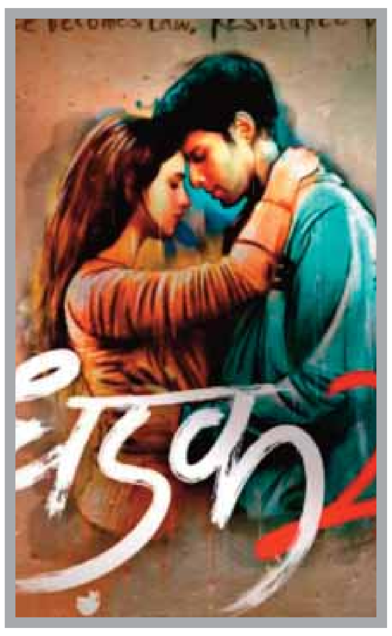

सिद्धांत संग धड़क-2 का ट्रेलर 11 को रिलीज

मुंबई। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क 2' का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक हैं। खास बात यह है कि यह पहला मौका होगा, जब सिद्धांत और तृप्ति पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। 'धड़क 2' के निर्देशन की कमान शाजिया इकबाल ने संभाली है, वहीं करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं। अब फिल्म 'धड़क 2' के ट्रेलर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ गई है।बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'धड़क 2' का ट्रेलर 11 जुलाई, 2025 को रिलीज किया जाएगा, जिसके लिए निर्माता मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में तृप्ति, सिद्धांत, फिल्म निर्माता करण और निर्देशक शाजिया भी शामिल होंगे।

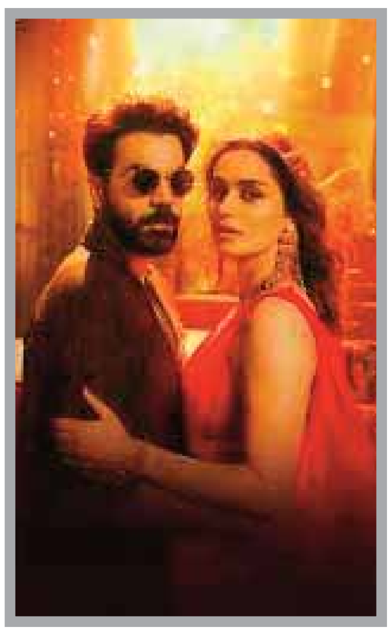

मालिक का गाना राज करेगा मालिक जारी

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव जल्द ही फिल्म 'मालिक' में नजर आएंगे। उनकी यह फिल्म 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म राजकुमार की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब निर्माताओं ने फिल्म 'मालिक' का नया गाना 'राज करेगा मालिक' जारी कर दिया है। इस गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। 'राज करेगा मालिक' में राजकुमार का धांसू अवतार दिख रहा है, वहीं मानुषी जोरदार डांस करती नजर आ रही हैं। राजकुमार पहली बार गैंगस्टर बन बड़े पर्दे पर तहलका मचाने आ रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान पुलकित ने संभाली है, वहीं फिल्म का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है।

टीवी मसाला

'अंगूरी भाभी' को 'संघर्ष' से है दिक्कत बोलीं- 'एक्टिंग करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण'

नई दिल्ली। लोकप्रिय टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी के किरदार से मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया है कि कई सालों तक कैमरे के सामने काम करने के बाद भी, उनके लिए एक्टिंग करना अभी भी एक चुनौती जैसा लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे 'संघर्ष' शब्द थोड़ा नेगेटिव लगता है, लेकिन अभिनय में हर समय हम आगे बढ़ते रहते हैं। कई साल काम करने के बाद भी कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सफर कभी खत्म नहीं होता, बल्कि समय के साथ और भी खास बनता जाता है। मुझे एक्टिंग कभी आसान नहीं लगती क्योंकि हर किरदार के अपने अलग भाव होते हैं। आप किसी और की जिंदगी में कदम रखते हो, और इसके लिए बहुत ईमानदारी और मेहनत करनी पड़ती है।

'छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढ़ती हूं' : लंबे शूटिंग और थकावट की स्थिति में वह खुद को किस तरह प्रेरित करती हैं, इस पर शुभांगी ने कहा, 'मैं खुद को याद दिलाती रहती हूं कि मैंने यह काम क्यों शुरू किया था। मुझे सच में अपने काम से बहुत प्यार है और जब दिन मुश्किल होते हैं, तो मैं छोटी-छोटी अच्छी बातों में खुशी ढूंढ़ती हूं, जैसे कोई जबरदस्त डायलॉग या बेहतरीन सीन। यही चीजें मुझे आगे बढ़ने में मदद करती हैं।

टीवी के बदलते दौर पर की बात

शुभांगी अत्रे ने टीवी पर कहानी कहने के बदलते तरीके पर भी अपनी बात बताई। उन्होंने कहा कि आजकल के ज्यादातर टीवी शो असल जिंदगी से प्रेरित हैं, जिससे कलाकारों को ज्यादा गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिलता है उन्होंने कहा, 'टीवी पर कहानी कहने का बदलाव कलाकारों के लिए एक नया अध्याय जैसा है। अब किरदार जटिल और असली होते हैं। मुझे अच्छा लगता है जब मैं किसी भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखा पाती हूं। यह सब नया और बहुत मजेदार होता है।

सोशल मीडिया व फीडबैक पर क्या बोलीं शुभांगी

शुभांगी ने सोशल मीडिया और फीडबैक के बारे में बात करते हुए कहा कि आजकल की भागदौड़ वाली दुनिया में दर्शकों की प्रतिक्रिया कभी-कभी प्रेरित करती है और कभी-कभी ज्यादा दबाव भी बना देती है। उन्होंने कहा, 'दर्शकों का प्यार ऐसा होता है जैसे फ्यूल, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करता है लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि इस दबाव में न आऊं।

सारा अली खान की पिछली पांच फिल्मों में एक भी नहीं हुई फ्लॉप

मुंबई। पिछले काफी समय से अभिनेत्री सारा अली खान फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म आखिरकार 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। आइए हम आपको सारा की सिनेमाघरों में आईं पिछली 5 फिल्मों और बॉक्स ऑफिस पर उनके प्रदर्शन के बारे में बताते हैं।

'केदारनाथ' : सारा ने साल 2018 में आई फिल्म 'केदारनाथ' के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसमें उनकी जोड़ी दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ बनी थी, जिसे काफी पसंद किया गया। अभिषेक कपूर के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई। 50 करोड़ रुपये में बनी फिल्म 'केदारनाथ' ने दुनियाभर में 96 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर देख सकते हैं।

'सिम्बा' : 'केदारनाथ' की सफलता के बाद सारा फिल्म 'सिम्बा' में नजर आई थीं, जिसके निर्देशक रोहित शेट्टी थे। सारा के साथ

इस फिल्म में रणवीर सिंह और सोनू सूद ने भी मुख्य भूमिका निभाई है। साल 2018 में आई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस सुपरहिट साबित हुई। 'सिम्बा' को बनाने में केवल 90 करोड़ रुपये लगे थे और इस फिल्म ने दुनियाभर में 390 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सारा की यह फिल्म भी जी5 पर उपलब्ध है।

'लव आज कल' : साल 2020 में आई सारा की फिल्म 'लव आज कल' को काफी पसंद किया गया था। इसमें उनके जोड़ीदार कार्तिक आर्यन थे, वहीं रणदीप हुड्डा ने भी फिल्म में अहम भूमिका निभाई थी। इम्तियाज अली ने फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली थी। सारा की इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई की। 50 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म 'लव आज कल' ने दुनियाभर में 117.27 करोड़ रुपये जुटाए थे। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर मौजूद है।

'जरा हटके जरा बचके' : लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' में सारा की जोड़ी पहली बार अभिनेता विक्की कौशल के साथ बनी थी। यह फिल्म 2 जून, 2023 को दर्शकों के बीच आई थी और यह बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। 'जरा हटके जरा बचके' ने दुनियाभर में 116 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि इस फिल्म का बजट 35 करोड़ रुपये था। जियो हॉटस्टार पर यह फिल्म देखी जा सकती है।

बॉक्स ऑफिस पर 'अल्फा' से टकराएगी अदिवी शेष की 'डकैत'

मुंबई। अदिवी शेष इन दिनों फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कहानी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अनुराग कश्यप भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। 'डकैत' को 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना आलिया भट्ट की 'अल्फा' से होने वाला है। अब अदिवी ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

यह फिल्म जरूर चलेगी : अदिवी

बॉलीवुड हंगामा के साथ खास बातचीत में अदिवी ने 'डकैट' और 'अल्फा' के बीच टकराव पर कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई जानबूझकर किसी फिल्म के साथ टकराव करना चाहता है। रिलीज तारीख तय करते समय बहुत सारी चीजें सामने आती हैं। एक अच्छी फिल्म को देखने के लिए दर्शन सिनेमाघर आते ही हैं। अगर आप फिल्म को अच्छी तरह से बनाते हैं और इसका सही तरीके से प्रचार करते हैं, तो यह जरूर चलेगी।

अदिवी ने आगे क्या कहा?

अदिवी ने आगे कहा, मुझे 'डकैत' के लिए साउथ के लोगों को भी ध्यान में रखना होगा, क्योंकि इसे हिंदी और तेलुगु में शूट किया जा रहा है। मेरी पहली हिंदी फिल्म 'मेजर' भी अक्षय कुमार की 'सम्राट पृथ्वीराज' और कमल हासन की 'विक्रम' से टकराई थी। 'डैकत' की बात करें तो इस फिल्म का निर्देशन शैनिल देव ने किया है। उधर, 'अल्फा' में आलिया के साथ शरवरी वाघ नजर आएंगी। इस फिल्म के निर्देशक शिव रवैल हैं।

375 करोड़ के बजट पर बन रही यह फिल्म भारत की बड़ी फिल्मों में से एक

'कुली' में आमिर खान लेंगे रजनीकांत से सीधी टक्कर

मुंबई। आमिर खान फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन कर रही है। पिछले दिनों आमिर ने अपनी इस फिल्म की सफलता का जश्न भी मनाया। फिल्म की कहानी से लेकर आमिर के अभिनय तक ने दर्शकों को उनका मुरीद बना दिया है, वहीं खुद आमिर ने भी फिल्म की सफलता से राहत की सांस ली है। इसी बीच अब रजनीकांत की फिल्म 'कुली' से उनकी पहली झलक सामने आ गई है।

'दाहा' बनकर दिल जीतने आ रहे आमिर

पिछले काफी समय से खबर आ रही थी कि रजनीकांत की फिल्म में आमिर का जबरदस्त कैमियो होने वाला है, लेकिन किसी ने भी इस पर अपनी मोहर नहीं लगाई थी। अब आखिरकार फिल्म से आमिर का पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसे देख अभिनेता के प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं है। आमिर बेहद कूल अंदाज में नजर आ रहे हैं और फिल्म में उनके किरदार का नाम 'दाहा' होने वाला है।

देखने लायक होगी आमिर और रजनीकांत की भिड़ंत

'कुली' में कई जबरदस्त एक्शन सीन देखने को मिलेंगे। इनमें से एक सीन रजनीकांत और आमिर के बीच होगा, जिसमें दोनों के बीच एक तगड़ा टकराव देखने को मिलेगा। फिल्म में आमिर का किरदार भले ही 15 मिनट का हो, लेकिन इस सीक्वेंस को शूट करने के लिए उन्होंने पूरे 10 दिन की शूटिंग की है, क्योंकि वो सब कुछ बेहतरीन तरीके से करना चाहते थे। दोनों के इस सीक्वेंस में जोरदार डायलॉग्स और झन्नाटेदार एक्शन देखने को मिलेगा।

भयंकर ट्विस्ट लेकर आएगा आमिर का कैमियो

आमिर भले ही फिल्म में कैमियो कर रहे हों, लेकिन यह 'कुली' की कहानी में एक भयंकर ट्विस्ट लेकर आएगा, कुछ ऐसा, जिसे देख दर्शकों के होश उड़ जाएंगे। 375 करोड़ रुपये के बजट पर बन रही 'कुली' भारत की बड़ी फिल्मों में से एक है। फिल्म के निर्देशन की कमान लोकश कनगराज ने संभाली है। फिल्म को लेकर इतना उत्साह देखते हुए इसके इंटरनेशनल राइट्स भी 68 करोड़ रुपये में बिके हैं।

'वॉर 2' से बॉक्स ऑफिस पर भिड़ेगी 'कुली'

'कुली' का सामना सिनेमाघरों में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की 'वॉर 2' से होगा। दरअसल, ये दोनों ही फिल्में इस साल 14 अगस्त को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'वॉर 2' के जरिए एनटीआर बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर रहे हैं, वहीं कियारा आडवाणी भी इसका हिस्सा हैं। यशराज के स्पाई यूनिवर्स की ये फिल्म ब्लॉकबस्टर फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है। अब देखना होगा कि बॉक्स ऑफिस पर 'कुली' और 'वॉर 2' में कौन बाजी मारती है।